नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• 21 मई 2025 बुधवार • बोकारो संस्करण • वर्ष : 09 • अंक : 4 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1572 : फ्रांस और इंग्लैंड के बीच स्पेन के खिलाफ सैन्य समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

1720 : बाजीराव प्रथम, पेशवा बालाजी विश्वनाथ के उत्तराधिकारी बने।

1739 : स्पेन और आस्ट्रिया के बीच शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

1782 : बैंकाक शहर की स्थापना हुई।

1960 : ब्राजीलिया, ब्राजील की राजधानी बन गई।

2006 : नेपाल नरेश ने चुनी हुई सरकार को सत्ता सौंपने की घोषणा की।

झारखंड राज्य आंदोलन की उपज : हेमंत सोरेन

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का किया अनावरण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड राज्य के अगुवा, पुरोधा और मार्गदर्शक बिनोद बिहारी महतो के नाम पर स्थापित यह विश्वविद्यालय काफी कम समय में विकास के नये आयाम गढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की भौगोलिक संरचना के मद्देनजर यहां के लोगों को अधिक से अधिक सुविधा मुहैया करने के लिए हमारी सरकार कई कदम उठा रही है। इसी कड़ी में बिनोद बिहारी महतो विश्वविद्यालय की स्थापना धनबाद जिले में की गई, ताकि यहां के विद्यार्थियों को अपने ही क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा मिल सके। आज यह विश्वविद्यालय पूरे राज्य की शोभा बढ़ा रहा है। यहां के विद्यार्थियों का भविष्य संवारने का काम यह विश्वविद्यालय बखूबी निभा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड आंदोलन की उपज है। इसी वजह से यह राज्य शहीदों के नाम से जाना जाता है। इस राज्य के निर्माण में हमारे पूर्वजों का अहम योगदान रहा है। ऐसे में अपने शहीदों और आंदोलनकारियों को सम्मान देने की परंपरा हम निभाते आ रहे हैं। इसी कड़ी में कई संस्थानों का नामकरण यहां के शहीदों के नाम से किया गया है। धनबाद का बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय भी इसी का परिचायक है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य के कई शहर- गांव, टोला- मोहल्ला और गली शहीदों के नाम से जाने जाते हैं। यहां के चौक -चौराहों पर हमारे शहीदों, आंदोलनकारियों की लगी प्रतिमा यह बताने के लिए काफी है कि इस राज्य के निर्माण में उनका कितना अहम योगदान रहा है। हम अपने शहीदों एवं आंदोलनकारियों के सम्मान की खातिर उनके कार्यो को स्थापित करने की दिशा में निरंतर कदम बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि चाहे प्राथमिक शिक्षा हो या माध्यमिक अथवा उच्च शिक्षा। हमारी सरकार ने काफी कम समय में शिक्षा के क्षेत्र में जो बदलाव किए हैं, उसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे है। सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस के बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सीमित संसाधनों के बीच इस वर्ष बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। शिक्षा के क्षेत्र में ऐसे ही कई और बदलाव करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि और उसकी कमियों को दूर करने का प्रयास निरंतर जारी है। इस अवसर पर मंत्री सुदिव्य कुमार, सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक मथुरा प्रसाद महतो, विधायक अरुप चटर्जी, विधायक चंद्रदेव महतो, विधायक राज सिन्हा, विधायक उमाकांत रजक, विधायक जयमंगल सिंह, विधायक शत्रुघ्न महतो, विधायक जयराम महतो, झारखंड राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष बेबी देवी समेत कई अन्य गणमान्य लोगों सहित बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आर के सिंह और जिले के उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक तथा विश्वविद्यालय एवं जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद थे।

सुविधाओं से सुसज्जित गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन यात्रियों के लिए पूरी तरह तैयार

निरीक्षण करते रेलवे अधिकारीगण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

खूंटी। रांची डिवीजन के अंतर्गत गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन को 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत आधुनिक रूप से विकसित कर यात्रियों के लिए समर्पित करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। 22 मई 2025 को देशभर के 103 अमृत स्टेशनों के उद्घाटन/ समर्पण कार्यक्रम में गोविन्दपुर रोड स्टेशन भी सम्मिलित किया गया है, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से किया जाएगा। लगभग 6.65 करोड़ रुपये की लागत से इस स्टेशन का पुनर्विकास किया गया है। यह जानकारी वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, रांची डिवीजन, दक्षिण पूर्व रेलवे, सूची सिंह द्वारा दी गई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि स्टेशन को आधुनिक तकनीकों एवं यात्री-सुविधाओं के साथ इस प्रकार विकसित किया गया है कि यात्रियों को अधिकतम सुविधा, सुरक्षा एवं आराम प्रदान किया जा सके। इस कायाकल्प से गोविन्दपुर स्टेशन अब केवल एक ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद यात्रा अनुभव का केंद्र बन जाएगा। इस दौरान वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी 22 मई को होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा भी लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। मौके पर अंचल अधिकारी, वंदना कुमारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पीवीयूएन लिमिटेड ने निभाई सामाजिक जिम्मेदारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। समुदाय विकास एवं शैक्षणिक संस्थाओं के सहयोग हेतु अपनी सतत प्रतिबद्धता के तहत, पीवीयूएन लिमिटेड ने स्वर्णरेखा महिला समिति के सहयोग से डीएवी पब्लिक स्कूल, पतरातू को एक अत्याधुनिक पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम प्रदान किया। यह पहल रीता सिंह के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। इस पहल का उद्देश्य स्कूल के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करना तथा दैनिक प्रार्थना सभा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य विद्यालयीय आयोजनों को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संचालित करने की क्षमता को बढ़ाना है। यह पीए सिस्टम स्कूल परिसर में संप्रेषण व्यवस्था को बेहतर बनाएगा, जिससे छात्रों और शिक्षकों के लिए एक अधिक अनुशासित और संवादात्मक वातावरण का निर्माण होगा। पीवीयूएन लिमिटेड और स्वर्णरेखा महिला समिति का यह संयुक्त प्रयास शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक सराहनीय कदम है, जो न केवल वर्तमान छात्रों को लाभान्वित करेगा बल्कि आने वाले वर्षों में भी इसका प्रभाव बना रहेगा।

अलग सरना/आदिवासी धर्म कोड की मांग पर झामुमो मुखर

27 मई को पार्टी करेगी राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। जातीय जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग से सरना/ आदिवासी धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्यव्यापी प्रदर्शन के लिए 27 मई की तिथि घोषित कर दी है। झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने राज्य के सभी जिला समिति, प्रखंड और पंचायत समिति को जिला मुख्यालयों पर विशाल धरना प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट जाने का आदेश दे दिया है।

अलग सरना धर्म कोड जनजातीय समाज के लिए जरूरी

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि झारखंड विधानसभा से अलग सरना धर्म कोड लागू करने के प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजे जाने के बावजूद आसन्न जनगणना वाले प्रपत्र में सिर्फ छह धर्म का जिक्र है। उसमें अलग सरना धर्म के कॉलम की बात छोड़िये अब रिलीजन में अन्य वाला कॉलम भी हटा दिया गया है, यह ठीक नहीं है। इसलिए झामुमो ने आंदोलन के द्वारा अपने हक की मांग करने लगे हैं। पार्टी नेता विनोद पांडेय ने 27 मई को होने वाले राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन में सभी विधायक, मंत्री, सांसद और पार्टी पदाधिकारियों के बढ़-चढ़ भाग लेने हिस्सा लेने का निर्देश जारी किया गया है। आसन्न जनगणना में अलग से सरना धर्म कोड की मांग के लिए 09 मई को सभी जिला मुख्यालयों पर झामुमो का धरना-प्रदर्शन प्रस्तावित था। जिसे 08 मई को झामुमो ने स्थगित कर दिया था क्योंकि इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी। राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन को स्थगित करने की घोषणा करते हुए पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने तब कहा था कि अलग सरना धर्म कोड की मांग भी बहुत महत्वपूर्ण और बड़ी मांग है लेकिन अभी वक्त दुश्मन देश के खिलाफ अपने सेना की हौसला अफजाई का है। सेना द्वारा चलाई जा रही ''ऑपरेशन सिंदूर'' को समर्थन देने की है। इसलिए झामुमो 09 मई का राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन को स्थगित करता है।

सीनियर आइएएस विनय कुमार चौबे गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के सीनियर आईएएस विनय कुमार चौबे को बड़ा झटका लगा है। एसीबी की टीम ने उन्हें शराब घोटाला मामले में गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार सुबह एसीबी की एक टीम तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे के आवास पहुंची और उन्हें गाड़ी में बिठाकर एसीबी ऑफिस लाया गया। फिर शुरु हुआ पूछताछ का सिलसिला। शाम होने से पहले पूर्व संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को भी पूछताछ के लिए बुला लिया गया। इसी बीच मेडिकल टीम के एसीबी दफ्तर पहुंचने से साफ हो गया था कि कोई बड़ी कार्रवाई होने जा रही है। शाम 4:30 बजे के करीब इस रहस्य पर से पर्दा तब उठ गया जब एसीबी की टीम विनय कुमार चौबे को लेकर कोर्ट के लिए रवाना हो गई। बता दें कि एक दौर था जब विनय कुमार चौबे की प्रशासनिक गलियारे में तूती बोलती थी। वह सीएम हेमंत सोरेन के सचिव थे। उनके पास उत्पाद विभाग, नगर विकास विभाग के अलावा कई दूसरे विभागों की जिम्मेदारी थी। स्मार्ट सिटी में मंत्रियों के लिए आवास और राजधानी में फ्लाईओवर के निर्माण में इनकी बड़ी भूमिका रही है। विवादों से इनका नाता तब जुड़ा जब ईडी की टीम ने छत्तीसगढ़ में हुए शराब घोटाला मामले में पूछताछ के लिए रायपुर बुलाया। इसी घटना के बाद विनय कुमार चौबे के स्टेट्स में कटौती शुरु हो गई। थोड़े समय के भीतर ही उन्हें सीएमओ से दूर कर दिया गया। वर्तमान में विनय कुमार चौबे पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पीरपैंती रेलवे स्टेशन का कायाकल्प

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

भागलपुर। भारतीय रेलवे की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हाल ही में बिहार के भागलपुर जिले में स्थित पीरपैंती रेलवे स्टेशन में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। एनएसजी-5 श्रेणी में वर्गीकृत पीरपैंती स्टेशन, पूर्व रेलवे क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जहां यात्रियों की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे को अपग्रेड करना ज़रूरी था। अमृत भारत स्टेशन योजना के पहले चरण के अंतर्गत, पीरपैंती स्टेशन के लिए 18.93 करोड़ के पुनर्विकास कार्यों को मंज़ूरी दी गई है। इस व्यापक कार्य योजना में सिविल, इलेक्ट्रिकल, सिग्नलिंग और दूरसंचार (एस एंड टी), साइनेज, लिफ्टों की स्थापना और रूफ प्लाजा के साथ 12 मीटर चौड़े फुट ओवरब्रिज (एफओबी) का विकास शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्टेशन की कार्यक्षमता और दृश्य सौंदर्य को बढ़ाने के लिए अलग-अलग आगमन और प्रस्थान ब्लॉक, पैदल यात्री मार्ग, आकर्षक मूर्तियां, मानक आंतरिक सज्जा और सौंदर्यपूर्ण प्रकाश व्यवस्था के साथ एक आधुनिक अग्रभाग(फसाड) को भी शामिल किया गया है। स्टेशन का डिज़ाइन और इंटीरियर स्थानीय कला और आस-पास के ऐतिहासिक स्मारकों से प्रेरित है, जो आधुनिक वास्तुकला को क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है। यह मिश्रण पीरपैंती स्टेशन को एक अलग पहचान प्रदान करता है, जो बिहार की समृद्ध परंपराओं को दर्शाता है। पीरपैंती रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से यात्री अनुभव को बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत यहां सौंदर्यपूर्ण प्रकाश व्यवस्था के साथ एक आधुनिक अग्रभाग का निर्माण, प्रथम और द्वितीय श्रेणी के प्रतीक्षालय, एक आरक्षित लाउंज, एक कार्यकारी लाउंज और एक महिला प्रतीक्षालय का विकास, कंकोर्स क्षेत्र और आगमन खंड का पूर्ण निर्माण, यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए परिसंचारी क्षेत्र का विकास, गतिशील यात्री सूचना के लिए बड़े आकार की इनडोर और आउटडोर वीडियो दीवारों की स्थापना, स्टेशन नेविगेशन को सुव्यवस्थित करने के लिए व्यापक साइनेज का कार्यान्वयन के साथ सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दिव्यांगजन-अनुरूप बुनियादी ढांचे का प्रावधान किया गया है।

गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज को मिला बी++ ग्रेड

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कालेज, बोकारो को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रिडीटेशन काऊंसिल, भारत सरकार द्वारा 'बी + +' ग्रेड प्रदान किया गया है। इसके साथ ही गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस ने झारखण्ड युनिवर्सिटी औफ टेक्नोलॉजी, रांची से संबद्ध सभी सरकारी एवं गैर सरकारी कालेजों के बीच तथा प्रदेश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। कालेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार ने बताया कि इस ग्रेड को हासिल करने के फलस्वरूप कालेज प्रति वर्ष छात्रवृत्ति (होस्टल समेत) रू. एक लाख प्रति छात्र प्राप्त करने की योग्यता रखता है। निदेशक ने फैकल्टी मेंबर्स को इस सफलता पर बधाई दी तथा उनके योगदान को श्रेय दिया। आई. क्यू. ए. सी. समन्वयक डा. मनोजीत डे, प्रो. महमूद आलम, प्रो. रश्मि ठाकुर, डा. राजेंद्र प्रसाद वर्मा, प्रो. सिद्धलाल हेम्ब्रम, प्रो. मुकेश सिन्हा, प्रो. गौतम कुमार, प्रो. सुमीत कुमार, प्रो. पल्लवी प्रसाद, प्रो. वैभव गुप्ता, प्रो. सलीम अहमद, प्रो. रोही प्रसाद, प्रो. इमाम, प्रो. मुहम्मद हुसैन, प्रो. आशीष कुमार, अनिल सिंह व अन्य ने उल्लेखनीय योगदान दिया। झारखण्ड युनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, रांची के कुलपति डॉ. डी. के. सिंह ने बधाई संदेश में निदेशक के डायनमिक नेतृत्व को सराहते हुए कालेज के उज्जवल भविष्य की कामना की। आई. एस. टी. ई, सी. यू. जे. रांची, आर. वी. एस. जमशेदपुर, एन. आई. टी. जमशेदपुर, सी. आई. टी. रांची, चास कालेज, बोकारो व अन्य युनिवर्सिटी/ कालेज/ संस्था से बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह एवं सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार के नेतृत्व की प्रशंसा और सराहना करते हुए प्राध्यापकगण व कर्मचारीगण की मेहनत को सराहा एवं सभी को यह उच्च मुकाम हासिल करने पर बधाई दी।

पटना में पांच लोगों की गोली मारकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजधानी पटना के अलग-अलग इलाको में पिछले 24 घंटे में अपराधियों ने 5 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। वहीं तीन लोग अस्पताल में गंभीर हालत में हैं। लगभग 20 किमी के दायरे में ये वारदात हुई है। इन घटनाओं को लेकर स्थानीय लोग पुलिस को घेर रहे हैं। गश्ती दल पर भी सवाल खड़े कर रहे हैं। पटना सिटी के एएसपी अतुलेश झा ने स्वीकार किया है कि पिछले कुछ दिनों में अपराध की घटनाएं बढ़ी है। बावजूद पुलिस द्वारा लगातार रोको टोको अभियान, एस ड्राइव, विशेष रूप से छापेमारी अभियान, विशेष सर्च अभियान चलाया जाता है। उन्होंने बताया कि पटना पुलिस अब जीपीएस के माध्यम से पेट्रोलिंग गाड़ियों की मॉनिटरिंग करेगी।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

सऊदी में फंसे भारत के दो दर्जन से अधिक मजदूर : कंपनी ने 8 महीने से रोका वेतन

परिवार ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

गोपालगंज, एजेंसी। गोपालगंज से सऊदी अरब गए दो दर्जन से अधिक भारतीय मजदूर पिछले आठ महीने से वहां फंसे हुए हैं। इनमें मांझा प्रखंड के कविलाशपुर गांव निवासी इम्तेयाज आलम के बेटा शाह आलम भी शामिल हैं। शाह आलम के परिजनों को जब से इसकी जानकारी मिली, तब से उनका रो-रोकर बुरा हाल है। शाह आलम के परिजनों ने बताया कि %अगले ईद के बाद उसकी शादी होने वाली थी। उसे खर्च के लिए पैसे देने था। मकान भी बनवाना था। लेकिन अब वह विदेशियों के चंगुल में फंस गए है। शाह आलम की वतन वापसी के लिए उनके परिवार के लोग सरकार और जिला प्रशासन से मदद की गुहार लगा रहे है।

पांच साल से सउदी में कर रहे काम

शाह आलम पांच साल पहले सऊदी अरब में सेंडन इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड में काम करने गए थे। उनके परिवार वाले घर बनाना और कर्ज चुकाना चाहते थे। कुछ पैसे कमाने के बाद उसने अपना घर बनवाया। कर्ज के कारण वह पिछले पांच साल से घर नहीं आया। इसी बीच पिछले आठ महीने से उसे और उसके साथ काम करने वाले लोगों का वेतन बंद हो गया।

दो महीने बीतने के बाद कंपनी ने जब पैसे देने से इनकार कर दिया, तब मजदूरों ने इसका विरोध किया। बावजूद उसे वेतन नहीं मिला। देखते ही देखते आठ महीने बीत गए। अब कंपनी मजदूरों को घर भी नहीं भेज रही है, ना ही उसे बढ़िया खाना दे रही है। चावल और दाल खाकर किसी तरह जीवन गुजार रहे है। इसके बाद उसने वीडियो बनाकर भारत सरकार से मदद की गुहार लगाई है।

एंबेसी से भी नहीं मिल रही मदद

शाह आलम ने बताया कि वह पांच साल से सऊदी अरब में रह रहे है। लेकिन पिछले आठ महीने से वेतन को रोक दिया है। खाना पीना भी अच्छा से नहीं दिया जा रहा हैं। वहीं कब घर आने देगा इसकी कोई गारंटी नहीं है। ईद बाद उसकी शादी होनी थी। इसके लिए छुट्टी का आवेदन दिया था, लेकिन छुट्टी मंजूर नहीं हुई। सोचा था कि घर बनाएंगे, क्योंकि घर नहीं था। किसी से कर्ज लिए थे, उसे भरना चाहता था। कहा कि एंबेसी से भी बात हुई, लेकिन एंबेसी भी कुछ नहीं कर रही है।

ईद के बाद होनी थी शादी

पिता इम्तेयाज आलम ने बताया कि बेटे को गए हुए 5 साल और 5 महीना हो गया। लेकिन पिछले आठ महीने से वेतन को रोक दिया है। खाना पीना भी अच्छा से नहीं दिया जा रहा हैं। कब आने देंगे कोई गारंटी नहीं है। ईद बाद उसका शादी होने वाला था। पहले शादी के लिए छुट्टी लगाया था, लेकिन छुट्टी नहीं मिला था। सोचा था कि घर बनाएंगे क्योंकि घर नहीं था। किसी से कर्ज लिए थे उसे भरना चाहता था। छुट्टी नहीं मिलने के कारण उसकी शादी भी कैंसिल हो गई है।

सरकार से मदद की लगाई गुहार

मां शायदा खातून ने बताया कि मेरा बेटा किसी तरह यहां आ जाए यहीं चाहती हूं। पांच साल से वह वहीं है। वह घर का इकलौता कमाने वाला है। उसने कहा था कि घर लौटेंगे तो कुछ पैसा हो जाएगा। इसके बाद शादी में घर जाएंगे। ईद बाद शादी थी, लेकिन अब शादी भी कैंसिल हो गई। लड़की के पिता नहीं है, इसलिए हम लोग उससे शादी कराना चाहते थे। लेकिन अब तो वह फंस गया, अब शादी कैसे होगी। अगर वह समय से आ जाएगा तो शादी कर दिया जाएगा। सरकार से हाथ जोड़कर बेटा के लिए सरकार से गुहार लगा रही हूं कि मेरे बेटे को वापस बुला दिया जाए।

1994 में हुई थी कंपनी की स्थापना

बता दें कि सऊदी अरब में सेंडन इंटरनेशनल कंपनी लिमिटेड में बिहार व यूपी के 300 से अधिक श्रमिक काम कर रहे है। श्रमिकों द्वारा एक वीडियो शेयर कर कहा, गया है कि भारतीय दूतावास से भी मदद नहीं मिल पा रही है। इन श्रमिकों ने भारतीय दूतावास से भी मेल व फोन के माध्यम से कई बार संपर्क किया है। लेकिन अब तक कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। मजदूरों का कहना है कि अगर जल्द मदद नहीं मिली तो उनकी स्थिति और खराब हो सकती है। बता दें कि सेंडन इंटरनेशनल एक निर्माण से संबंधित संबद्ध सेवाओं की कंपनी है,जो तेल, गैस,उर्वरक,बिजली व परिवहन जैसे क्षेत्रों में काम करती है। कंपनी की स्थापना 1994 में हुई थी और इसका मुख्यालय यानबू,सऊदी अरब में है।

सऊदी में फंसे मजदूरों की लिस्ट

फंसे हुए मजदूरों में फतेहपुर निवासी छगुंर चौहान के बेटा दिलीप कुमार चौहान, दहीभत्ता निवासी महंथ प्रसाद के बेटा शलेश कुमार ,मांझा गढ़ धमापाकड़ निवासी बैजनाथ साह, बालेपुर बथुआ निवासी,लाल बाबू सिंह के बेटा ओमप्रकाश ,एकडंगा भगवानपुर निवासी रामसरन सिंह के बेटा बलिंदर सिंह और मांझा प्रखंड के कबिलासपुर निवासी मो.इम्तेयाज़ आलम के बेटा शाह आलम, राजेंद्र नगर मोहल्ले के शैलेश कुमार चौहान के अलावा कई अन्य लोग शामिल है।

वापस बुलाने की प्रक्रिया का प्रयास जारी

श्रम अधिक्षक सुबोध कुमार ने बताया कि विभागीय निर्देशानुसार जो विदेश में फंसे हुए लोग हैं उनके बारे में नियोजन का पता लगाना था। जिन्हें नियोजक का पता लगाया गया और विभाग को सूचित कर दिया गया है। वापस बुलाने की प्रक्रिया की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

फ्लाई ओवर के डायवर्सन के पास मानक का अनुपालन नहीं

पटना, एजेंसी। पटना-गया-डोभी फोरलेन हाईवे को न्यू बाइपास से जोड़ने के लिए फ्लाई ओवर का निर्माण चल रहा है। यह बाइपास से नत्थुपुर के बीच मिसिंग लिंक रोड के हिस्से पर है। इस डायवर्सन से रोजाना सैकड़ों गाड़ियां गुजरी रही हैं। यहां पर तय मानक का अनुपालन नहीं होने से आने-जाने वाले यात्री धूल से परेशान हैं। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक निर्माण एजेंसी को तय मानक का अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है। इसका अनुपालन नहीं होने पर निर्माण एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई होगी। इस 127 किमी फोरलेन के निर्माण से पटना से गया आने-जाने वाले लोगों को बड़ी सुविधा मिली है। लेकिन, पटना से सटे बाइपास से नत्थुपुर के बीच 2.8 किमी लंबे मिसिंग लिंक रोड के हिस्से चलने वाले निर्माण कार्य के कारण परेशानी है। 5500 करोड़ की लागत से बनने वाले फोर लेन हाईवे तीन जिलों से होकर गुजर रहा है। इनमें पटना, जहानाबाद और गया जिला शामिल हैं। इसकी कुल लंबाई 127 किमी है।

महिला संवाद में 16 हजार आकांक्षाओं का हुआ निराकरण

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर, प्रमुख संवाददाता जिले में अब तक 1500 स्थानों पर महिला संवाद हो चुका है। इसमें तीन लाख से ज्यादा महिलाएं शामिल हुई हैं। इसमें उनकी छोटी-छोटी समस्याएं दर्ज कर डीएम के माध्यम से विभागों में भेजी जा रही हैं। डीएम के नेतृत्व में जन आकांक्षाओं के निवारण के लिए लगातार समीक्षा की जा रही हैं। अब तक 16 हजार आकांक्षाओं का निवारण हो चुका है। इसमें पेंशन शौचालय, आवास, आंगनबाड़ी जैसी समस्याएं प्रमुख हैं। महिला संवाद में विभिन्न प्रखंडों में अलग-अलग ग्राम संगठनों में महिलाओं से आकांक्षाएं ली जा रही हैं। अधिकतर आकांक्षाएं गांव में बैंक, सड़क, सोलर लाइट, सोख्ता, नल जल, लाइब्रेरी, विवाह भवन, सामुदायिक भवन, जीविका भवन महिला सुरक्षा आदि की हैं। बोचहा प्रखंड की देवगन पंचायत के आदर्श जीविका महिला ग्राम संगठन में आयोजित महिला संवाद में ग्राम संगठन की कुंती देवी ने कहा कि जीविका से जुड़ने के बाद अब कर्ज के लिए साहूकार के पास नहीं जाना पड़ता है। अब लोन लेकर अपनी जरूरतें पूरी करते हैं। छोटा-मोटा रोजगार और खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने सरकार से चार किलो की जगह प्रति व्यक्ति दस किलो राशन की मांग रखी। वहीं, अन्य दीदियों ने कहा कि मनरेगा में मजदूरी किए हैं और करना चाहते हैं पर मनरेगा में मजदूरी बहुत कम मिलती है। मजदूरी बढ़ाकर पांच सौ रुपए कर देना चाहिए। महिलाओं ने कहा कि गांवों में कुछ स्थान सुरक्षित नहीं हैं। यहां सुरक्षा के लिए पुलिस की व्यवस्था होनी चाहिए।

आशा कार्यकर्ता का पांच दिवसीय हड़ताल शुरु

भागलपुर, एजेंसी। बिहार राज्य आशा कार्यकर्ता संघ, ऐक्टू के निर्णयानुसार मानदेय प्रोत्साहन राशि में वृद्धि सहित अन्य मांगों की पूर्ति के लिए 20 से 24 मई, 2025 तक हड़ताल पर रहने की सूचना रेफरल अस्पताल प्रभारी को दी है। माया कुमारी, अध्यक्ष द्वारा दिए पत्र में कहा गया है, वर्ष 2023 में 32 दिवसीय हड़ताल के क्रम में आशा कार्यकर्ता, फैसिलेटरों के मासिक मानदेय राशि 1000 रुपये को बढ़ाकर 2500 रुपये करने का निर्णय लिया गया था। दो वर्ष बीत जाने के बाद भी इसे लागू नहीं किया गया है। इस समझौते की बढ़ी हुई राशि को कम से कम 10,000 रुपये के साथ लागू की जाए। इसके साथ ही विभिन्न कार्यों के लिए वर्षों पूर्व तय राशि में केंद्र सरकार के द्वारा करीब 10 साल में कोई पुनरीक्षण बढ़ोत्तरी नहीं की गई है।

केंद्रीय प्रयोगशाला ने पहली बार शुरू की निर्माण स्थलों पर मिट्टी जांच

पटना, एजेंसी। भवन निर्माण विभाग में गुणवत्तापूर्ण निर्माण को बढ़ावा देने के लिए स्थापित किए गए केंद्रीय प्रयोगशाला ने पहली बार निर्माण स्थलों पर मिट्टी की जांच शुरू कर दी है। औरंगाबाद के हसपुरा में निर्माण स्थल पर मिट्टी की जांच शुरू की गई है। यह पहला मौका है जब विभाग की विशेषज्ञ जांच टीम ने मिट्टी की गुणवत्ता का परीक्षण विभागीय स्तर पर शुरू किया है। सचिव कुमार ने सोमवार को इसे महत्वपूर्ण बताया और कहा कि विभाग स्तर पर जांच होने से न केवल खर्च बल्कि समय की भी बचत होगी। यह प्रयोगशाला निर्माण क्षेत्र में गुणवत्ता के नए मानक स्थापित करेगी। अब मिट्टी और अन्य निर्माण सामग्रियों की जांच समयबद्ध और विभागीय स्तर पर ही संभव हो सकेगी, जिससे निर्माण कार्यों में पारदर्शिता और विश्वसनीयता बढ़ेगी। सामग्रियों की जांच के लिए अभियंताओं की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि यह प्रयोगशाला न केवल भवन निर्माण विभाग के लिए, बल्कि अन्य विभागों के लिए भी संरचनाओं की गुणवत्ता जांच में सहयोगी होगी। प्रयोगशाला में 55 से अधिक आधुनिक यंत्रों का उपयोग किया जा रहा है, जो पुरानी, निर्माणाधीन और भविष्य की संरचनाओं के गहन परीक्षण को सक्षम बनाएंगे। यह प्रयोगशाला बिहार में निर्माण क्षेत्र में तकनीकी उत्कृष्टता और गुणवत्ता के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भविष्य में यह अन्य क्षेत्रों में भी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मालूम हो कि भवन निर्माण मंत्री जयंत राज एवं विभाग के सचिव कुमार रवि ने हाल ही में प्रयोगशाला का उद्घाटन किया था। इससे पहले निर्माण सामग्रियों की गुणवत्ता जांच निजी एजेंसी द्वारा की जाती थी। एजेंसी द्वारा सामग्रियों की जांच कराने से रिपोर्ट में देरी एवं मानक में बार-बार बदलाव करना पड़ता था।

दरभंगा में चाचा-भतीजा पर जानलेवा हमला

शादी समारोह से लौटते समय हमलावरों ने घेरकर मारा, आपसी रंजिश में वारदात को दिया अंजाम

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा में शादी समारोह से लौट रहे चाचा-भतीजा पर जानलेवा हमला हुआ है। आपसी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया है। घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। घटना बड़गांव थाना क्षेत्र के हलगांव चौक के पास की है।

घायलों की पहचान अकबरपुर बैंक निवासी बरकत अली और भतीजे मो. सुहेब के तौर पर हुई है। बरकत अली ने बताया कि मो. शहनवाज की शादी से देर रात घर लौट रहा था। रास्ते में ऑटो सवार रफीउद्दीन, मो. अजीमुद्दीन, नौशाद, मो. मुस्तफा और कलीमुद्दीन ने

बाइक रोक लिया। सभी सहरसा जिले के रहने वाले हैं। गांव का नाम पूछकर अजीमुद्दीन ने कहा कि इसको आज मार डालो।

रफीउद्दीन ने धारदार हथियार से सिर पर वार कर लहूलुहान कर दिया। मुस्तफा ने मेरे भतीजे पर लोहे के रॉड से हमला किया। उसके मुंह के खून निकलने लगा। मेरे जेब से जबरन 5600 रुपए निकाल लिया। धमकी देते हुए कहा कि पुलिस में शिकायत करोगे तो जान से मार देंगे। इस बीच गांव का एर युवक बाइक से वहां पहुंचे। जिसे देखते ही हमलावर भाग गए।

आपसी रंजिश में किया हमला

बरकत अली ने आगे कहा कि मो. नियामत की बेटी को लेकर दोनों पक्षों में पारिवारिक विवाद है। इसी रंजिश में हमला किया गया। हमलावर कह रहे थे कि अकबरपुर बैंक के किसी भी व्यक्ति को देखो तो मार डालो। ग्रामीणों ने हमलोगों को अस्पताल में भर्ती कराया।

जांच में जुटी पुलिस

पीड़ित ने बड़गांव थाने में आवेदन देकर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, थानाध्यक्ष कल्पना कुमारी ने बताया कि आवेदन मिला है। जिसके आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की छानबीन की जा रही है।

मुजफ्फरपुर में गैंगरेप का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

शिवहर में रिश्तेदार के घर छिपकर रह रहा था, पैसा लेने घर पहुंचा था

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर पुलिस ने गैंगरेप मामले में मुख्य आरोपी मनीष को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पूछताछ के बाद पुलिस ने जेल भेज दिया है। घटना के बाद शिवहर भाग गया था। वहां रिश्तेदार के घर छिपकर रहा था। इस बीच पुलिस को सूचना मिली कि पैसों की कमी के कारण सोमवार को घर आ रहा है। इनपुट के आधार पर पुलिस ने उसे रामपुर हरि चौक के पास घेर लिया। आरोपी भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने पीछा करके उसे पकड़ लिया।

आरोपियों ने वीडियो किया था वायरल: इस मामले में पहले ही 2 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। आरोपियों ने पीड़िता को धमकी दी थी कि अगर किसी को बताया तो वीडियो वायरल कर देंगे। पीड़िता ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी, जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। इसकी जानकारी मिलते ही आरोपियों ने वीडियो वायरल कर दिया। ग्रामीण एसपी विद्या सागर ने बताया कि तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। स्पीडी ट्रायल चलाकर जल्द से जल्द आरोपियों को सजा दिलाएंगे।

क्या है पूरा मामला : 13 मई को रामपुर हरि थाना क्षेत्र में एक लड़की रात दो बजे घर के बहार शौच के लिए निकली थी। गांव के ही मिथुन कुमार, राजा कुमार और मनीष कुमार जबरन लड़की को उठाकर बसवारी में ले गए। बारी-बारी से तीनों ने रेप किया। इसका वीडियो भी बना लिया। युवती को धमकी दिया कि अगर किसी को बताया को वीडियो वायरल कर देंगे। लड़की ने घर पहुंचकर मां को पूरी बात बताई। इसके बाद मां ने थाने में लिखित आवेदन दिया।

जहां था कचरा, वहां 2 एकड़ में बन रहा मॉल:देश के सभी राज्यों के होंगे लोकल और जीआई प्रोडक्ट

पटना, एजेंसी। पटना को एक और मॉल की सौगात मिलने वाली है। इस मॉल में देश के सभी 28 राज्यों के लोकल और जीआई उत्पाद उपलब्ध होंगे। इस शॉपिंग मॉल को ऐसी जगह पर बनाया जा रहा है, जहां पहले कचरा प्वाइंट था। दरअसल, पटना के घने आबादी वाले इलाके पाटलिपुत्र पानी टंकी के पास जहां पहले कचरे का अंबार था, उसे शिफ्ट करने के बाद अब मॉल बनाने की कवायद तेज हो गई है। इस शॉपिंग मॉल को लगभग 2 एकड़ की जमीन पर तैयार किया जाएगा। यहां कश्मीर के पश्मीना शॉल से लेकर कोल्हापुरी चप्पल और दार्जिलिंग की चाय भी मिलेगी। इसके लिए मॉल में हर राज्य का अलग-अलग सेक्शन बनाया जाएगा।

पटना नगर निगम ने जमीन के लिए दे दी एनओसी : पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने कहा कि इस इलाके में वर्षों से गार्बेज डंपिंग के लिए सेकेंडरी प्वाइंट था। सभी बड़ी गाड़ियां आती थी और फिर यहां से कचरे को लोड करके रामचक बैरिया ले जाया जाता था। पटना नगर निगम का ट्रांसफर स्टेशन हर एक अंचल में प्रस्तावित है, जो अब यहां से हटकर दीघा में बनाया जा रहा है। इस जगह पर एकता मॉल प्रस्तावित है। यह निगम बोर्ड की बैठक में निर्णय लिया गया था। इसका निर्माण उद्योग विभाग कर रहा है। पटना नगर निगम ने जमीन के लिए एनओसी दे दिया है।

कचरे के दुर्गंध से परेशान थे लोग : पाटलिपुत्र पानी टंकी के पास रह रहे लोगों को अब कचरे की दुर्गंध से राहत मिली है। कचरे के दुर्गंध से लोग परेशान रहते थे। इससे काफी बीमारियां फैल रही थी। मोहल्ले में डेंगू से हर साल फैलता था। कई लोग यहां से अपना घर छोड़कर चले गए थे। खासकर बारिश के समय में कचरा, पानी के साथ घर में घुस जाता था। इस ओपन डंपिंग यार्ड होने से यातायात भी प्रभावित होती थी और एक्सीडेंट के मामले भी सामने आते थे।

पटना के 6 इलाकों में ट्रांसफर स्टेशन का होगा निर्माण : वहीं, पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेष कुमार पराशर ने पिछले साल ही पाटलिपुत्र पानी टंकी के पास ट्रांसफर स्टेशन के निर्माण के लिए निविदा निकाली थी। ट्रांसफर स्टेशन की मदद से साइंटिफिक चीज को हैंडल की जाती है। कंपैक्टर मशीन में कचरा डाला जाता है और फिर वह अंदर ही अंदर गाड़ी में लोड होकर चला जाता है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत पटना शहर में 6 ट्रांसफर स्टेशन बनाने की स्वीकृति मिली है। इसके बन जाने से ओपन डंपिंग एरिया नहीं रहेगा।

जेपीयू में पीजी परीक्षा फॉर्म की तिथि जारी:26 मई से 5 जून तक भरे जाएंगे सेकंड और फोर्थ सेमेस्टर के फॉर्म

छपरा, एजेंसी। जयप्रकाश विश्वविद्यालय (जेपीयू), छपरा ने पीजी परीक्षा फॉर्म भरने की तिथियां जारी कर दी हैं। सेकेंड सेमेस्टर (2022-24) और फोर्थ सेमेस्टर (2021-23) के लिए फॉर्म भरने की प्रक्रिया 26 मई से शुरू होगी। इसकी अंतिम तिथि 5 जून है। छात्रों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट से फॉर्म डाउनलोड करना होगा।

फॉर्म में विवरण भरने के बाद पूर्व परीक्षाओं के अंक पत्र, प्रवेश पत्र और पंजीयन प्रमाण पत्र लगाने होंगे। विभाग से सत्यापन के बाद निर्धारित शुल्क जमा करना होगा। सेकेंड सेमेस्टर में सैद्धांतिक विषयों का शुल्क 700 रुपए और प्रायोगिक विषयों का 900 रुपए है। फोर्थ सेमेस्टर में सैद्धांतिक विषयों के लिए 1000 रुपए और प्रायोगिक विषयों के लिए 1100 रुपए शुल्क निर्धारित है।

यह प्रक्रिया जेपीयू से जुड़े सभी कॉलेजों के छात्रों पर लागू होगी। इनमें राजेंद्र कॉलेज, जगदम कॉलेज, रामजयपाल कॉलेज, जेपीएम कॉलेज, डीएवी कॉलेज, नारायण कॉलेज, कमला राय कॉलेज और नंदलाल सिंह कॉलेज शामिल हैं। परीक्षा में भौतिकी, रसायन शास्त्र, गणित, जूलॉजी, बॉटनी, हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू समेत कई विषयों के छात्र शामिल होंगे। छपरा, सीवान और गोपालगंज जिलों से करीब पांच हजार छात्र परीक्षा में भाग लेंगे। परीक्षा विभाग ने सभी छात्रों से समय पर फॉर्म जमा करने की अपील की है।

मुजफ्फरपुर जंक्शन पर एक चोर गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जंक्शन पर रेल पुलिस ने एक चोर को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान 2 मोबाइल बरामद हुआ है। आरोपी की पहचान अहियापुर थाना क्षेत्र के अंकित कुमार(20) के तौर पर हुई है। जानकारी के मुताबिक सोमवार को निरीक्षण मनीष कुमार के नेतृत्व में स्टेशन पर जांच अभियान चल रहा था। इस दौरान रिजर्वेशन काउंटर पर कुछ लोग चोर-चोर चिल्लाने लगे। रेल पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए यात्री का मोबाइल चोरी कर भाग रहे युवक को खदेड़कर पकड़ लिया। आरोपी ने बताया कि एक मोबाइल अभी चोरी किया हूं, दूसरा पहले ही चोरी किया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने यात्री सोनू का मोबाइल लौटा दिया।

संक्षिप्त समाचार

आदिवासी समाज की हुई बैठक ,चरणबद्ध आंदोलन करने की बनी सहमति

बोकारो, एजेंसी। नावाडीह प्रखंड के ऊपरघाट स्थित डोकवाटांड में संथाल समाज की एक बैठक समाजसेवी सीताराम मांझी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई ।इसमें ऊपरघाट सहित नावाडीह प्रखंड के पड़ोसी गोमिया ,बेरमो ,बिष्णुगढ़ और डुमरी के प्रखंड के लगभग बीस मौजा के संथाली प्रमुख समाज सेवियों ने उपस्थिति दर्ज करायी ।बैठक में बारी-बारी से बिचार रखने के बाद महिला के न्याय के लिए चरणबद्ध आंदोलन करने की सहमति के साथ कई प्रस्ताव पर निर्णय लिया गया। इसमें आठ मई को घटित घटना को एक मात्र घटना माना जाय ,यह मॉब लिंचिंग नही माना जाय ,आरोपित अब्दुल कलाम को दिया जाने वाला प्रोत्साहित राशि और सरकारी नौकरी को निरस्त करते हुए पीड़ित महिला को दस लाख रूपये ,एक सरकारी नौकरी और एक अबुआ आवास दिया जाय ।मुसलमानों के साथ ,आर्थिक ,राजनीतिक ,समाजिक वहिष्कार किया जाय सहित दस प्रस्ताव को प्रमुखता से लिया । उल्लेखनीय है कि बैठक गत आठ मई को पेंक -नारायणपुर थाना स्थित कडरूखुटा में एक आदिवासी महिला के साथ तालाब में नहाने के दौरान पेंक निवासी अब्दुल कलाम ने दुष्कर्म करने कि प्रयास किया था। महिला के शोर मचाने पर कुछ ग्रामीणों वहां पहुंचे थे और अब्दुल कलाम के साथ मारपीट की थी। को मारपीट किया गया था। चोट लगने के बाद ईलाज के लिये ले जाने के क्रम में रास्ते में उसकी मौत हो गयी थी।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, युवक का पैर कटकर हुआ अलग

खूंटी, एजेंसी। खूंटी-सिमडेगा मुख्य पथ पर मुरहू थाना के कुंजला बाजार के पास रविवार को एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक युवक का पैर कटकर अलग हो गया। जानकारी कें अनुसार एक अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे एक युवक का दाहिना पैर पूरी तरह चकनाचूर हो गया और एक हिस्सा कटकर अलग हो गया। घायल युवक अल्बर्ट रोहित एक्का तोरपा का रहने वाला है। युवक ने खूंटी सदर अस्पताल में अपना नाम और पता तो बताया, लेकिन परिजनों से संबंधित कोई जानकारी नहीं दी और न ही कोई मोबाइल नंबर उपलब्ध कराया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि युवक बाइक से सफर कर रहा था, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उसे पीछे से टक्कर मारी और फरार हो गया। भाजपा नेता काशीनाथ महतो ने बताया कि घायल अवस्था में युवक को स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस सेवा की सहायता से खूंटी सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी और अन्य चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे रांची स्थित रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। डॉक्टरों के अनुसार युवक की हालत गंभीर बनी हुई है। एम्बुलेंस चालक ने बताया कि दुर्घटनास्थल पर काफी भीड़ थी, लेकिन अफसोस की बात यह रही कि घायल को एम्बुलेंस में चढ़ाने के लिए कोई सामने नहीं आया। सभी लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। दुर्घटना के बाद भीड़ तमाशबीन बनी रही, जिससे समय पर मदद नहीं मिल पाई। अस्पताल पहुंचने पर भी युवक के साथ कोई एटेंडेंट नहीं था, जिससे इलाज में परेशानी हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और अज्ञात वाहन की पहचान के प्रयास में जुटी है।

इसी साल हुई थी शादी, पति का दूसरी लड़की के साथ था अवैध संबंध; विरोध करने पर पत्नी को मार दी गोली

पाटन (पलामू), एजेंसी। पति के अवैध संबंध का विरोध करने की कीमत विवाहिता को जान देकर चुकानी पड़ी। पति ने पत्नी के सीने में दो गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति व उसके परिवार के सदस्य फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। घटना पाटन थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव की है। जहां सोमवार की देर रात पति विनीत कुमार सिंह ने पत्नी सिमरन उर्फ सुखी की गोली मार कर हत्या कर दी ।सूचना मिलने पर पाटन थाना की पुलिस रात में ही घटनास्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया। बताया गया कि मेदिनीनगर निवासी सिमरन की शादी पाटन थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव के विनीत सिंह के साथ इसी फरवरी माह में हुई थी। शादी के बाद से ही विनीत सिंह के किसी दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध को लेकर सिमरन परेशान चल रही थी।

खरीफ फसल को लेकर झारखंड समेत पूरे देश में 29 से विकसित कृषि संकल्प अभियान

रांची, एजेंसी। झारखंड समेत पूरे देश में 29 मई से 12 जून तक विकसित कृषि संकल्प अभियान चलेगा। किसानों के बीच खरीफ फसल की जागरूकता के उद्देश्य से यह अभियान देश भर के 700 जिलों में करने का लक्ष्य रखा गया है। इस अभियान में झारखंड पूरा सहयोग करेगा। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डीएआरई), भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार के द्वारा यह अभियान संचालित होगा।

अभियान को लेकर सोमवार को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की वीडियो कांफ्रेंसिंग में राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शामिल हुईं। खरीफ-पूर्व अभियान की शुरुआत ओड़िशा के पुरी (आस-पास के कृषि विज्ञान केंद्रों) से 29 मई को किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत खरीफ मौसम में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलों एवं पशुपालन, मुर्गीपालन, मत्स्यपालन आदि से संबंधित आधुनिक तकनीकों के बारे में किसानों को जागरुक किया जाएगा। किसानों के लिए उपयोगी विभिन्न सरकारी योजनाओं तथा नीतियों के बारे में किसानों को बताया जाएगा। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के फायदे के बारे में जानकारी दी जाएगी। उपलब्ध ज्ञान के अनुसार फसलों के चयन तथा खादों के उपयोग के बारे में उन्हें बताया जाएगा। किसानों से फीडबैक लेना ताकि उनके द्वारा किए गए नवाचार के बारे में वैज्ञानिक जानकारी मिल सके और उसके अनुसार अनुसंधान को नई दिशा दी जा सके। अभियान को लेकर विभाग पूरा सहयोग करेगा : शिल्पी

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि राज्य में हर साल खरीफ फसल को लेकर जागरूकता के लिए 25 मई को बीज दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि झारखंड में विकसित कृषि संकल्प अभियान की सफलता को लेकर विभाग पूर्ण सहयोग करेगा।

शिल्पी नेहा तिर्की ने ज्ञान-विज्ञान के सहारे आगे बढ़ने की जरूरत बताई : आईसीएआर कैंपस में अनुसूचित जनजाति परियोजना एवं राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत प्रक्षेत्र दिवस सह कृषि इनपुट वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें करीब 300 किसानों के बीच कृषि सामग्री का वितरण किया गया। इस मौके पर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आज का दौर ज्ञान और विज्ञान से जुड़ कर कृषि के क्षेत्र में कदम बढ़ाने का है। संस्थान किसानों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उन्हें विकसित करने की दिशा में बेहतर काम कर रहा है। संस्थान के विकास के लिए राज्य सरकार ने 124 एकड़ भूमि मुहैया कराई है। इससे पहले बिरसा कृषि विवि को भी 700 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जा चुकी है। विकास ही संस्थान का उद्देश्य होना चाहिए।

रांची के गढ़खटंगा स्थित आईसीएआर कैंपस का कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने सोमवार को निरीक्षण किया। इस मौके पर उन्होंने बायोमास गैसीफायर सह बायोचर उत्पादन इकाई का उद्घाटन भी किया। संस्थान के द्वारा ज्ञान और विज्ञान के साझा प्रयास से उन्नत कृषि के क्षेत्र में किए जा रहे बेहतर काम की उन्होंने सराहना भी की। आईसीएआर के द्वारा कृषि के क्षेत्र में कई तरह के नये प्रयोग किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन परिवार समेत पहुंचे चांडिल, फुफेरे भाई कपूर टुडू के श्राद्ध कर्म में हुए शामिल

सरायकेला, एजेंसी। राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सोमवार को अपने फुफेरे भाई कपूर टुडू उर्फ कपूर बागी के श्राद्ध क्रम में शामिल होने चांडिल पहुंचे। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन, झामुमो संरक्षक रूपी सोरेन भी मौजूद रहीं। इस दौरान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बड़े भाई कपूर टुडू की तस्वीर पर पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद रूपी सोरेन ने कपूर टुडू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान मुख्यमंत्री परिवार के सदस्यों से भी मिले और बातचीत की।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर झामुमो के कई वरीय नेता और कई विधायक मौजूद रहे। जिनमें मुख्य रूप से ईचागढ़ विधायक सविता महतो, जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी, पूर्व विधायक सह झामुमो नेता लक्ष्मण टुडू, गणेश महाली समेत अन्य झामुमो नेता मौजूद रहे। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आगमन की सूचना पर सरायकेला जिला प्रशासन की पूरी टीम मौजूद रही। मौके पर सरायकेला डीसी रविशंकर शुक्ला, एसपी मुकेश लुनायत सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं सुरक्षा को लेकर भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गई थी। मुख्यमंत्री चांडिल में तकरीबन 2 घंटे तक रुके।

4,929 किसानों को उनके धान का अब तक एक रुपया भी नहीं मिला : राफिया

रांची, एजेंसी। प्रदेश भाजपा प्रवक्ता राफिया नाज ने आरोप लगाया है कि 4,929 किसानों को उनके धान का अब तक एक भी रुपया नहीं मिला है। छह महीने बाद भी किसानों की उपज का पूरा भुगतान नहीं मिलना राज्य सरकार की अक्षमता और संवेदनहीनता का स्पष्ट प्रमाण है।

राफिया ने सोमवार को जारी बयान में कहा है कि 36,497 किसानों ने 5.07 लाख क्विंटल धान की आपूर्ति की, लेकिन उनमें से 9,615 किसानों को आज भी उनका हक नहीं मिला है। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और क्या हो सकता है कि 4,929 किसानों को अब तक एक भी रुपया नहीं मिला है।

किसानों की जेबें खाली हैं, खेत खाली पड़े हैं, और सरकार मौन है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में झारखंड की कृषि व्यवस्था पूरी तरह चरमरा जाएगी। उन्होंने सरकार से सवाल किया कि किसानों को भुगतान में हो रही देरी के लिए जिम्मेदार कौन है किस ने इन निर्दोष किसानों को भटकने पर मजबूर किया।

अब धनबाद में प्राइस से 30-50 प्रतिशत कम पर मिलेंगी सभी दवाएं! केंद्र सरकार करने जा रही बड़ा काम

धनबाद, एजेंसी। एम्स देवघर और रिम्स रांची के तर्ज पर अब एसएनएमएमसीएच में अमृत फार्मेसी खोली जाएगी। केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना के तहत आम लोगों को बाजार मूल्य से 30 से लेकर 50 प्रतिशत ब्रांडेड, जेनेरिक, सर्जिकल आइटम और इंप्लांट के सामान मिल पाएंगे। एसएनएमएमसीएच और अमृत योजना से जुड़े पदाधिकारियों इससे पहले अस्पताल में इसके लिए जगह चिन्हित किया है। ओपीडी रजिस्ट्रेशन काउंटर के ऊपर भवन में यह खुलेगा। यह फार्मेसी खुल जाने के बाद अस्पताल में आने वाले मरीजों के लिए सस्ती दवा के और विकल्प खुल जाएंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के दो दुकान यहां पर संचालित है, जहां पर सस्ती दर पर जेनेरिक दवाएं मरीजों को दी जा रही है।

इसके साथ ही एसएनएमएमसीएच का अपना दवा वितरण केंद्र है, जहां दवाई निशुल्क मिलती है। लेकिन यहां पर पर्याप्त दवाएं नहीं होती। ऐसे मरीजों के लिए अमृत फार्मेसी वार्ड वरदान साबित होगी। फिलहाल अमृत फार्मेसी देशभर के सभी एम्स में संचालित कराए गए हैं। देवघर स्थित एम्स में भी अमृत फार्मेसी शुरू हुई है। इसके साथ रिम्स, रांची और बोकारो में इस फार्मेसी को खोला गया है। अब धनबाद में भी फार्मेसी खोली जा रही है।

हड्डी रोग विभाग में हर महीने लगभग 25 से 30 आपरेशन होते हैं। ऐसे मरीजों को हाथ अथवा पैर टूट जाने के बाद इंप्लांट के सामान खरीदने पड़ते हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र में इंप्लांट और सर्जिकल आइटम के समान नहीं मिलते हैं। लेकिन अमृत फार्मेसी में यह दोनों समान भी 50 प्रतिशत कम पर मिल पाएंगे। ऐसे में हड्डी रोग विभाग में आने वाले सहूलियत मिल पाएगी। इसका पूरा नाम अफार्डेबल मेडिसिन्स एंड रिलायबल इंप्लांट्स फार ट्रीटमेंट (अमृत) है। केंद्र सरकार ने सस्ती दवाएं उपलब्ध कराने के लिए यह फ्लैगशिप स्कीम शुरू की है। देश के 22 से अधिक राज्यों में अमृत फार्मेसी की करीब 150 दुकानें काम कर रही हैं। इनके जरिये 5200 से अधिक दवाएं, इम्प्लांट और चिकित्सा उपकरण एमआरपी से 30 से 50 प्रतिशत तक सस्ती उपलब्ध कराया जा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का केंद्र पर निशाना, कहा- लोगों के संवैधानिक अधिकारों का किया जा रहा हनन

दुमका, एजेंसी। झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश का कहना है कि आज केंद्र सरकार द्वारा लोगों के संवैधानिक शक्तियों को छीना जा रहा है। ईडी, सीबीआई, चुनाव आयोग जैसी जो संवैधानिक संस्थाएं हैं उसे अपने इशारे पर कठपुतली की तरह नचा रही है। कांग्रेस पार्टी इसका पुरजोर विरोध कर रही है। केंद्र सरकार के इस रवैये के खिलाफ कांग्रेस पार्टी के द्वारा संविधान बचाओ रैली का आयोजन किया जा रहा है। राज्य स्तर से लेकर इसे जिला स्तर और वहां से फिर विधानसभा स्तर के साथ डोर टू डोर कैंपेन चलकर आम जनता को यह बताने का प्रयास किया जाएगा कि आपका जो अधिकार है उसे समाप्त किया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा आरएसएस की यह सरकार सिर्फ चंद पूंजीपतियों के हित में काम कर रही है, उन्हें आम लोगों के हित से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने यह बयान आज दुमका में दिया है। कांग्रेस के द्वारा सोमवार को संविधान बचाओ रैली के तहत एक आमसभा का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी डॉ। श्रीवेल्ला प्रसाद, विधायक प्रदीप यादव, पार्टी नेता बंधु तिर्की, फुरकान अंसारी प्रदीप बालमुचू मौजूद रहे।

सरना धर्म कोड लागू करे केंद्र सरकार- श्रीवेल्ला प्रसाद : इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सह प्रभारी डॉ। श्रीवेल्ला प्रसाद ने कहा कि केंद्र सरकार पहले जातिगत जनगणना नहीं कराना चाहती थी। वह इसके विरोध में थी लेकिन हमारे नेता राहुल गांधी के लगातार प्रयास के बाद यह संभव हुआ है। लेकिन जहां तक झारखंड की बात है तो यहां सरना धर्म कोड लागू करने का मामला लंबित है। जब तक केंद्र सरकार इसे लागू नहीं करती है झारखंड में जातिगत जनगणना नहीं होने दिया जाएगा। इस मुद्दे पर कांग्रेस के द्वारा अगले सप्ताह रांची में राजभवन के सामने एक धरना प्रदर्शन का भी कार्यक्रम रखा गया है।

प्रदीप यादव ने कहा- सांसदों के डेलिगेशन पर उठाए सवाल : इस मौके पर कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने कहा कि केंद्र सरकार के द्वारा पाकिस्तान का कच्चा चिट्ठा खोलने सांसदों का जो डेलिगेशन विदेश भेजा जा रहा है उसमें उन्होंने मनमानी की है। कांग्रेस के द्वारा जो नाम भेजे गए थे उसे दरकिनार कर दिया गया और उन्होंने अपने अनुसार नाम तय किए हैं। इसके साथ ही कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव ने यह भी कहा कि कांग्रेस के लिए देश हित सर्वोपरि है। कांग्रेस ने सरकार के उन सभी निर्णय पर अपनी हामी भरी है जो देश के लिए जा रहे हैं। हालांकि शशि थरूर के नाम पर उन्होंने कुछ बोलने से इनकार किया।

32वीं एशियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी रांची की आध्या

रांची, एजेंसी। रांची एशियन अंडर-15 बॉक्सिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर प्रदेश का मान बढ़ाने वाली जेएसएसपीएस कैडेट कनिष्का कुमारी गोराई का सोमवार को सीसीएल के सीएमडी निलेंदु कुमार सिंह ने सम्मानित किया। इस अवसर पर सीएमडी ने कनिष्का को शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ भेंटकर उनकी शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। साथ ही उनके कोच द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता ब्रज भूषण मोहंती को भी सम्मानित किया गया। निलेंदु सिंह ने कहा कि कनिष्का ने नन्ही उम्र में जो हौसला और दृढ़ता दिखाई है। सीसीएल परिवार की ओर से सभी वरिष्ठ अधिकारियों, सहकर्मियों ने कनिष्का को बधाई दी।

रांची7 झारखंड के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। अब इस अध्याय में रांची की स्क्वैश खिलाड़ी आध्या बुधिया का नाम भी जुड़ गया है। वे जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। आध्या बुधिया का चयन 32वीं एशियन जूनियर ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप-2025 के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 1 से 5 जुलाई तक कोरिया में आयोजित की जाएगी।

इसमें आध्या बुधिया गर्ल्स अंडर-15 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। चेन्नई में 15 से 19 मई तक आयोजित चयन ट्रायल्स में गर्ल्स अंडर-15 वर्ग की भारत से शीर्ष 9 खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया था। इस ट्रायल में आध्या बुधिया ने अपने खेल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। जिसके बाद भारतीय टीम में अपना स्थान पक्का किया और अब वो देश का प्रतिनिधित्व करने वाली हैं। आध्या बुधिया बीते आठ वर्षों से स्क्वैश खेल रही हैं और कई राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीती हैं।

डॉक्टर के सुई लगाते ही मरीज की मौत, कोडरमा के निजी क्लीनिक का मामला!

कोडरमा, एजेंसी। जिला के डोमचांच स्थित ढाब रोड में अवैध रूप से संचालित ओम होमियो हॉल क्लीनिक में इलाज के दौरान एक मरीज की मौत हो गई। मरीज के परिजनों ने क्लीनिक के डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान डोमचांच के बेहराडीह निवासी छोटेलाल मेहता के रूप में की गई है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार छोटेलाल मेहता रविवार को रात के करीब 8 बजे डोमचांच बाजार से अपने घर बेहराडीह लौट रहे थे। इसी बीच रास्ते में उनकी मोटरसाइकिल दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिससे उनके शरीर पर हल्की चोटें आई। इसके बाद जब वे घर पहुंचे तो परिजनों ने उन्हें मलहम पट्टी व दवा लेने की सलाह दी।

इसके बाद वे बेटे व भतीजे के साथ ढाब रोड के महावीर पिंडा के सामने स्थित ओम होमियो हॉल क्लीनिक पहुंचे। जहां के चिकित्सक डॉ। केडी प्रसाद ने घायल व्यक्ति को एक के बाद एक, चार इंजेक्शन लगा दिए। इंजेक्शन लगने के कुछ ही देर बाद घायल छोटेलाल ने क्लीनिक में ही दम तोड़ दिया। जब तक परिजन कुछ समझ पाते डॉक्टर मौका पाकर वहां से फरार हो गया। जिसके बाद किसी तरह शव को उनका बेटे व भतीजे के द्वारा उनके निवास स्थान पर लाया गया। इस घटना की सूचना पाकर डोमचांच पुलिस क्लीनिक पहुंची और चिकित्सक हो हिरासत में लेकर थाना लेते आई। इस मामले पर कोडरमा सिविल सर्जन डॉ। अनिल कुमार ने बताया कि उन्होंने डोमचांच रेफरल अस्पताल के प्रभारी डॉ। आशीष को क्लीनिक की जांच के लिए भेजा है।

उन्होंने बताया चिकित्सक डॉ। केडी प्रसाद के सर्टिफिकेट फर्जी पाए जाने की सूचना मिली है। उन्होंने बताया कि उक्त क्लीनिक द्वारा स्वास्थ्य विभाग से किसी भी प्रकार का रजिस्ट्रेशन नहीं लिया गया है। साथ ही उन्होंने कहा कि जिला में इस प्रकार से जितने भी अवैध रूप से संचालित क्लीनिक है, उस पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय लोगों की मानें तो झोलाछाप डॉक्टर न सिर्फ मरीज का इलाज करता है बल्कि दवा से सुधार नहीं होने पर झाड़फूंक भी किया करता है। लोगों ने बताया कि पहले ये ढाब में अपना क्लीनिक चलाता था और वहां भी किसी मरीज का उसने गलत इलाज कर दिया था। जिसके बाद वहां के ग्रमीणों के विरोध के बाद वह अपना क्लीनिक डोमचांच के ढाब रोड लेते आया और वह यहाँ मरीजों का इलाज करते लगा। इस मामले पर डोमचांच थाना प्रभारी ओम प्रकाश ने बताया कि फिलहाल चिकित्सक को थाना लाया गया है। उन्होंने बताया कि चिकित्सक ने अपने होमेओपेथी चिकित्सक होने का सर्टिफिकेट दिखाया है। जिसे स्वास्थ्य विभाग को सौंपकर जांच करवाई जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों द्वारा आवेदन प्राप्त होने पर चिकित्सक पर कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री सोरेन के ट्वीट का कमाल, अलबीना मां को मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ

खूंटी, एजेंसी। मुरहू प्रखंड अंतर्गत कुदा पंचायत के रूईटोला गांव में बांस से बनी एक झोपड़ी में रहकर 69 वर्षीय वृद्धा अलबीना मुंडू अपना जीवन गुजार रही हैं।

उनके जीवन से संबंधित समाचार इंटरनेट मीडिया में चलने पर राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसे गंभीरता से लेते हुए खूंटी उपायुक्त को टैग करते हुए एक्स पर पोस्ट किया।

सीएम ने एक्स पर पोस्ट कर मामले की जांच कर अलबीना मां को हर जरूरी सरकारी योजना से जोड़ते हुए सूचित करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि वृद्धा अलबीना को ना तो वृद्धावस्था पेंशन का लाभ मिलता है, ना ही आवास योजना का लाभ मिला है।

विगत कुछ माह पूर्व से उसे पीडीएस से पांच किलो चावल मिलना शुरू हुआ है, लेकिन दाल, सब्जी, तेल साबुन आदि जरूरत के सामान के लिए उसके पास पैसे नहीं होते। कमर झुक गई है इस कारण वह मजदूरी भी नहीं कर पाती।

पेट पालने के लिए वृद्धा गांव में घूम-घूम कर इमली, करंज आदि चुनती है और उसे बुरजू साप्ताहिक हाट में बेचकर नमक खरीदती है और सिर्फ नमक से ही वह कटहल का कोवा उबालकर और पीडीएस से मिलने वाले चावल का भात बनाकर खाती है।

वृद्धा की इस दुर्दशा के बारे में गांव के मुखिया अमर मुंडू और पंचायत समिति सदस्य तुरलेन धान ने पुष्टि करते हुए बताया कि उक्त वृद्धा को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए प्रखंड कार्यालय में तीन बार आवेदन जमा किया गया है, लेकिन उसे अब तक योजना का लाभ नहीं मिला है।

Page 3_16.12.2018 PAGE-04.qxd 20-05-2025 22:12 Page 1

एटीएस की टीम ने किया मॉक ड्रिल, लोगों की थमी सांसें

▸ मॉल में हुआ धमाका, लोग दहशत में ▸ आईईडी प्लांट को किया गया डिफ्यूज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पटना के पी एंड एम मॉल में अचानक आतंकवाद निरोधी दस्ते की टीम पहुंच गई। सभी जवानों ने आतंकी हमले की स्थिति का लाइव डेमो दिया गया। इस दौरान चार आतंकवादी अत्याधुनिक हथियारों से लैस होकर मॉल के मेन गेट से प्रवेश कर गए और उनके हाथ में हैंडग्रेनेड भी था। जैसे ही आतंकवादियों ने पहला हैंडग्रेनेड एंट्री गेट पर फेंका, मॉल में खरीदारी कर रहे लोग दहशत में आ गए। एक पल के लिए उन्हें लगा कि मॉल में आतंकी हमला हुआ है। जब तक कुछ समझ पाते अचानक धमाका हो गया। धमाके की आवाज सुनकर सुरक्षाकर्मी भी छिप गए। लेकिन, एटीएस के अधिकारियों ने आम लोगों और मॉल के सुरक्षाकर्मियों से कहा कि मॉक ड्रिल है। सुरक्षा की दृष्टि से एटीएस का एक नियमित अभ्यास है। इसमें मॉल में आतंकियों के घुसने की स्थिति की पूरी तैयारी की गई थी। अनुमंडल एसडीपीओ 2 दीघा विधि व्यवस्था पटना, नीतीश चंद्र धारिया ने जानकारी दी कि इस मॉक ड्रिल के तहत आतंकियों के सफाए के बाद बम निरोधक दस्ते और डॉग स्वान दस्ते ने आईईडी प्लांट को डिफ्यूज किया। इस मॉक ड्रिल के दौरान सभी चार आतंकियों को न्यूट्रलाइज किया गया। आतंकियों ने दुकानदारों और ग्राहकों को एक बंद कमरे में बंधक बना लिया था, जिन्हें एटीएस टीम द्वारा सुरक्षित निकाला गया। मॉल की ओर से बार-बार घोषणा की जा रही थी कि यह केवल एक मॉक ड्रिल है और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की जा रही थी। प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि यह पहल सराहनीय है और उन्हें यह देखने और सीखने का मौका मिला कि कैसे वे विपरीत परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रख सकते हैं। वहीं डीएसपी नीतीश चंद्र धारिया ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य मॉल के दुकानदारों और वहां खरीदारी करने आए लोगों को यह प्रशिक्षण देना था ताकि वे किसी भी परिस्थिति का सामना कर सकें।

बाइक सवार ने वृद्ध को मारी ठोकर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। जुड़ावनपुर थाना क्षेत्र के ठंडा टोला के निकट बीते सोमवार की रात भोज खाने जाने के दौरान बाइक की ठोकर से घायल एक बुजुर्ग व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई।

मृतक जुड़ावनपुर करारी गांव निवासी 65 वर्षीय राजकिशोर सिंह थे। घटना की जानकारी जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष गौरव श्रीवास्तव को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद स्वजन शव लेकर गांव चले गए। स्वजन का रोते-रोते बुरा हाल है। मिली जानकारी के अनुसार बीते सोमवार की रात राज किशोर सिंह अपने घर से भोज खाने के लिए जा रहे थे।

इसी दौरान अनियंत्रित बाइक सवार ने ठंडा टोला के निकट धक्का मार दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और आनन-फानन में इलाज के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र राघोपुर फतेहपुर भर्ती कराया।

बाइक से टकराया पुलिस वाहन, महिला सहित तीन जख्मी

शराब के नशे में थे पुलिसकर्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के रहुई थाना क्षेत्र अंतर्गत निजाय गांव के समीप एक पुलिस वाहन की बाइक से हुई टक्कर में एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। घायलों में एक महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों और पीड़ित परिवार का आरोप है कि पुलिस वाहन में सवार कर्मी शराब के नशे में थे और तेज रफ्तार में गाड़ी चला रहे थे। वहीं पुलिस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। घायलों की पहचान हरनौत थाना क्षेत्र के मैतरा गांव निवासी अरविंद पांडे की पत्नी सरिता देवी, पुत्री लूसी कुमारी और पुत्र सन्नी पांडे के रूप में हुई है।

लूसी कुमारी ने बताया कि वह भागन बीघा स्थित डेंटल कॉलेज से दांत का इलाज करवा कर मां और भाई के साथ बाइक से घर लौट रही थी। तभी तेज गति से आ रही गोकुलपुर थाना की एक पुलिस गाड़ी ने उनकी बाइक में सामने से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। घटना में तीनों लोग घायल हो गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना के बाद पुलिस वाहन सवार कर्मियों ने घायलों को कुछ दूर तक गाड़ी से ले जाकर बीच रास्ते में छोड़ दिया और यह कहकर वहां से निकल गए कि गाड़ी गर्म हो गई है। बाद में रहुई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया। सरिता देवी की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घटना को लेकर सन्नी पांडे ने बताया कि पुलिस की गाड़ी काफी तेज रफ्तार करीब 70 से 80 किमी/घंटा से आ रही थी। उन्होंने बाइक को साइड में कर दिया था, लेकिन फिर भी पुलिस वाहन ने सामने से टक्कर मार दी। सन्नी का आरोप है कि जब उन्होंने हादसे का वीडियो बनाना चाहा, तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ मारपीट की और थप्पड़ जड़ दिए। उन्होंने दावा किया कि ड्राइवर के मुंह से शराब की तेज बदबू आ रही थी और वाहन में सवार अन्य पुलिसकर्मी भी नशे में दिख रहे थे।

पैसेंजर ट्रेन के इंजन में लगी आग

कटिहार। कटिहार रेल मंडल के सिलीगुड़ी-राधिकापुर डीएमयू पैसेंजर ट्रेन (75720) के इंजन में अचानक आग लग गई। आग लगने की खबर मिलते ही ट्रेन में बैठे यात्रियों में अफरातफरी का माहौल हो गया। यात्रियों का कहना है कि किशनगंज से आगे गाईसल के पास इस आग लगी में दमकल और स्थानीय लोगों के प्रयास से आग पर काबू पा लिया गया।

गवाही देने से मना करने पर युवक को मारी गोली

पुलिस कर रही जांच, आरोपियों की तलाश जारी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। मंगलवार को मुफस्सिल थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर गांव में एक युवक को गोली मार दी गई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। घायल युवक को इलाज के लिए तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस्माइलपुर निवासी खदेरन राम का 25 वर्षीय पुत्र मुन्ना राम सेंट्रल जेल में अपने चाचा से मुलाकात कर लौट रहा था। इसी दौरान इस्माइलपुर गांव स्थित एक मंदिर के पास उसकी बाइक को मोदी अंसारी और गोरख रावत ने रोक लिया। पहले दोनों पक्षों में बहस हुई, जो जल्द ही मारपीट और फिर फायरिंग में बदल गई। घटना के दौरान मुन्ना राम ने भागने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों द्वारा चलाई गई गोली उसके कंधे में लग गई, जिससे वह घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया।

घायल मुन्ना राम ने आरोप लगाया है कि मोदी अंसारी और गोरख रावत एक लड़की से छेड़खानी के मामले में उससे गवाही न देने का दबाव बना रहे थे। जब उसने गवाही देने से इनकार कर दिया, तो उसे जान से मारने की धमकी दी गई थी। उसी रंजिश में उस पर जानलेवा हमला किया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला आपसी रंजिश का प्रतीत हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि पीड़ित मुन्ना राम और दोनों आरोपी पूर्व से ही आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं। उनके खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं और वे पूर्व में जेल जा चुके हैं। पुलिस ने इस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। अधिकारी ने कहा कि घटना की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस इंसपेक्टर किये गये निलंबित

मुजफ्फरपुर। तिरहुत रेंज के डीआईजी चंदन कुमार कुशवाहा ने हाजीपुर के नगर थाना के पर्यवेक्षी पदाधिकारी पुलिस इंस्पेक्टर शाहिद हुसैन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। डीआईजी कार्यालय से जारी आदेश में बताया गया कि अपराध नियंत्रण के लिए आयोजित बैठक में पुलिस अधीक्षक वैशाली द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रतिवेदन से ज्ञात हुआ कि इंस्पेक्टर शाहिद हुसैन के द्वारा अप्रैल में मात्र 26 केसों में समीक्षात्मक टिप्पणी निर्गत की गई है।

उनके पदस्थापन काल में नगर थाना हाजीपुर में लंबित अविशेष प्रतिवेदित कांडों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो बिहार पुलिस मुख्यालय एवं इस कार्यालय से दिए गए निर्देशों का उल्लंघन है। लापरवाही के लिए स्पष्टीकरण मांगी गई थी, लेकिन उनके द्वारा स्पष्टीकरण अब तक समर्पित नहीं किया गया है, जो वरीय पदाधिकारी के आदेश का उल्लंघन है। एसपी वैशाली द्वारा भेजे गए पत्र में उल्लेखित किया गया कि नगर थाना के दो केसों में पर्यवेक्षण अबतक नहीं किया गया है।

अजगैबी नाथ धाम भी आयी थी ज्योति मल्होत्रा

▸ खुफिया जांच एजेंसी के घेरे में दो मोबाइल नंबर ▸ स्थानीय युवक के साथ बड़ी मस्जिद भी गई थी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हिसार पुलिस की गिरफ्त में आई यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा अजगैवीनाथ धाम के होटल में छह-सात जुलाई को ठहरी थी। घाट रोड स्थित होटल में ठहरने के बाद अजगैवीनाथ रेलवे स्टेशन व होटल के आगे उसने रील भी बनाई थी।पाकिस्तान हाई-कमीशन के अधिकारियों को कथित रूप से देश की गोपनीय सूचनाएं पहुंचाने के मामले में ज्योति की गिरफ्तारी हुई है। तकनीकी जांच में यह बात सामने आई है कि भागलपुर के नाथनगर में सक्रिय एक यूट्यूबर से उसकी बातें हुआ करती थीं।

पूछताछ के बाद जांच में लगी सुरक्षा एजेंसी ने पुलिस से दो मोबाइल नंबरों से हुई बातचीत का सत्यापन करने को कहा है। ज्योति के भागलपुर आगमन और कई धार्मिक स्थलों के भ्रमण की जानकारी मिलने के बाद एसएसपी हृदय कांत ने धार्मिक स्थलों की सुरक्षा-

व्यवस्था की जांच कराते हुए विधि-व्यवस्था डीएसपी चंद्रभूषण व सुल्तानगंज थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मृत्युंजय कुमार को विशेष सजगता बरतने को कहा है।

ज्योति के आगमन वाले धार्मिक स्थलों की सुरक्षा-व्यवस्था की जांच उक्त अधिकारियों ने सोमवार देर शाम को की। भागलपुर के अजगैवीनाथ धाम में प्रवास के दौरान वह होटल से एक स्थानीय युवक के साथ बड़ी मस्जिद भी गई थी। वहां की तस्वीरें मोबाइल में कैद की थी। वहां से लौटने के बाद कांवर यात्रा की रील बनाई थी।

हालांकि, भागलपुर पुलिस ने सिविल डिफेंस को लेकर अजगैवीनाथ धाम की सुरक्षा-व्यवस्था और बढ़ाने को सिक्योरिटी ऑडिट बताया है। पुलिस ज्योति से संपर्क रखने वाले यूट्यूबरों पर भी नजर रख रही है। तकनीकी जांच में दो मोबाइल नंबरों को संदिग्ध मानकर उनकी जांच-पड़ताल की जा रही है। इसे लेकर पुलिस टीम ने सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की जांच की। पुलिस ने अजगैवीनाथ मंदिर सहित गंगा घाट पर भी डाग स्क्वायड के साथ गहनता से जांच की है।

स्कीम वर्करों ने निकाला आक्रोश मार्च

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

सिवान। जिले के सफाई कर्मी, आशा, रसोइया, आंगनबाड़ी सेविका सहित विभिन्न स्कीम वर्करों ने सोमवार को अपनी मांगों को लेकर आक्रोश मार्च निकाला। यह मार्च अंबेडकर पार्क से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए समाहरणालय पहुंचा, जहां प्रदर्शनकारियों ने जिलाधिकारी के समक्ष धरना दिया और एक ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन का नेतृत्व सफाई मजदूर यूनियन के राज्य सचिव अमित कुमार, आशा संघ की जिला अध्यक्ष मालती राम, ऐपवा की राज्य अध्यक्ष सोहिला गुप्ता, कुँती यादव और मनरेगा मजदूरों के नेता प्रदीप कुशवाहा ने किया।

अमित कुमार ने कहा कि समाज के स्वच्छता और जन स्वास्थ्य में स्कीम वर्करों का अहम योगदान है, लेकिन इसके बदले उन्हें न तो सम्मान मिल रहा है और न ही समुचित वेतन और सुविधाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि सफाई कर्मी सुबह 4 बजे से पूरे शहर की गंदगी उठाते हैं, लेकिन सरकार उन्हें नजरअंदाज कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछली हड़ताल के बाद सरकार ने वादा किया था कि दैनिक एवं संविदा कर्मियों को स्थायी किया जाएगा, लेकिन अब तक इस पर कोई निर्णय नहीं लिया गया। उन्होंने ठेका प्रथा को श्रमिकों के अधिकारों का हनन बताया और कहा कि न उन्हें चिकित्सा सुविधा मिल रही है, न न्यूनतम वेतन। यदि जल्द स्थायीकरण नहीं किया गया तो पूरे बिहार में हड़ताल की घोषणा की जाएगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। आशा संघ की जिलाध्यक्ष मालती राम ने कहा कि 2023 में आशा और आशा फैसिलिटेटरों के लिए सरकार के साथ जो समझौता हुआ था, वह अब तक लागू नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले छह माह से आशा कार्यकताओं को वेतन नहीं मिला है, जिससे उनके समक्ष आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है।

जज के काफिले पर हमले के मामले में पांच को सजा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। एडीजे प्रथम महेश प्रसाद सिंह की अदालत ने सर्वोच्च न्यायालय के तत्कालीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीपी सिंह के काफिले पर हमला करने के मामले में दोषी पाए गए पांच लोगों को अर्थदंड की सजा के साथ ही अधिकतम तीन वर्ष की सजा सुनाई है।

इसमें शाम्हो थाना क्षेत्र के बिजुलिया गांव निवासी दिलीप कुमार सिंह, रंजीत सिंह, रजनीश सिंह एवं पड़ोसी जिला लखीसराय के पिपरिया थाना के पथुआ गांव निवासी भुल्लू भगत एवं शिवदानी ठाकुर हैं। इससे पूर्व अदालत सजा की बिंदू पर पक्षकारों द्वारा दी गई दलीलें सुनीं।

बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता प्रमोद कुमार ने अदालत से गुहार करते हुए कहा कि दोषी का यह प्रथम अपराध है और उनके ऊपर बहुत बड़ा पारिवारिक दायित्व है। फलतः उन्हें प्रोवेशन आफ अफेंडर का लाभ देकर जेल की सजा से मुक्त करने की कृपा प्रदान करें। वहीं अभियोजन का पक्ष रखते हुए एपीपी बहोर दास ने अधिकतम सजा की मांग अदालत से की। सजा की बिंदू पर सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने बारी-बारी से अभियुक्तों के नाम पुकारे और उन्हें भादवि की अलग-अलग धाराओं के तहत सजा सुनाई। सभी सजाएं साथ-साथ चलेंगी।

मामले में पूर्व के जेल अवधि को भी समायोजित कर दिया जाएगा। अदालत ने सिद्ध दोष की धारा 147 में दो वर्ष की कैद एवं दो हजार रुपये अर्थदंड, 148 में तीन वर्ष की कैद एवं तीन हजार रुपये अर्थदंड, 427 के तहत दो वर्ष की कैद एवं दो हजार अर्थदंड, 353 में दो वर्ष की कैद एवं दो हजार रुपये अर्थदंड एवं भादवि की धारा 189 में दो वर्ष की कैद एवं दो हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है।

सजा सुनाए जाने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद बचाव पक्ष के अधिवक्ता ने अदालत में इस आशय का आवेदन दिया कि चूंकि सजा की अवधि तीन साल तक की है। इसलिए ऊपरी अदालत में अपील याचिका दाखिल होने तक उनके मुवक्किलों को जमानत की सुविधा दी जाए और अर्थदंड की राशि को अपील याचिका के निर्णय आने तक स्थगित की जाए। बचाव पक्ष के इस अनुरोध को अदालत ने स्वीकार कर लिया।

अदालत पांचों को 15 फरवरी 2003 को नगर थाना क्षेत्र के एनएच-31 पर सुभाष चौक डीसी सिंह पेट्रोल पंप के समीप अपनी कार से भागलपुर जा रहे सर्वोच्च अदालत के तत्कालीन जज न्यायमूर्ति वीपी सिंह के काफिले पर पथराव करने के आरोप में अभियोजन साक्ष्य के आधार पर उक्त धारा के तहत दोषी पाया।

पथराव में जस्टिस की कार का शीशा टूट गया था। स्कोट दल का नेतृत्व कर रहे साहेबपुर कमाल थाना के तत्कालीन दारोगा यदुनाथ मिश्र के बयान पर नगर थाना में प्राथमिकी अंकित हुई थी।

कार्यालय का छज्जा गिरने से डीपीओ घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जर्जर हो चुका समाहरणालय भवन की पहली और दूसरी मंजिल का छज्जा मंगलवार दोपहर अचानक गिर गया। छज्जा के मलबे से जिला योजना पदाधिकारी अविनाश कुमार घायल हो गए। उनका सिर फट गया। खून निकलने लगा।

घायल जिला योजना पदाधिकारी को वरीय उप समाहर्ता रत्ना प्रियदर्शीनी के द्वारा इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज किया गया। जिला योजना पदाधिकारी जैसे ही अपनी वाहन से उतरकर वरीय उप समाहर्ता के कमरे में जाने के लिए बरामदा से जा रहे थे, तभी ऊपर से मलबा गिरा।

चालक और उनका वाहन क्षतिग्रस्त होने से बाल-बाल बचा। मलबा गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि समाहरणालय के सभी कार्यालयों के कर्मी बाहर निकल गए। गिरे हुए मलबे को देखने लगे। अपने कार्यालय कक्ष में बैठे डीएम श्रीकांत शास्त्री भी आवाज सुनकर अपने कर्मियों से जानकारी ली।

आधी रात को ताबड़तोड़ चली गोलियां, लोग सहमे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। मानपुर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एसएस कॉलोनी बकरी फार्म के पास जमीन कब्जा करने को लेकर आए लोगों के बीच रात गोली-बारी की घटना घटित हुई। इसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

लेकिन इस मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार ने एएसपी ग्रामीण जावेद अख्तर अंसारी के देखरेख में वजीरगंज अनुमंडल पदाधिकारी सुनील कुमार पांडेय के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

टीम ने कार्रवाई करते हुए करते हुए हथियार के साथ पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। सोमवार को मुफस्सिल थाना में प्रेसवार्ता डीएसपी ने बताया कि जमीन कब्जा, फायरिंग मामले में 20 नामजद एवं 25 अज्ञात के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई।

इस घटना को गंभीरता को देखते हुए मुफस्सिल पुलिस ने पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया। इसमें कोतवाली थाना क्षेत्र के पंचायती अखाड़ा मोरिया घाट मोहल्ला निवासी मोहम्मद कमरान, मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भदेजा गांव निवासी श्रवण चौधरी, दीपू मालाकार, रणजीत चौधरी, और प्रकाश पासवान शामिल है।

सभी को सीताकुंड बाईपास के पास से पकड़ा गया है। शेष की गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है। पुलिस ने इन सभी के पास से पांच खोखा, छह मोबाइल, एक चार चक्का क्रेटा गाड़ी जिसका रजि.न. बीआर02बीएन-5993 को जब्त किया गया है।

इसके अतिरिक्त इन लोगों के पास से नगद 24 हजार 500 रुपया बरामद किया गया है।

डीएसपी ने बताया कि श्रवण चौधरी पर मुफस्सिल थाना में नौ मामला पहले से दर्ज है।

पुलिस को फायरिंग करने वाले हथियार बरामद करने में सफलता हासिल नहीं हुई। यहां बता दें कि एसएस कॉलोनी में जमीन कब्जा को लेकर फायरिंग की गई थी।

अनियंत्रित वाहन ने हवलदार को कुचला, मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र अन्तर्गत आरा-सासाराम स्टेट हाइवे पर कसाप गांव के पास रविवार की देर शाम अज्ञात अनियंत्रित वाहन से कुचलकर बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के एक हवलदार की मौत हो गई। मृतक 42 वर्षीय देवेन्द्र पासवान मूल रूप से मधुबनी जिले के फुलपरास थाना के बेल मोहन गांव निवासी अस्सी लाल पासवान के पुत्र थे। बीएमपी (बीसैप) डुमरांव, बक्सर-18 में कार्यरत थे। वर्तमान में भोजपुर जिले के उदवंतनगर थाना में प्रतिनियुक्त पर थे। कसाप पंचायत भवन स्थित कैंप में रहते थे। वे वर्ष 2004 में बहाल हुए थे।

इसे लेकर अज्ञात वाहन चालक के विरुद्ध प्राथमिकी कराई गई है। शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल, आरा में कराया गया। हादसे का कारण अनियंत्रित परिचालन बताया जा रहा है। इस दौरान भोजपुर एसपी राज व आरा सदर एएसपी परिचय कुमार ने वहां पहुंच हादसे के बारे में जानकारी ली। सीसीटीवी फुटेज के जरिए अज्ञात वाहन को चिह्नित करने का प्रयास किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार, विशेष सशस्त्र पुलिस के जवान देवेन्द्र पासवान संध्या समय कैंप से सब्जी खरीदने के लिए कसाप बाजार की ओर गए हुए थे।

लौटने के क्रम में अज्ञात वाहन ने उन्हें रौंद दिया। जिससे घटनास्थल पर ही जवान की मौत हो गई। हादसे के बाद भीड़ लग गई। सूचना पर थानाध्यक्ष जयंत प्रकाश समेत अन्य पदाधिकारी वहां पहुंच गए।

इसके बाद शव को आरा के सदर अस्पताल में लाया गया। सदर एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि किसी अज्ञात वाहन से हादसा हुआ है। सीसीटीवी कैमरा खंगाला जा रहा है।

अभियान चलाकर बनेगा आयुष्मान कार्ड

पटना। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वप्न है कि हर गरीब तक उच्च गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचें। इसके लिए 23 सितंबर 2018 में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की गई। उस समय प्रदेश के 1.21 करोड़ परिवारों के 5.5 करोड़ लोग लाभार्थी थे।

इसकी उपयोगिता को देखते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इसका दायरा बढ़ाने का आग्रह किया। उनके मार्गदर्शन में गरीबों-वंचितों तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए हर राशन कार्डधारी के लिए मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू की गई। इसके बाद लाभार्थी परिवारों की संख्या 1.79 करोड़ व लाभुकों की संख्या 8.50 करोड़ से अधिक हो गई।

फिल्मों की शूटिंग के लिए पसंदीदा जगह बन रहा बिहार

▸ राज्य सरकार की नई फिल्म नीति लायी रंग ▸ जहानाबाद के काको में स्थापित किया गया स्टूडियो ▸ डॉक्यूमेंट्री और शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल का भी होगा आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार में अब सिर्फ खेत-खलिहान, शिक्षा और इतिहास की चर्चा नहीं होती, अब यहां फिल्मों की शूटिंग की भी गूंज सुनाई देती है। लाइट, कैमरा, एक्शन जैसे शब्द अब मुंबई या हैदराबाद तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बिहार के अलग-अलग शहरों और गांवों में भी इनकी गूंज सुनाई देने लगी है। राज्य सरकार की नई फिल्म नीति के बाद बिहार तेजी से फिल्मों की शूटिंग के लिए पसंदीदा जगह बनता जा रहा है।

इस समय राज्य में कुल 14 फिल्मों को शूटिंग की अनुमति मिल चुकी है। इनमें से कई फिल्मों की शूटिंग पूरी हो चुकी है और कुछ पर अभी काम चल रहा है। ये फिल्में भोजपुरी, हिंदी, मैथिली, मगही और अंग्रेजी जैसी अलग-अलग भाषाओं में बन रही हैं। इससे न केवल बिहार की छवि एक रचनात्मक प्रदेश के रूप में बन रही है, बल्कि स्थानीय लोगों को रोजगार और राज्य को पर्यटन के रूप में भी लाभ मिल रहा है।

बिहार अब स्थायी फिल्म निर्माण के ढांचे भी विकसित कर रहा है। वाल्मीकि नगर में राज्य का पहला फिल्म सेट बनाया जा रहा है, जहां पर 'टिया' नाम की हिंदी फिल्म की शूटिंग चल रही है। इसके अलावा जहानाबाद जिले के काको स्थित पाली में अभिनेता और निर्देशक हैदर काजमी द्वारा एक स्टूडियो स्थापित किया गया है। यहां भी लगातार फिल्मों की शूटिंग हो रही है।अभी हाल ही में बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी की फिल्म 'ओह माय डॉग', जिसे बाद में सेनापति के नाम से भी जाना गया, की शूटिंग पटना के अलग-अलग स्थानों पर पूरी की गई है। इस फिल्म की निमातार् कंपनी जार पिक्चर एलएलपी ने बिहार फिल्म निगम का

विशेष रूप से आभार जताया है।

बिहार सरकार केवल फिल्मों की शूटिंग की अनुमति ही नहीं दे रही, बल्कि राज्य में फिल्म शिक्षा को भी बढ़ावा दे रही है।

हाल ही में बिहार दिवस के मौके पर आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में प्रसिद्ध अभिनय प्रशिक्षक हेमंत माहौर ने मास्टर क्लास ली, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने हिस्सा लिया। इसके अलावा पुणे फिल्म संस्थान, सत्यजीत रे फिल्म संस्थान और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में पढ़ने वाले बिहार के छात्रों को छात्रवृत्ति देने की योजना भी शुरू की गई है। अब तक आशीष कुमार नामक एक छात्र को यह सहायता दी जा चुकी है और बाकी आवेदनों पर काम चल रहा है।

फिल्म निमातार्ओं को आकर्षित करने के लिए बिहार सरकार ने आर्थिक सहायता देने की भी पहल की है। अगर कोई फिल्म अपनी कुल शूटिंग का 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा बिहार में करती है, तो उसे चार करोड़ रुपये तक की सरकारी मदद मिल सकती है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए कई फिल्म निमातार् बिहार की ओर रुख कर रहे हैं।

बहुत जल्द ही बिहार में डॉक्यूमेंट्री और शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल भी आयोजित किया जाएगा। इसमें कुछ फिल्मों का चयन हो चुका है और बाकी का चयन जल्द पूरा हो जाएगा। बिहार में जिन फिल्मों को शूटिंग की अनुमति मिली है, उनमें से कुछ प्रमुख नाम हैं। जैसे संघतिया, द लांग जर्नी होम, बिहार का जलवा, सुहागिन के सेनू, लाइफ लीला, जिनगी बीतवनी तोहरे प्यार में, नारी, टिया, ओह माय डॉग/सेनापति, रजनी की बारात, छठ और पेन ब्रश।

20.5 लाख लोगों के इलाज पर एनडीए सरकार ने खर्च किए 2670 करोड़ : मंगल पांडेय

26, 27 और 28 मई को आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए चलेगा विशेष अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, स्वास्थ्य विभाग की ओर से राज्य में आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत नव सूचीबद्ध 68 निजी अस्पतालों का उन्मुखीकरण सह कार्यशाला का आयोजन पटना में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने किया। श्री पांडेय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर गरीब को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवा प्राप्त हो और इसी उद्देश्य से इस योजना की शुरुआत की गई। उसी क्रम में प्रदेश में भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में गरीबों व वंचितों को योजनाअंतर्गत लाभ मिल रहा है। माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा है कि 26, 27 और 28 मई 2025 को बिहार में पंचायत स्तर तक आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। श्री पांडेय ने कहा कि 2018 में शुरू हुई आयुष्मान योजना में अब तक राज्य में 1173 अस्पताल सूचीबद्ध हो चुके हैं, जिनमें 587 निजी और 586 सरकारी अस्पताल शामिल हैं। छह वर्षों में योजना ने 20.5 लाख लोगों को इलाज मुहैया कराया है, जिसमें अब तक 2670 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। सिर्फ 2024-25 के वित्तीय वर्ष में ही राज्य के अंदर 1000 करोड़ रुपये खर्च कर गरीबों का इलाज किया गया। बिहार में अब तक 3.75 करोड़ आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं, जिसमें से 2.8 करोड़ कार्ड केवल पिछले 14 महीनों में बने। बिहार पूरे देश में आयुष्मान कार्ड निर्माण में तीसरे स्थान पर है। मंत्री ने नए सूचीबद्ध 68 अस्पतालों से अपील की कि वे योजना के हर पहलू को समझें और अपने अस्पतालों में भी उन्मुखीकरण सत्र आयोजित करें ताकि स्टाफ योजना की बारीकियों को समझकर पारदर्शिता से सेवा कर सके। श्री पांडेय ने कहा कि योजना के तहत पिछले 6 वर्षों में कई उपलब्धियां हासिल की गई हैं। बिहार में अबतक कुल 1.57 करोड़ परिवारों एवं 3.75 करोड़ पात्र लाभार्थी को आयुष्मान कार्ड से आच्छादित किया जा चुका है। अबतक 70 वर्ष से अधिक उम्र के कुल 2.33 लाख पात्र लभुकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड से आच्छादित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि देश में 29 हजार सूचीबद्ध अस्पताल हैं, जहां आयुष्मान कार्ड के तहत मुफ्त इलाज होता है। बिहार में अब तक 2.3 लाख पर वय वंदना कार्ड बनाया जा चुके हैं। बिहार में 1.79 करोड़ परिवार आयुष्मान योजना के लाभुक हो गए हैं। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के सचिव मनोज कुमार सिंह ने कहा कि इस उन्मुखीकरण कार्यशाला में आए हुए सभी लोगों को इस योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। अपने संबोधन में शशांक शेखर सिन्हा, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति ने आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से सभी नागरिकों को निःशुल्क, सुलभ और गुणवत्ता-युक्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के महत्व को दोहराया। इस अवसर पर मनोज कुमार सिंह, सचिव, स्वास्थ्य विभाग, बिहार, सुहर्ष भगत, कार्यपालक निदेशक, राज्य स्वास्थ्य समिति बिहार, शशांक शेखर सिन्हा, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, आदित्य प्रकाश, अपर सचिव, स्वास्थ्य, अमिताभ सिंह, स्वास्थ्य मंत्री के आप्त सचिव, राजेश कुमार, प्रशासी पदाधिकारी, राज्य स्वास्थ्य समिति, शैलेश चन्द्र दिवाकर, प्रशासी पदाधिकारी, बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति, एवं बिहार स्वास्थ्य सुरक्षा समिति के राज्य एवं जिला स्तरीय पदाधिकारी, सलाहकार तथा कर्मी मौजूद रहे।

भारत में अस्थमा अभी भी गलतफहमी का शिकार है : डॉ. प्रवीण शाही

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। ग्लोबल इनिशियेटिव फॉर अस्थमा (जीआईएनए) यानी अस्थमा के लिए वैश्विक पहल की थीम साँस के जरिये उपचार को सब के लिए सुलभ बनाना के साथ चिह्नित, इस साल का विश्व अस्थमा दिवस भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य यात्रा में एक महत्वपूर्ण मौके पर आता है। अस्थमा और सांस की अन्य पुरानी बीमारियाँ गैर-संचारी रोग (एनसीडी) से संबंधित मौतों में तीन शिखर की योगदानकर्ताओं में से हैं। यह देश भर में होने वाली सभी मौतों का आधे से अधिक हिस्सा हैं। इसके बावजूद गंभीर अस्थमा के लक्षण वाले लगभग 70 प्रतिशत व्यक्तियों की बीमारी का पता नहीं चलता है। 2.5 प्रतिशत से भी कम लोग प्रतिदिन अनुशंसित उपचार इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स का उपयोग करते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक दीर्घकालिक, सहयोगी रुख की आवश्यकता होती है जो जागरूकता, शिक्षा और पहुँच को एकीकृत करता है। जनता का सामना करने वाले सिप्ला के बेरोक जिंदगी जैसे अभियान आधे दशक से अधिक समय से चल रहे हैं। टफ़ीज़ के साथ कंपनी की ब्रीथफ्री पहल ने अकेले एफवाई 24-25 में एक करोड़ से अधिक लोगों के जीवन को छुआ है। इनहेलेशन थेरेपी के महत्व और उपलब्ध उपचार की आवश्यकता पर जोर देते हुए, डॉ. प्रवीण कुमार शाही, सलाहकार पल्मोनोलॉजिस्ट, पटना ने कहा कि अस्थमा प्रबंधन का प्राथमिक लक्ष्य लक्षणों को नियंत्रित करना, बचाव वाली दवा पर निर्भरता कम करना, अस्पताल में भर्ती होने से रोकना और फ़ेफड़ों की कार्यक्षमता को बनाए रखना - अंततः जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है। इन परिणामों को प्राप्त करने के लिए समय पर निदान, सही इनहेलर का उपयोग और लगातार अनुपालन की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्य से, इन क्षेत्रों में अक्सर खराब डिवाइस तकनीक, देखभाल तक सीमित पहुंच और दीर्घकालिक समर्थन की कमी के कारण बाधा उत्पन्न होती है। ब्रीथफ्री जैसी पहल ऑन-ग्राउंड स्क्रीनिंग कैंप, डिजिटल एजुकेटर प्लेटफॉर्म जैसे ऑनलाइन टूल और आसान 'कैसे करें' डिवाइस प्रशिक्षण वीडियो के माध्यम से इन अंतरालों को पाटने में सहायता मिली है। ये संसाधन रोगियों और देखभाल करने वालों को अस्थमा पर बेहतर नियंत्रण पाने में वास्तविक अंतर लाते हैं। इलाज की कमी को दूर करने में जागरूकता की भूमिका को रेखांकित करते हुए, डॉ. ने टिप्पणी की कि भारत में अस्थमा अभी भी बहुत सारी गलतफ़हमी की शिकार है। इनहेलर के इस्तेमाल से जुड़ी भ्रांतियाँ और इस बीमारी का नाम तक न लेने में हिचक के कारण अक्सर निदान और उपचार में देरी होती है। इन चुनौतियों का समाधान सिर्फ़ चिकित्सा हस्तक्षेप से कहीं ज़्यादा है-इसके लिए निरंतर जागरूकता, शुरुआती शिक्षा और सार्वजनिक व निजी दोनों क्षेत्रों से सामूहिक प्रयास की ज़रूरत है ताकि ऐसा माहौल बनाया जा सके जहाँ अस्थमा को पहचाना जाए, स्वीकार किया जाए और उसका प्रभावी ढंग से इलाज किया जाए।

पिछड़ा और अति पिछड़ा की घोर विरोधी रही है कांग्रेस : गिरिराज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की बढ़ती सक्रियता और राहुल गांधी के लगातार बिहार दौरे को लेकर सियासत तेज हो गई है। इसी क्रम में केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला है। गिरिराज सिंह ने मंगलवार को पटना में मीडिया से बातचीत में कांग्रेस को पिछड़ा और अतिपिछड़ा का झूठा हिमायती बताया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हों, पंडित नेहरू हों या राजीव गांधी हों, इन लोगों के डीएनए में पिछड़ा, अति पिछड़ा के लिए कोई प्रेम ही नहीं है। इनका पिछड़ा-अति पिछड़ा प्रेम दिखावा है। उन्होंने कहा कि ये लोग पिछड़ा और अति पिछड़ा के घोर विरोधी रहे हैं। ये लोग व्याकुल भारत हैं। इन लोगों को कहने में कुछ नहीं है। यह लोग देखते हैं कि इनके रहते गरीब का बेटा नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री कैसे बन गया, इसीलिए ये लोग प्रधानमंत्री बनने के चक्कर में घूम रहे हैं। वहीं तेजस्वी यादव द्वारा बिहार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करने पर गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर कानून व्यवस्था पर तेजस्वी यादव और लालू यादव का परिवार सवाल उठाने लगे तो क्या कहा जा सकता है।

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष के निधन पर जताया शोक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। जहानाबाद जिला कंग्रेस कमिटी के पूर्व अध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद कुशवाहा के असामयिक निधन पर बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम सहित वरिष्ठ नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है। जहानाबाद के पूर्व जिलाध्यक्ष उपेंद्र प्रसाद कुशवाहा के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि वे आजीवन कांग्रेस के विचारधारा को मजबूत करते रहें। उनके निधन से मन मर्माहत है। उनका निधन पार्टी के लिए मगध क्षेत्र में पार्टी के लिए गहरा आघात है। उनके परिवार के साथ कांग्रेस पार्टी और व्यक्तिगत तौर पर मैं मजबूती से खड़ा रहूंगा। साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने बक्सर जिले के वरिष्ठ कंग्रेस नेता विपिन बिहारी उपाध्याय और लखीसराय के बड़हिया के गंगोत्री सिंह के निधन पर भी गहरा शोक व्यक्त किया। शोक व्यक्त करने वालों में कंग्रेस विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, पूर्व प्रदेश कंग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता, मोतीलाल शर्मा, ब्रजेश प्रसाद मुनन, जमाल अहमद भल्लू, राजेश राठौड़, मंजीत आनंद साहू, अजय चौधरी, शशि रंजन, राजीव मेहता सहित अन्य नेतागण है।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत एनटीपीसी परिसर में श्रमदान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। शास्त्री नगर स्थित एनटीपीसी पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय परिसर में दिनांक 16 से 31 मई तक चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत मंगलवार को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्व-I) सुदीप नाग के नेतृत्व में एनटीपीसी के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं सहयोगियों ने श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई की। स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि एक सामूहिक जिम्मेदारी मानते हुए कर्मचारियों ने कार्यालय प्रांगण, आवासीय क्षेत्र एवं आसपास के परिसर को स्वच्छ बनाने में सक्रिय भागीदारी दिखाई। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता फैलाना तथा कार्यस्थल को स्वच्छ एवं स्वास्थ्यवर्धक बनाए रखना था। इस अवसर पर श्री नाग ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्य नहीं, यह हमारी दैनिक दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। एनटीपीसी सदैव स्वच्छ और हरित पर्यावरण के लिए प्रतिबद्ध रहा है, और इस तरह के आयोजनों से हमारी यह प्रतिबद्धता और भी सुदृढ़ होती है। कार्यक्रम के दौरान श्री नाग ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ परिसर के सफाई कर्मियों व अन्य सहयोग कर्मियों को स्वच्छता-किट भी प्रदान कर यह संदेश दिया कि संगठित प्रयासों से स्वच्छ भारत का सपना साकार किया जा सकता है। इस अवसर पर एनटीपीसी के महाप्रबंधक (प्रचालन सेवाएँ) मैथ्यू ई. कोवूर, क्षेत्रीय मानव संसाधन प्रमुख अनिल कुमार चावला, एनटीपीसी-प्रवक्ता विश्वनाथ चन्दन, पवन कुमार पांडे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण-कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। गौरतलब है कि स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आम लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के उद्देश्य से पूर्वी क्षेत्र-1 मुख्यालय द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

संस्कृत भाषा है सुलभ और सरल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम हरियाणा द्वारा दो महीने संस्कृत सम्भाषण शिविर का समापन समारोह आनलाईन आयोजित किया गया। यह संस्कृत सम्भाषण शिविर 16 मार्च 2025 से प्रारम्भ हुआ था और इसका समापन समारोह दिनांक 20 मई 2025 को हुआ। समापन समारोह के अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रपति पुरस्कार तथा पद्मश्री पुरस्कार से पुरस्कृत एवं डीडी न्यूज संस्कृत वार्ता के मुख्य प्रवाचक डॉ बलदेवानन्द सागर थे तथा मुख्य अतिथि के रूप में डॉ प्रमोद शास्त्री, प्रान्त मंत्री, संस्कृत भारती, हरियाणा प्रान्त तथा संस्कृत प्रवक्ता हरियाणा सरकार रहे। इस सम्भाषण शिविर में मुख्य शिक्षक के रूप में डॉ मुकेश कुमार ओझा, अध्यक्ष विहार संस्कृत संजीवन समाज तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के रूप में थे जिन्होंने दो महीने तक विद्यार्थीयों एवं शिक्षकों को संस्कृत सम्भाषण करना सिखाया। इस समापन समारोह के अवसर पर एमिटी स्कूल आफ लिब्रल आर्ट्स, एमिटी विश्वविद्यालय गुरुग्राम हरियाणा के निदेशक प्रो. डॉ. संजय झा ने अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत करते हुए संस्कृत भाषा के महत्व तथा इस शिविर के उपयोगिता के बारे में भी सभी को अवगत कराया।

विशिष्ट अतिथि डॉ बलदेवानन्द सागर ने अपने वक्तव्य में सभी को बताया की संस्कृत भाषा कितनी वैज्ञानिक तथा महान है। उन्होंने कहा कि संस्कृत है तभी हमारी भारतीय संस्कृति भी रहेगी इसी भारतीय संस्कृति द्वारा हमारी पहचान सम्पूर्ण विश्व में है। अतः इस देव भाषा को जन जन तक पहुंचाने का यत्न करना चाहिए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ प्रमोद शास्त्री ने कहा कि संस्कृत भाषा बहुत सरल और सुलभ भाषा है। संस्कृत भाषा को हमें अपने दैनिक जीवन में उतारना चाहिए तथा अपने जीवन में उसे धारण भी करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी समय में सम्पूर्ण देश में जनगणना प्रारम्भ होने वाली है अतः आप सभी जनगणना फार्म में अपनी मातृभाषा संस्कृत ही लिखें। सम्भाषण शिविर के मुख्य शिक्षक डॉ मुकेश कुमार ओझा जी ने इस शिविर के पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस सम्पूर्ण शिविर में प्रतिदिन लगभग 30 छात्र एवं शिक्षक संस्कृत सम्भाषण सीखने आते थे तथा सभी इस शिविर से लाभान्वित भी हुए। समापन समारोह के अन्त में डॉ ओझा जी ने छात्रों के मध्य संस्कृत प्रतियोगिता का भी आयोजन कराया। इस सम्पूर्ण शिविर में संचालक के रूप में डॉ अखिलेश त्रिपाठी की मुख्य भूमिका रही।

यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की महाप्रबंधक ने की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा आज 20.05.2025 को मुख्यालय, हाजीपुर में विभागाध्यक्षों, मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक एवं अन्य अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की गयी। इस बैठक में महाप्रबंधक द्वारा पूर्व मध्य रेल पर चल रहे यात्री सुविधा एवं आधारभूत संरचना के विकास से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में महाप्रबंधक ने कहा कि हमें रेलवे के प्रत्येक क्षेत्र में नई तकनीक का ज्यादा-से-ज्यादा प्रयोग करना होगा ताकि लोगों की अपेक्षा पर खरे उतरते हुए उन्हें बेहतर परिणाम दे सकें। महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह ने कहा कि गाड़ियों का समय-पालन, इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास एवं विस्तार, अमृत भारत स्टेशनों के कार्य में तेजी लाने, माल लदान, राजस्व में वृद्धि, स्वच्छता एवं कर्मचारी कल्याण हमारी प्राथमिकताओं में शामिल है।

बिहार बदलाव यात्रा पर निकले प्रशांत किशोर

जेपी की जन्मस्थली सिताबदियारा से की यात्रा की शुरुआत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा/पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की गतिविधियां तेज हो गई हैं। प्रशांत किशोर अब 'बिहार बदलाव यात्रा' पर निकले हैं। उन्होंने मंगलवार को इस यात्रा की शुरुआत लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जन्मस्थली छपरा के सिताबदियारा से की।

बताया जा रहा है पीके की यह यात्रा 120 दिन तक चलेगी और राज्य की सभी 243 विधानसभा सीट तक जाएगी। पीके अपनी यात्रा में हर दिन 2-3 विधानसभा क्षेत्रों में जाएंगे। इस दौरान वह बिहार की जनता को अपनी पार्टी का विजन बताएंगे। इससे पहले दो अक्टूबर 2022 से जन सुराज पदयात्रा के जरिए वे लगभग दो साल बिहार का एक राउंड लगा चुके हैं। इस बार यात्रा का नाम उन्होंने 'बिहार बदलाव यात्रा' रखा है। वह 120 दिनों की इस यात्रा में 243 विधानसभा सीटों को साधने का प्रयास करेंगे। इस बीच एक बार फिर से प्रशांत किशोर की लग्जरी वैनिटी वैन चर्चि में आ गई है। बता दें कि बीपीएससी अभ्यर्थियों के आंदोलन के दौरान पुलिस ने गांधी मैदान से एक लग्जरी वैनिटी वैन को जब्त किया था। इस वैनिटी वैन का इस्तेमाल पीके अपने आमरण अनशन में कर रहे थे। जिसके बाद अब

प्रशांत किशोर ने कोर्ट के जरिए इस वैनिटी वैन को छुड़ा लिया है। अब 'बिहार बदलाव यात्रा' में वह इस लग्जरी वैनिटी वैन का इस्तेमाल करेंगे।

मालूम हो कि आमरण अनशन के दौरान पीके जिस वैनिटी वैन का इस्तेमाल कर रहे थे, वह पूर्णिया के पूर्व सांसद उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह की थी। पप्पू सिंह अब जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन चुके हैं। पूर्णिया लोकसभा सीट से पप्पू सिंह साल 2009 से लेकर 2019 तक दो बार भाजपा के टिकट पर सांसद रह चुके हैं। 2019 में टिकट कटने पर नाराज होकर कंग्रेस में चले गए थे।

अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों एवं उनके परिवारों को मिले अपेक्षित सम्मान : तेजस्वी

गृह मंत्री को लिखा पत्र

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र लिखकर अर्धसैनिक बलों के लिए बड़ी मांग की है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा कि हमारे देश की सुरक्षा में सेना और अर्धसैनिक बलों आदि सभी देश की एकता, अखंडता एवं सम्प्रभुता के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देते हैं। परंतु यह दुःखद एवं विचारणीय है कि मातृभूमि के लिए बलिदान देने वाले शहीदों को शहादत उपरान्त मिलने वाले सम्मान, मुआवजा, सुविधाओं तथा अन्य लाभों में स्पष्ट भेदभाव है। तेजस्वी यादव ने आगे लिखा है कि जहां एक और हमारे पराक्रमी भारतीय सेना के वीर शहीदों को राज्य और केन्द्र सरकारों की ओर से मुआवजा, सम्मान और परिवार को आर्थिक सहायता एवं सामाजिक सुरक्षा मिलती है। वहीं ,अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों एवं उनके परिवारों को अपेक्षित सम्मान, सहायता एवं भविष्य की सुरक्षा नहीं मिल पाता। जिसके वे भी समान रूप से हकदार हैं। अर्द्धसैनिक बलों के मनोबल को बरकरार रखने एवं ऊंचा उठाने हेतु इस भेदभाव को समाप्त करना अत्यंत आवश्यक है। अर्द्धसैनिक बलों के तरफ से की गई इनकी मांग दशकों से लंबित है। आपसे मेरा विनम्र सुझाव एवं मांग है कि अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों को भी बैटल कैजूअल्टी घोषित किया जाए, जिससे उन्हें एवं उनके परिवारों को समान सम्मान, लाभ एवं मुआवजा मिल सके। उन्होंने आगे लिखा कि सरकारी नौकरी, पेंशन एवं अन्य सरकारी सुविधाओं में सेना एवं अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों के परिजनों में अनुरूपता हो। नेशनलवार मेमोरियल में अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों के भी नाम दर्ज किए जाएं। इसके साथ ही अर्द्धसैनिक बलों के शहीदों के परिजनों के लिए लिबरालईज्ड पेंशन स्कीम स्वतः लागू हो। केन्द्रीय एक्स ग्रैसिया एवं राज्य सरकारों द्वारा दिए जानेवाले प्रतिपूर्ति में समानता हो। तेजस्वी ने कहा कि नक्सलवाद, आंतकवाद निरोधी कार्रवाई, युद्ध अथवा युद्ध जैसी स्थिति में गम्भीर रूप से घायल या दिव्यांगता के बाद सैनिक/अर्द्धसैनिक बल के जवानों को सेवानिवृत्ति दी जाती है।

एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर किसी प्रकार का नहीं है भ्रम : उपेन्द्र कुशवाहा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से केंद्रीय मंत्री व लोजपा (रा) प्रमुख चिराग पासवान की मुलाकात के बाद बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। इसी क्रम में राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) सुप्रीमो उपेंद्र कुशवाहा ने चिराग पासवान को इशारों ही इशारों में नसीहत देते हुए कहा कि इस समय कदम फूंक-फूंक कर रखने की जरूरत है ताकि कोई चूक न हो। एनडीए को इसलिए ऐसा करने की जरूरत है ताकि हम मजबूती से सरकार बना सकें। ऐसे में किसी भी तरह का बयान सोच समझकर देना चाहिए। चिराग पासवान के विधानसभा चुनाव लड़ने के बारे में पूछे जाने पर उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि चुनाव लड़ना या न लड़ना, और कहां से लड़ना, यह उनकी पार्टी और चिराग जी का निर्णय है। लेकिन यह संदेश देना कि एनडीए में कोई खटपट है, एनडीए के सभी घटक दलों को इस प्रकार की चीजों से बचना चाहिए। हमें सावधान रहना चाहिए कि हमारे काम और बातों से एनडीए के घटकों के बीच खटास का संदेश जनता के बीच न जाए। उन्होंने कहा कि एनडीए के भीतर सीट बंटवारे को लेकर किसी प्रकार का भ्रम नहीं है। उपेंद्र कुशवाहा ने प्रधानमंत्री के बिहार दौरे पर कहा कि जब भी प्रधानमंत्री बिहार आते हैं, वे यहां कई सौगातें देते हैं। इस बार भी हम सभी इंतजार कर रहे हैं कि बिहार को बहुत कुछ मिलेगा. नीतीश कुमार और चिराग पासवान की मुलाकात और पोस्टर विवाद पर कुशवाहा ने कहा कि नीतीश कुमार ऐसी स्थिति में हैं जहां वे कई लोगों को आशीर्वाद देते हैं। अगर कोई इसे राजनीतिक अर्थ के रूप में देख रहा है तो मुझे नहीं पता कि नीतीश जी और चिराग जी के बीच क्या बातचीत हुई हर कोई आशीर्वाद देता है और नीतीश जी भी देते हैं, इसमें कुछ अलग नहीं है। राजनीतिक दृष्टिकोण से नीतीश जी ने कोई विशेष आशीर्वाद दिया या नहीं, इसकी जानकारी मुझे नहीं है। वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को झूलेलाल कहे जाने पर कुशवाहा ने कहा कि राजद का यह रवैया रहा है कि किसी के बारे में कुछ भी कह देना, लिख देना या दिखा देना। राजद के लोगों को समझना चाहिए कि इससे उनकी छवि और बिगड़ती है। उन्हें राजनीतिक आलोचना तक सीमित रहना चाहिए और इस प्रकार के बयानों से परहेज करना चाहिए।

बच्चों को दी गई ए.आई. की जानकारी

बिक्रम (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। न्यू एरा पब्लिक स्कूल में ए. आई. एवं रोबोटिक्स लैब का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर बच्चों को इसके महत्व पर प्रकाश डाला गया।मुख्य अतिथि, सी.ओ.ई. पटना के रवि प्रकाश, प्रधानाचार्या, डॉ. नीना कुमार व निदेशक डॉ. अरविंद कुमार ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया। प्राचार्य ने कहा कि ''ए. आई. एवं रोबोटिक्स एक ऐसा मैनिपुलेटर डिवाइस है, जो छात्रों को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की खोज करने में, कोडिंग सीखने में, गणित एवं विज्ञान की अवधारणाओं को व्यवहारिक रूप में समझने में मदद मिलती है।

सहकारी बैंकों में खाता खुलवाकर उठाएं लाभ : प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार/पटना। मंत्री, सहकारिता विभाग, बिहार द्वारा मंगलवार को सहकार भवन, कटिहार में अवस्थित जिला केन्द्रीय सहकारी अधिकोष का निरीक्षण किया गया तथा इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि सहकारी बैंकों में मई माह विशेष बैंकिग अधियान चलाया जा रहा है उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे सहकारी बैंक में खाता खुलवाए एवं के0सी0सी0 लोन इत्यादि का लाभ उठायें। कटिहार भ्रमण के दौरान उनके द्वारा सहकार भवन परिसर में पौधा रोपण किया गया एवं 5000 मे0 टन क्षमता के 06 गोदाम का शिलान्यास किया गया। जिले के अन्य पैक्स/व्यापार मंडल जहाँ आवश्यक भंडारण क्षमता उपलब्ध नहीं है वहीं भंडारण क्षमता के निर्माण हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराने का निदेश पदाधिकारियों को दिये गये। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सहकारी समितियों को समृद्ध किया जाना आवश्यक है इस हेतु कई केन्द्रीय एवं राज्य योजना संचालित है जिसका लाभ सहकारी समितियों को दिया जा रहा है। इस मौके पर मंत्री

प्रेम कुमार ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के कारण फसल नुकसान होने की स्थिति में बिहार राज्य फसल सहायता योजना के अन्तर्गत किसानों को आर्थिक सहायता दी जाती है यह योजना पूरी तरह निःशुल्क है इसके लिए किसानों कोई प्रीमियम का भुगतान नहीं करना होता है। इस योजना के तहत वास्तविक उपज में 20 प्रतिशत तक क्षति होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 7500 की दर से 2 हेक्टेयर तक 15000 रु0 तथा 20 प्रतिशत से अधिक क्षति होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 10,000 की दर से 2 हेक्टेयर तक अधिकतम 20,000 रु0 की सहायता राशि का भुगतान क्छ्ठ के माध्यम से सीधे किसानों के खाते में किया जाता है। खरीफ 2024 में जिले के 2694 किसानों के आवेदन का सत्यापन कार्य कराया जा रहा है। पैक्स के कार्यों में पारदर्शिता लाने एवं उन्हे बहुउदेश्यीय सहकारी समिति में परिवर्तित करने हेतु पैक्स कम्प्यूटीकरण योजना के तहत जिले के 149 पैक्सों को कम्प्यूटर उपलब्ध कराया गया है ग्रामीण स्तर पर ई-सेवाओं की बेहतर पहुंच के लिए ऐसे पैक्सों में कॉमन सर्विस सेन्टर की स्थापना की जा रही है। ऐसे पैक्स 300 से अधिक ई-सेवाए देकर ग्रामीण स्तर पर लाभ अर्जित कर रहे है जिनसे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ हो रही है।

मुख्यमंत्री हरित कृषि संयंत्र योजना अन्तर्गत जिले के 58 पैक्सों को ट्रेक्टर, ट्रॉली, सहित कृषि कार्य के लिए अन्य उन्नत उपकरण उपलब्ध कराये गये है ऐसे पैक्स कृषि बैंक के रूप में कार्य करेंगे। इस कार्य से भी समिति की आय में वृद्धि होगी तथा उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ होगी।

संपादकीय

शांति की आस

रूस और यूक्रेन पिछले तीन साल में युद्ध खत्म करने को लेकर बातचीत के इतने करीब कभी नहीं पहुंचे। यूरोप और एशिया को जोड़ने वाले तुर्किये के इस्तांबुल में गुरुवार को जब दोनों देश आमने-सामने होंगे, तो उम्मीद की जानी चाहिए कि इस लड़ाई को रुकवाने के लिए कोई हल निकल आएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी इस दौरान तुर्किये में मौजूद रहने के संकेत दिए हैं, जो सकारात्मक कहा जा सकता है। इस बार उम्मीद ज्यादा इसलिए है, क्योंकि मुलाकात का प्रस्ताव रूस की तरफ से आया है। यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों ने रूस के सामने 30 दिनों के संघर्षविराम का प्रस्ताव रखा था। मॉस्को ने इसे तो अस्वीकार कर दिया, लेकिन कहा कि वह सीधी बातचीत के लिए तैयार है। अभी तक रूस और यूक्रेन के बीच किसी न किसी मध्यस्थ की मौजूदगी जरूर रही है। पहली बार यह मुलाकात सही अर्थों में द्विपक्षीय होगी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन इसमें खुद मौजूद रहते हैं या उनका कोई प्रतिनिधि जाता है, इस बारे में मॉस्को ने अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, पर उसका वार्ता की मेज तक पहुंचना ही बड़ा डिवेलपमेंट है। रूस और यूक्रेन अगर इस स्थिति तक पहुंचे हैं, तो इसमें ट्रंप की भूमिका से इनकार नहीं कर सकते। दूसरी बार राष्ट्रपति पद संभालने के पहले से ही उन्होंने युद्ध रुकवाने की बात कहनी शुरू कर दी थी। यूक्रेन को लेकर ट्रंप और उनके डेप्युटी जेडी वेंस के रवैये की आलोचनाओं के बावजूद यह मानना होगा कि अमेरिका ने हिचक तोड़कर रूस से सीधी बात की। उसने सभी पक्षों पर लड़ाई रोकने का दबाव बनाया है। इस सीधी मुलाकात के लिए भी जब रूस की तरफ से प्रस्ताव आया तो ट्रंप ने यूक्रेन को सुझाव दिया कि उसे तुरंत इसे स्वीकार कर लेना चाहिए। यूरोप चाहता था कि सीजफायर स्वीकार न करने की स्थिति में रूस पर नए प्रतिबंध लगाए जाएं और अमेरिका इसमें साथ दे। जब यूक्रेन से ट्रंप नाराज हो गए थे, तब भी यूरोप उसके साथ खड़ा रहा। ऐसे में बातचीत भले आमने-सामने की हो, लेकिन इसमें यूरोप का पहलू जरूर शामिल होगा। उम्मीदें बहुत हैं, लेकिन कोई सकारात्मक परिणाम तभी मिलेगा, जब रूस-यूक्रेन समझौते को लेकर प्रतिबद्धता दिखाएं। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के चार दिन बाद ही शांति को लेकर कोशिशें की गई थीं। बाद में इस्तांबुल में ही एक मीटिंग भी हुई थी, लेकिन कई मुद्दों पर बात नहीं बन पाई। दोनों देश अपनी जगह अड़े रहे। तीन साल बाद स्थितियां काफी बदल चुकी हैं और दुनिया आशा कर रही है कि दोनों पक्ष शांति की राह पर आगे बढ़ेंगे।

अनिवार्य है, कृतघ्न तुर्किए को कठोर संदेश देना

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो 'मेड इन' चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है।

(डॉ. आशीष वशिष्ठ)

मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को 26 निर्दोष हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के उत्तर में शुरू ऑपरेशन सिंदूर पाक समर्थित आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार बन गया। चार दिल चले ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान की सारी हेकड़ी निकल गई, और वो सीजफायर की भिक्षा मांगने लगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर अवश्य हो गया है, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर के बीच तुर्की खासा सुर्खियों में रहा और उसका पाकिस्तान प्रेम खुलकर सामने आ गया।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन, तुर्किए और अजरबैजान का वास्तविक चेहरा अखिल विश्व के समक्ष अनावृत हो गया। पाकिस्तान ने इस दौरान भारत पर जो ड्रोन और मिसाइल दागे वो 'मेड इन' चाइना और तुर्किए में बने थे। पाकिस्तान ने जो चीन की निकृष्ट मिसाइल और तुर्किए के ड्रोन भारत पर हमले में प्रयोग किये, उनके अवशेष सैन्य बलों के पास हैं। चीन और तुर्किए अब इन प्रमाणों को नकार नहीं सकता है।

सीजफायर के बाद पाकिस्तान के मित्र तुर्किए के विरुद्ध भारत में विरोध शुरू हो गया है और सोशल प्लेटफार्म पर बॉयकाट तुर्की मुहिम जोर पकड़ने लगी है। भारतीय टूरिस्ट तुर्किये और अजरबैजान का बॉयकॉट कर रहे हैं। मोदी सरकार ने भी तुर्की को सबक सिखाने के लिए कदम उठाने शुरू कर दिये हैं। लेकिन जिस तरह देशवासियों ने स्वतः तुर्की और अजरबैजान का बॉयकॉट करने की मुहिम छेड़ी है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। भारतीय नागरिकों के इस भाव का प्रभाव तुर्किए के अरबों डॉलर के व्यापार पर पड़ने वाला है।

तुर्किये 'एहसान फरामोशी' का सबसे कलंकित उदाहरण हो सकता है। जब फरवरी, 2023 में तुर्किए में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, लगभग चालीस हजार लोग मारे गए थे, इमारतें 'मिट्टी-मलबा' हो गई थीं, तब भारत ने मदद का पहला हाथ बढ़ाया था। भारत ने भूकंप के अलावा भी तुर्किये की कई बार सहायता की है, लेकिन जब मौका आया तो उसने कृतघ्नता ही दिखाई और भारत के शत्रु के पक्ष में खड़ा हो गया। 2009 में तुर्किये ने पहली नैनो सैटेलाइट आईटीयूपीसेट-1 बनाई, जिसे स्पेस में नई टेक्नोलॉजी पर रिसर्च करना, पृथ्वी की तस्वीरें लेना और आंकड़ा एकत्र करने के लिए भेजा जाना था। इस लॉन्च में भारत ने तुर्किये की मदद की थी। इस सबके उपरांत तुर्किये सदैव पाकिस्तान का समर्थन करता रहा है।

तुर्किये ने 2019 में भारत के धारा 370 हटाने का भी विरोध किया था। इसके बाद से लगातार तुर्किये यूनाइटेड नेशन जनरल असेंबली यानी यूएनजीए में कश्मीर का मुद्दा उठाता आया है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में 6-7 मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया, तो तुर्किये खुलकर पाकिस्तान के साथ दिखा। कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि तुर्किये ने पाकिस्तान को करीब 350 ड्रोन और उन्हें चलाने के लिए ऑपरेटर भेजे। 4 मई को तुर्किये ने नौसेना का युद्धपोत टीसीजी बुयुकडा (एफ-512) पूरे बेड़े के साथ पाकिस्तान के कराची पोर्ट पर भेज दिया। तुर्किए ने पाकिस्तान के पहलगाम हमले की अंतरराष्ट्रीय जांच की अनुशंसा का भी समर्थन किया। 10 मई को सीजफायर के बाद शहबाज शरीफ ने एर्दोगन को मदद करने के लिए शुक्रिया अदा किया।

तुर्किए के पाकिस्तान का साथ देने के बाद भारतीय पर्यटकों ने धड़ाधड़ तुर्की की यात्राएं कैंसिल करवानी शुरू कर दी है। भारतीय पर्यटकों को आज की तारीख में सिर्फ एक आम ट्रैवलर मानना बहुत बड़ी गलती है। क्योंकि ग्लोबल टूरिज्म इंडस्ट्री के लिए भारतीय पर्यटक एक आर्थिक स्तंभ बन चुके हैं। साल 2023 में भारतीय पर्यटकों ने दुनिया के अलग अलग हिस्सों में घूमने में 18 अरब डॉलर से ज्यादा खर्च किए। ऐसे में अगर भारतीय पर्यटक किसी देश का बहिष्कार करते हैं तो वो सिर्फ एक सोशल मीडिया पर चलाया गया ट्रेंड नहीं होता है, बल्कि एक भूकंप होता है।

पिछले साल जनवरी में मालदीव के कुछ मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लक्षद्वीप दौरे के दौरान अभद्र भाषा का प्रयोग किया था। जिसके बाद भारत और मालदीव के बीच विवाद काफी बढ़ गया। भारतीय पर्यटकों ने मालदीव का बहिष्कार शुरू कर दिया, जिसने कुछ ही समय में मालदीव के नेताओं को घुटने टेकने के लिए विवश कर दिया। मालदीव की अर्थव्यवस्था, जिसमें टूरिज्म सेक्टर का 28 प्रतिशत योगदान है, उसे गहरा धक्का लगा था, लिहाजा अब बारी तुर्की की है।

पिछले कुछ सालों में भारी संख्या में भारतीय पर्यटकों ने घुमने के लिए तुर्की को चुना है। साल 2023 में करीब 2.74 लाख भारतीय नागरिक घूमने के लिए तुर्की गये थे। जबकि 2024 में तुर्की जाने वाले भारतीय पर्यटकों का ये आंकड़ा बढ़कर करीब 3.5 लाख पहुंच गया। भारतीय लोगों के बीच शादी करने, हनीमून मनाने और फैमिली ट्रिप्स के लिए तुर्की तेजी से लोकप्रिय हो रहा था। लेकिन 2025 में तुर्की ने पाकिस्तान का समर्थन करके भारतीयों को अपने विरूद्ध कर लिया है। इसके अलावा भारत जैसे देशों के पर्यटकों का बहिष्कार सिर्फ आर्थिक नहीं, राजनीतिक संदेश भी होता है।

पर्यटन के अलावा भारतीय बाजारों में तुर्की से आयातित सेब की बिक्री पर भी प्रभाव पड़ा है। भारतीय कारोबारियों ने अब ईरान, अमेरिका और न्यूजीलैंड से सेब खरीदना शुरू कर दिया है। सेब उत्पादन करने वाला संघ, जो पहले से ही विदेशों से मंगाए जाने वाले सेब की वजह से नाराज रहता था और तुर्की के सेब पर प्रतिबंध लगाने की मांग करता रहता था, वो अब प्रसन्न है। इस वित्त वर्ष में तुर्की से 1 लाख 60 हजार टन सेब खरीदे गये थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत तुर्की के साथ व्यापारिक संबंध समाप्त करने की तैयारी मे। भारत तुर्की से दाल, तिलहन और स्टील जैसी चीजें खरीदता है। दोनों देशों के बीच व्यापार को 20 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना थी। लेकिन अब बदले वातावरण में यह संबंध पूर्णत समाप्त हो सकते हैं। 15 मई केंद्र सरकार ने तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी। यह दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु सहित प्रमुख भारतीय हवाई अड्डों पर हाई सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालती है। भारत के प्रतिष्ठित शिक्षा संस्थानों ने भी तुर्की से एकेडमिक समझौते रद्द कर दिये हैं। इनमें जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी यानी जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, आईआईटी रुड़की, शारदा विश्वविद्यालय और लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी शामिल हैं।

भारत सरकार ने व्यापार के अलावा कूटनीति के मोर्चे पर भी तुर्किये को बड़ा सबक सिखाने का मन बना लिया है। तुर्किये को सबक सिखाने के लिए भारत उसके अंदर के मुद्दों को बाहर लाएगा। तुर्किये में लगातार बढ़ रही मानवाधिकार हनन की घटनाओं को भारत यूनाइटेड नेशन्स के समक्ष रख सकता है। इसके अलावा 'साइप्रस का मुद्दा' तुर्किये की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुका है। तुर्किए और साइप्रस के बीच की जंग दशकों पुरानी है, इसके बावजूद तुर्किये इसे समाप्त नहीं कर पा रहा। भारत इस मुद्दे के सहारे तुर्किये को सबक सिखा सकता है। येन-केन-प्रकारेण, तुर्किये ने इस्लामी देशों का 'खलीफा' बनने की भ्रांति पाल रखी है, इसलिए उसकी हेकड़ी तोड़ना अत्यावश्यक है।

तुर्किए को सबक सिखाना इसलिए भी अहम है क्योंकि अखिल विश्व को यह संदेश देना चाहिए कि भारत के शत्रु का जो भी साथ देगा, उसे भारत शत्रु की श्रेणी में ही रखेगा। व्यापार, हानि–लाभ और कूटनीति अपने स्थान पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दों में कहा जाए तो हमारे दिल में 'नेशन फर्स्ट' का भाव सर्वोच्च होना चाहिए। केवल तुर्किए ही नहीं, हमें हर उस देश और व्यक्ति का बॉयकॉट करना चाहिए या हमारे भीतर शत्रु बोध होना चाहिए, जो हमारे देश के प्रति शत्रुता रखता हो, शत्रुता का भाव और विचार रखता हो और जो हमारे शत्रु से मित्रता निभाता हो।(राजनीतिक विश्लेषक और स्तंभकार)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यह ग्लेशियर की मौत की शोकसभा नहीं अपितु भावी संकट का है संकेत

(डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा)

जब कोई ग्लेशियर इस हालात में आ जाता है कि उसका मूवमेंट ही लगभग समाप्त हो जाता है तो वह ग्लेशियर मृत श्रेणी में आ जाता है। दुनियाभर में ग्लेशियरों के पिघलने की गति तेज बढ़ती जा रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने के कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है।

अभी दो चार दिन पहले ही भारत, भूटान, नेपाल और चीन के चुनिंदा ग्लेशियलोजिस्टों ने समुद्र तल से करीब 5100 मीटर उंचे याला ग्लेशियर के मौत की अनोखी शोकसभा का आयोजन कर दुनिया के देषो को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के प्रति सावचेत करने का प्रयास किया है। हांलाकि किसी ग्लेशियर की मौत की विधिवत घोषणा और मातम सभा के आयोजन का यह कोई पहला मौका नहीं है। पिछले सात सालों में यह तीसरा मौका है जब ग्लेशियर की मौत की शोक सभा का आयोजन और उस स्थल पर पट्टिका लगाने का काम हुआ है। इससे पहले 2019 में आइसलैण्ड के ओक और 2021 में मैक्सिको के ओयोलोको ग्लेषियर के मौत की शोकसभा का आयोजन किया जा चुका है। ग्लोबल वार्मिंग दुनिया को किस दिशा में ले जा रही है और किस तरह के प्रभाव हमें पिछले सालों से लगातार देखने को मिल रहे हैं उनमें से ग्लेशियरों के नष्ट होना तो केवल और केवल एक पक्ष मात्र है। जबकि ग्लोबल वार्मिंग के चलते ग्लेशियरों के पिघलने के बारे में विशेषज्ञ वैज्ञानिक लगातार सावचेत करते रहे हैं।

जब कोई ग्लेशियर इस हालात में आ जाता है कि उसका मूवमेंट ही लगभग समाप्त हो जाता है तो वह ग्लेशियर मृत श्रेणी में आ जाता है। दुनियाभर में ग्लेशियरों के पिघलने की गति तेज बढ़ती जा रहे हैं। ग्लेशियरों के पिघलने के कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है। समुद्र के जल स्तर के बढ़ने के कारण समुद्र किनारे के कई शहरों के सामने डूबने का संकट दिखाई दे रहा है। यह तो केवल एक पहलू है। ग्लोबल वार्मिंग और ग्लेशियरों के पिघलने के कारण सूखा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तापमान में अत्यधिकता जैसे साल दर साल गर्मी में तेजी और असमय तेज गर्मी, तेज वर्षात और तेज सर्दी प्रभावित कर रही है। जंगलों में आग के कारण जिस तरह से जंगल और जंगल की जीव विविधता प्रभावित हो रही है और जंगल रेगिस्तान में तब्दील हो रहे हैं यह अपने आपमें गंभीर है। इसी तरह से मौसम में अनावश्यक बदलावों के कारण नई नई बीमारियों के साथ ही विलुप्त बीमारियां जैसे मलेरिया और वायरस जनित बीमारियों का बढ़ता प्रकोप, दवाओं की असरता कम होना और ना जाने इस तरह के क्या क्या परिणाम भुगतने पड़ रहे हैं यह आज सारी दुनिया के सामने हैं। ग्लोबल वार्मिंग के चलते सूखा और रेगिस्तान का विस्तार लगातार होता जा रहा है। पिछले सालों में दुनिया के देशों में चक्रवातों का चक्र तेजी से बदला है और तूफानों की तीव्रता और फ्रिक्वेंसी में तेजी आई है। इसके साथ ही भूकंपों की सक्रियता बढ़ रही है। अब तूफान और भूकंपों की फ्रिक्वेंसी तो इस कदर बढ़ गई है कि कब भूकंप आ जाये और कब समुद्र तट की और बढ़ते तूफान की घोषणा हो जाए यह आये दिन देखने को मिल रहा हे। दुनियाभर के देश ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से प्रभावित है। जिस तरह के बडे बड़े सम्मेलनों में दुनिया के नेता ग्लोबलवार्मिंग को लेकर चिंतन मनन को जुट तो जाते हैं पर परिणाम अभी तक जो सामने दिखाई दे रहे हैं पह गंभीर संकट की और साफ इशारा समझने की आवश्यकता है।

दरअसल जिस तरह का ग्लोबल वार्मिंग का असर देखा जा रहा है उससे यह माना जा रहा है कि लाख प्रयासों के बावजूद 9 लाख ट्रिलियन टन बर्फ के पिघलने की संभावना वैज्ञानिकों द्वारा बार बार की जा रही है। मौसम में हर दूसरे तीसरे दिन बदलाव और चरम मौसम के हालात गंभीर है। रेगिस्तान का विस्तार हो रहा है तो सूखे की संभावनाएं अधिक हो गई है। बीमारियों के नित नए वेरियंट सामने आ रहे हैं तो कीटाणुओं की सक्रियता और उनका असर साफ देखा जा सकता है। ऐसे में एक और दुनिया के देशों को ढुलमिल नीति त्यागकर ठोस प्रयास करने होंगे। गैरसरकारी संगठनों को भी आगे आना होगा। इसके साथ ही वैज्ञानिकों को भी एक बात ध्यान रखनी चाहिए कि केवल आय बढ़ाने के लिए इस तरह के प्रयास नहीं करने चाहिए। गैरसरकारी संगठनों की ऐसें हालातों में और अधिक्र सक्रियता के साथ अभियान चलाने होंगे। ग्लेशियरों के पिघलने का संकट आने वाले समय में और अधिक गंभीर होगा क्योंकि जिस तरह से कांक्रिट के जंगल, अत्यधिक भू जल का दोहन पंखे कूलर के स्थान पर एयर कण्डीशरों का बढता प्रयोग, और इलेक्ट्रोनिक उत्पादों के कारण हालत दिन प्रतिदिन खराब होते जा रहे हैं। हालात यही रहे तो ग्लेशियरों की बर्फ पिघलेगी ही पिघलेगी साथ ही अनेक समस्याएं और अधिक नकारात्मक प्रभाव डालेगी।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यूं ही नहीं दिया गया ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम

(अंजन कुमार)

भारतीय सशस्त्र सेना ने 6 और 7 अप्रैल की रात जिस तरह से 25 मिनट तक पाकिस्तान में 100 किलोमीटर भीतर तक आतंकी ठिकानों को टारगेट किया है, वह इसकी क्षमता और सैन्य कौशल का बेजोड़ उदाहरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सशस्त्र सेना को टारगेट, टाइमिंग और ठिकाने तय करने की खुली छूट दी थी और उन्होंने जिस बेहतरीन रणनीति के साथ ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया है, वह लाजवाब है। स्पष्ट है कि भारतीय सेना को पता था कि उसे किस बारीकी से और पूरी सटीकता के साथ इस मिशन को सफल बनाना है। यही वजह है कि रात एक बजकर 5 मिनट से डेढ़ बजे तक चले ऑपरेशन सिंदूर के बाद से पाकिस्तान पूरी तरह से स्तब्ध है। पहलगाम में 26 बेगुनाहों की हत्या के लिए जिम्मेदार आतंकियों को सबक सिखाने के लिए भारत ने जो प्रण लिया था और उसके लिए लगभग डेढ़ अरब भारतीयों में जो जज्बा था, उसको देखते हुए लगभग पूरी दुनिया मन से चाहे बेमन से पाकिस्तान के इस अंजाम के लिए तैयार बैठी थी। यही वजह है कि पिछले 10-12 दिनों से जो पाकिस्तानी नेता जुबानी एटम बम छोड़े जा रहे थे, उनके सामने अब हाथ मलने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है।

युद्ध शुरू होने से पहले पाकिस्तान ने डाले हथियार!– जब पाकिस्तानियों को आतंकी ठिकानों पर भारत के हमले की भनक लगी तो उनमें खलबली तो मची, लेकिन शायद जल्द ही समझ में आ गया कि मौजूदा मोड़ पर आतंकियों के लिए खड़े होने का मतलब है, पूरी दुनिया से बैर मोल लेना। इसका एक बेहतरीन उदाहरण पाकिस्तान के एक डिफेंस एक्सपर्ट कमर चीमा का एक्स पोस्ट है। उन्होंने ऑपरेशन के कुछ ही देर बाद लिखा, पाकिस्तान की मुख्य भूमि पर हमला हुआ है। यह अस्वीकार्य है। लेकिन, जल्द ही पाकिस्तान की सरकार और उसके सुरक्षा बल भारतीय हमले में आतंकी ठिकानों को पहुंचने नुकसान का हिसाब-किताब लगाने में जुट गए। फिर दुनिया को परमाणु बम का डर दिखा चुके पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की पहली प्रतिक्रिया आई और तय हो गया कि पाकिस्तान ने जंग शुरू होने से पहले सरेंडर करने में भलाई समझी है। उन्होंने कहा, भारत सीमा पर अपने अभियान को अगर रोक देता है, तो पाकिस्तान आगे की कार्रवाई से परहेज करने के लिए तैयार है। इसकी वजह साफ है कि भारत ने पाकिस्तान को जवाब देने के लिए बहुत ही सोची-समझी रणनीति अपनाई है। भारत की ओर से ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दी गई औपचारिक जानकारी से यह बात स्पष्ट रूप से जाहिर हो रही है।

भारत ने सिर्फ गुनहगारों को बनाया निशाना

भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने सशस्त्र सेना की दो महिला अफसरों के साथ प्रेस कांफ्रेंस में कहा, हमले के एक पखवाड़े के बाद भी पाकिस्तान ने आतंकवादियों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाया, उसने उल्टा आरोप लगाया....हमारी खुफिया निगरानी ने संकेत दिया है, कि भारत के विरुद्ध आगे भी हमले हो सकते हैं। अतः इनको रोकना, और इनसे निपटना दोनों को बेहद आवश्यक समझा गया। आज सुबह भारत ने इस तरह के सीमा पार हमलों का जवाब देने, उन्हें रोकने तथा उनका प्रतिरोध करने के अपने अधिकार का प्रयोग किया है। ये कार्रवाई नपी-तुली, नॉन एस्केलेटरी (बढ़ाने वाला नहीं), अनुपातिक और जिम्मेदारीपूर्ण है। ये आतंकवाद के इंफ्रास्ट्रक्चर को समाप्त करने और भारत में भेजे जाने वाले संभावित आतंकवादियों को अक्षम बनाने पर केंद्रित है। इसी दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी ने बताया, इन लक्ष्यों (9 टारगेट)का चयन, विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर हुआ, ताकि आतंकी गतिविधियों की रीढ़ तोड़ी जा सके। ये खास ध्यान दिया गया कि निर्दोष नागरिकों और सिविलियन इंस्टॉलेशन (आम नाकरिकों के ठिकानों) को नुकसान न पहुंचे। इससे पहले रक्षा मंत्रालय की ओर से भी यही कहा गया कि भारत ने पाकिस्तान पर एक कार्रवाई की है। ध्यान देने वाली बात है कि इस कार्रवाई में पाकिस्तान के किसी भी सैन्य ठिकाने को निशाना नहीं बनाया गया। इससे पता चलता है कि भारत ने सोच-समझकर कदम उठाया और तनाव नहीं बढ़ाना चाहता। ऑपरेशन सिंदूर दिखाता है कि भारत दोषियों को जवाबदेह ठहराने के लिए तैयार है। साथ ही, भारत बिना वजह किसी को उकसाना भी नहीं चाहता। मतलब, भारत ने सोच समझकर और शांति बनाए रखने वाला तरीका अपनाया है।

भारत के मजबूत इरादे के सामने झुकी दुनिया – मतलब साफ है कि भारत ने दुनिया को यह संदेश दिया है कि उसकी कार्रवाई आतंकियों और उनके आकाओं के खिलाफ है। पाकिस्तान की सरकार, पाकिस्तान की फौज या वहां की जनता उसके निशाने पर नहीं है। दूसरी तरफ पूरी दुनिया को पता है कि पाकिस्तान में आतंकी कैंप हैं और वह भारत समेत दुनिया के कई देशों को अपने आतंकी रणनीति की वजह से परेशान कर रहा है। ऐसे में अगर पाकिस्तान किसी तरह से कोई जवाब कार्रवाई करने की साहस दिखाता है तो विश्व में यही संदेश जाएगा कि वह आतंकवादियों को बचाने के लिए सामने से खड़ा हो रहा है। यही वजह है कि हमले की सूचना मिलते ही अमेरिकी विदेश मंत्री ने ङ्ग पर लिखे अपने पोस्ट में कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के बीच की स्थिति पर ध्यान रख रहा हूं। मैं राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बातों से सहमत हूं। उन्होंने आज कहा कि उम्मीद है, यह जल्दी खत्म हो जाएगा। मैं भारत और पाकिस्तान के नेताओं से बात करता रहूंगा। मैं उनसे शांति से इस समस्या का हल निकालने के लिए कहूंगा। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उम्मीद है कि यह (भारतीय सैन्य कार्रवाई) जल्द खत्म हो जाएगी।

आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की पहल– अमेरिका ने भारतीय सैन्य कार्रवाई के बाद जिस तरह की प्रतिक्रिया दी है, उससे पाकिस्तान को साफ संदेश मिला है कि आतंकवाद के मसले पर दुनिया भारत के साथ खड़ी है। पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में (पीओके) में 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ङ्ग पर अपनी प्रतिक्रिया में साफ किया कि आतंकवाद के खिलाफ दुनिया को जीरो टॉलरेंस दिखाना ही होगा। दरअसल, भारत पहले दिन से ही इस मामले में दुनिया भर के देशों को आतंक के खिलाफ लड़ाई में साथ लेने की कोशिशों में जुटा रहा है, जो पूरी तरह से कामयाब हुआ है। अमेरिका के अलावा रूस, फ्रांस, इजरायल, जापान, यूनाइटेड किंगडम, इटली, ऑस्ट्रेलिया, मिस्र, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान तक ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के नजरिए का समर्थन किया है।

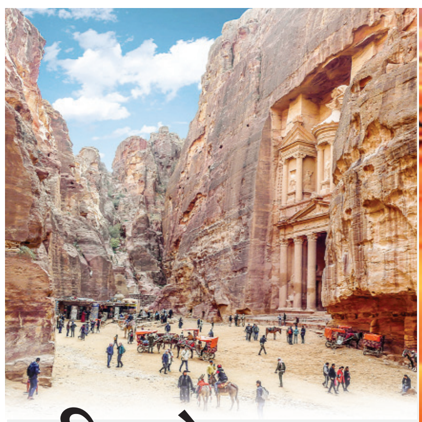

दुनिया के 7 नए अजूबों में से एक पत्थरों की इमारतों वाला पेट्रा शहर

पेट्रा जॉर्डन का एक ऐतिहासिक शहर है, जिसे दुनिया के नए सात अजूबों में भी शुमार किया जाता है। यह जगह पत्थर से तराशी गई इमारतों के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। यही वजह है कि दुनिया भर के इतिहास और कला विषय में रुचि रखने वाले सैलानी यहां आते हैं। यह पूरी जगह बलुआ पत्थर की चट्टानों से घिरी हुई है। इसका निर्माण कार्य 1200 ईसा पूर्व के आसपास शुरू हुआ था। विनाशकारी भूकंप ने भी इस स्थान को नुकसान पहुंचाया था और यह खंडहरों में दब गया था। बाद में इसे फिर से खोजा गया था।

भारत सहित कई देशों से यहां से होता था तब व्यापार...

इस जगह को छठवीं शताब्दी ईसा पूर्व में नबातियों ने अपनी राजधानी के तौर पर स्थापित किया था। नबाती अरबी आदिवासियों का समुदाय है, जिनको बड़ी आबादी यहां रहती थी। इनका मुख्य पेशा व्यवसाय करना था। यहां के लोग भारत, चीन, इजिप्ट आदि देशों के साथ मसालों का व्यापार करते थे। पेट्रा का नाम एक स्त्री यूनानी शब्द पेट्रोस से लिया गया है, जिसका मतलब होता है चट्टानें। पेट्रा में लगभग 800 नक्काशीदार करें हैं।

1929 में की गई खुदाई

इस जगह की पहली पुरातात्विक खुदाई 1929 ईस्वी में गई थी। 1989 में फिल्मकार स्टीवन स्पीलबर्ग ने फिल्म इंडियाना जोन्स और लास्ट क्रूसेड का फिल्मांकन यहीं पर किया था, जिसके कारण यह जॉर्डन का सबसे बड़ा पर्यटक आकर्षण बन गया। 1985 में इसे यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में शामिल किया गया था। पेट्रा की शानदार इंजीनियरिंग और संरक्षण के आधार पर इसे जुलाई 2007 में दुनिया के नए सात आश्चर्यों में से एक पुरातात्विक स्थल के रूप में चुना गया। 1812 में स्विस यात्री जॉन लुडविंग ने इस जगह को दुनिया के लिए फिर से खोजा था।

रोमन्स ने किया था कब्जा

रोम के शासकों ने पेट्रा को अपने कब्जे में ले लिया था। अपने शासनकाल में रोमंस ने यहां कई सारे निर्माण कार्य किए। बाद में फिर मुगल शासकों ने इसे जीता।

दुनिया की सबसे गर्म जगहें

भारत समेत दुनिया के कई देश इन दिनों गर्मी का सामना कर रहे हैं। भारत के कई राज्यों में हीटवेव की चेतावनी जारी की गई है। इसकी वजह से लोगों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। इसी कड़ी में आज हम आपको दुनिया की पांच ऐसी जगहों के बारे में बताएंगे, जहां इतनी भयानक गर्मी पड़ती है कि लोगों की जान भी जा सकती है। यह जगहें इतनी गर्म होती हैं कि यहां पर 10 मिनट में इंसान बीमार पड़ सकता है या कुछ घंटे में ही उसकी मौत हो सकती है।

सहारा रेगिस्तान, अफ्रीका

दुनिया की सबसे गर्म जगहों में अफ्रीका का सहारा रेगिस्तान भी शामिल है। इस जगह का औसत तापमान 35 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। पूरे साल यहां 100 मिलिमीटर से भी कम बारिश होती है, जो न के बराबर है। सहारा रेगिस्तान में अधिकतम तापमान 58 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है, जबकि सतह का तापमान 76 डिग्री सेल्यिस रिकॉर्ड किया गया है। सहरा दुनिया का सबसे बड़ा गर्म रेगिस्तान है।

डेथ वैली, कैलिफोर्निया

कैलिफोर्निया की डेथ वैली दुनिया की सबसे अधिक गर्म जगहों में से एक है। 10 जुलाई 1913 में यहां पर अधिकतम तापमान का रिकॉर्ड बना था। उस समय डेथ वैली के फरनेस क्रीक नामक स्थान पर अधिकतम तापमान 56.7 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ था। फिलहाल यहां पर 37 से 40 डिग्री के बीच तापमान दर्ज किया जाता है। यहां पर गर्मी की कई वजहें हैं जिनमें सूरज की गर्मी, घाटी में गर्म हवाओं का बाहर नहीं जा पाना और फंसकर घूमता रहना है। इसके साथ ही आसपास रेगिस्तान मौजूद हैं, जहां से गर्म हवाएं आती हैं। यहां के जलीय स्रोतों से ह्यूमिडिटी निकलती है, जिनकी वजहों से डेथ वैली में जानलेवा गर्मी पड़ती है।

फ्लेमिंग माउंटेन, चीन

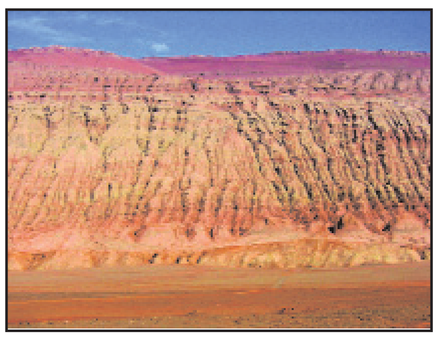

चीन का फ्लेमिंग माउंटेन टकलामाकेन रेगिस्तान के उत्तरी इलाके में स्थित है। शिनजियांग प्रांत के तियान शान में स्थित लाल सैंडस्टोन्स की पहाड़ियों को फ्लेमिंग माउंटेंस या हुओयान माउंटेंस भी कहा जाता है। इस पहाड़ की लंबाई 100 किलोमीटर और चौड़ाई 5 से 10 किलोमीटर है। इस जगह गर्मी के दिनों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। बताया जाता है कि साल 2008 में इस इलाके में 66.8 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड पहुंच था, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं की गई है।

ल अजीजिया, लीबिया

लीबिया के उत्तर-पश्चिम इलाके में स्थित जाफरा जिले में अजीजिया एक छोटा सा कस्बा है। इस इलाके में बहुत अधिक गर्मी पड़ती है। आमतौर पर यहां का उच्चतम तापमान 35 से 40 के बीच रहता है, लेकिन 13 सितंबर 1922 में 58 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया था। लेकिन बाद में विश्व मौसम संगठन ने साल 2012 में इसको गलत बताया था, क्योंकि उस समय तापमान मापने की सुविधा इस इलाके में नहीं थी। हालांकि इस इलाके में गर्मी बहुत अधिक पड़ती है।

सोनोरन रेगिस्तान, अमेरिका

अमेरिका से उत्तरी मेक्सिको तक यह रेगिस्तान फैला है, जहां पर जानलेवा गर्मी पड़ती है। इसके साथ ही यहां कैक्टस के पौधे हैं जो बेहद खतरनाक हैं। यह रेगिस्तान एरिजोना प्रांत में स्थित है जहां कुछ दुर्लभ जगुआर देखने मिलते हैं। यहां का औसत तापमान 46.1 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया जाता है।

60 हजार साल पुरानी बांसुरी है स्लोवेनिया के म्यूजियम में ...

निएंडरथल मानव भी संगीत प्रेमी रहा होगा इसका सबूत है यह हजारों साल पुरानी बांसुरी। चित्र में दिखाई दे रही बांसुरी दुनिया की सबसे पुरानी बांसुरी बताई जाती है। विशेषज्ञों के अनुसार करीब 60 हजार साल पुरानी है ये बांसुरी। इसकी पड़ताल करने के बाद विशेषज्ञों ने पाया है कि इसे निएंडरथल मानव ने युवा भालू की जांघ की हड्डी से उस काल में बनाया था। इस बांसुरी को स्लोवेनिया के तटीय क्षेत्र के एक छोटे से शहर सेर्कनो की प्राचीन गुफाओं में खोजा गया है और इसमें आजकल की सामान्य बांसुरी की तरह छेद भी हैं। इसमें कुल 4 छेद हैं। विशेषज्ञों ने बारीकी से जांच करने के बाद जो जानकारियां जुटाई हैं, उनमें उन्हें पता चला है कि इसके छिद्रों और इनका आकार-प्रकार पूरी तरह से एक साज को दिमाग में रखकर उस समय के मानव ने बनाया है। मतलब वे संगीत प्रेमी भी थे और निर्माण कौशल भी उनमें था। वर्तमान में 11.4 सेमी की इस बांसुरी के इस अवशेष को स्लोवेनिया के नेशनल म्यूजियम में रखा गया है।

लोग मिलते रहे, इसलिए हैलो किटी की थीम पर बनाया कैफे

कनाहा के बैंकूवर में मशहूर कार्टून हैलो किटी की थीम पर एक कैफे बना हुआ है। यह कैफे दोपहर में खुलता है। लेकिन हैनो किटी के प्रशंसकों की लाइन्स सुबह से ही इस कैफे के बाहर लग जाती हैं। कैफे के मालिक केन लेम चेठक हैंग का कहना है कि कोविह महामारी के बाद लोगों ने मिलना-जुलना काफी हद तक बंद कर दिया था। हम कुछ ऐसा करना चाहता थे कि लोग मिल सके, बैठ सके और बातचीत कर सकें। इसलिए लैम ने हैलो किटी कैफे खोलने का विचार किया। यहां मिलने वाली चाय और केक हैलो किटी की थीम पर आधारित हैं। इसके अलावा आप यहां से हेलो किटी की थीम पर आधारित बेसबॉल और मग भी खरीद सकते हैं।

आराम के लिए बनाए बूथ

कैफे में सबसे ज्यादा आइस्ड मिल्क टी पी जाती है। इसमें चमेली का हल्का स्वाद होता है। कैफे में मशहूर पॉप कल्बर आइकन के इर्द-गिर्द रंग और सजावट की गई है। कैफे की दूसरी मंजिल पर हैलो किटी का सिग्नेचर धनुष रखा हुआ है। यहां खाने के लिए सुंदर बुध बनाए गए हैं, जहां आप आराम भी कर सकते हैं। कैफे के मालिक लेम का कहना है कि हेलो किटी 50 सालों से दोस्ती और दयालुता की राजदूत ही है और यह कैफे उनका जश्न मनाने की शानदार जगह है।

मुगल गार्डन शैली की मिसाल उज्जयंता महल है त्रिपुरा का आकर्षण

त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में स्थित उज्यंता पैलेस करीब 250 एकड़ के क्षेत्र में फैला है। इस महल का निर्माण महाराजा राधा किशोर माणिक ने 1899-1901 के दौरान करवाया था। पूर्व में यह राजसी परिवार का ही निवास स्थान रहा और भारत की आजादी तक यहां राज परिवार ही निवास करता था। वैसे सबसे पहले मूल महल अगरतला से 10 कि.मी की दूरी पर 1862 में महाराज किशन चंद्र ने बनवाया था, जिसे 1897 में आए असम के भूकंप ने भारी नुकसान पहुंचाया। फिर इस महल का नवनिर्माण अगरतला में हुआ। इस महल को ब्रिटिश वास्तुकार द्वारा डिजाइन किया गया था। महल में खूबसूरत टाइल्स लगे हैं। यहां अधिकतर सजावटी काम लकड़ी से किया गया है और दरवाजों पर खूबसूरत हस्तकला की गई है। इस महल को विशाल मुगल गार्डन की शैली में तैयार किया गया है। इंडो-सार्सेनिक और नियो क्लासिकल वास्तु शैली का फ्यूजन यहां देख सकते हैं। इसके अतिरिक्त महल में तीन ऊंचे गुंबद और दुर्लभ संग्रह भी हैं।

यहां होते हैं सांस्कृतिक कार्यक्रम

पैलेस में समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाता है, जहां त्रिपुरा की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े आयोजन अक्सर होते रहते हैं। इनमें डांस, म्यूजिक के शोज के अलावा एक्जीबिशंस, साहित्य महोत्सव खास हैं। इन आयोजनों में स्थानीय कलाकार त्रिपुरा के स्थानीय नृत्यों और गायन का प्रदर्शन करते हैं।

महल का निर्माण

माणिक्य राजवंश के महाराजा राधा किशोर माणिक ने 1899-1901 के दौरान करवाया था। उनका जिक्र आधुनिक त्रिपुरा के वास्तुकारों में से एक के रूप में किया गया है।

ताईवान का रैनबो गांव यहां हर घर पर मिलेगी चित्रकारी

नबो गांव ताईवान का एक खूबसूरत गांव है, जहां की गई पेंटिंग देखने के लिए दूर-दूर से लोग ताईवान आते हैं। कहा जाता है कि इस गांव को कलाकार हुआंग बंग-फू ने यह सुंदर रूप दिया था। वह एक पूर्व सैनिक भी था। उनके गांव को किसी आपात स्थति के कारण भारी नुकसान पहुंचा था, इसलिए उसने अपनी कला से गांव को फिर से संरक्षित करने का निर्णय लिया! इन घरों पर पेड़-पौधों, पशु-पक्षियों और मानव आकृतियों को इस कलाकार ने सुंदरता से उकेरा है। 1924 में जन्मे हुआंग यंग-फू मूल रूप से हांग कांग के हैं और आर्मी में भी रहे हैं। 1200 घरों पर कलाकार ने अपनी पेंटिंग की प्रतिभा प्रदर्शित की है।

चीन के फैसले से एशियाई शेयर चढ़े

मूडीज के कदम से अमेरिका में चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। ट्रंप के व्यापार युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जहां चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था मजबूत करने के लिए ब्याज दरों में कटौती की। वहीं अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग घटने से निवशकों में चिंता देखने को मिली।

चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए ब्याज दरों में कटौती की, जिससे एशियाई शेयरों में उछाल आया। यह कदम चीन ने व्यापार युद्ध से बिगड़ी स्थिति से निपटने के लिए उठाया गया। चीन की कंटेम्पररी एम्परेक्स टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (सीएटीएल), जो दुनिया की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक बैटरी कंपनी है के शेयरों में तेजी आई। हांगकांग में कारोबार के दौरान सीएटीएल के शेयरों में 13 प्रतिशत का उछाल आया। कंपनी ने इस साल दुनिया के सबसे बड़े आईपीओ में लगभग 4.6 अरब डॉलर जुटाए हैं। शंघाई के बाद छोटे शेयर बाजार शेन्जेन में सीएटीएल की शेयरों में दिन की शुरुआत में गिरावट के बाद 0.1 प्रतिशत की बढ़त हुई।

चीन के केंद्रीय बैंक ने सात महीनों में पहली बार प्रमुख ब्याज दरों में कटौती की है। इस कदम का निवेशकों ने स्वागत किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीति के कारण निवेशक दबाव में है, चीन के इस फैसले से वह थोड़ी राहत महसूस कर रहें है। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना ने एक साल के ब्याज दर में कटौती की है। सभी नए रिफ्रेंस रेट के ब्याज और बकाया फ्लोटिंग ब्याज दरों को घटाकर 3.1 प्रतिशत से 3 प्रतिशत कर दिया गया है। साथ ही पांच साल के ब्याज दरों को घटाकर 3.6 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत कर दिया गया है। चीन को चिंता है कि मांग में कमी होने के कारण मंहगाई के बजाए अपस्फीति की स्थिति पैदा हो सकती है। अर्थशास्त्री चीन से ऐसे ही कदम की उम्मीद कर रहे थे। सोमवार को जारी हुए डेटा के अनुसार ट्रंप के व्यापार युद्ध के कारण अर्थव्यवस्था दबाव में है। साथ ही, खुदरा ब्रिकी और फैक्ट्री उत्पादन धीमा हो रहा है और संपत्ति निवेश में गिरावट जारी है। कैपिटल इकोनॉमिक्स की जिचुन हुआंग ने एक रिपोर्ट में कहा कि मंगलवार की कटौती शायद इस साल की आखिरी कटौती नहीं होगी।

मंगलवार की सुबह हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 0.9 प्रतिशत बढ़कर 23,542.46 पर पहुंच गया, जबकि शंघाई कंपोजिट इंडेक्स में 0.1 प्रतिशत का उछाल आया। टोक्यो में, निक्केई 225 0.5 प्रतिशत बढ़कर 37,685.09 पर पहुंच गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.6 प्रतिशत बढ़कर 8,343.30 पर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.1 प्रतिशत बढ़कर 2,606.58 पर पहुंच गया, जबकि ताइवान का ताइएक्स 0.4 प्रतिशत ऊपर रहा।

सोमवार को अमेरिकी शेयर, बॉन्ड और डॉलर के मूल्य में उतार-चढ़ाव दिखा। यह अस्थिरता मूडीस रेंटिंग्स की ओर से अमेरिका पर की गई टिप्पणी के कारण आई। मूडीज ने कहा है कि अमेरिकी सरकार अब शीर्ष-स्तरीय एएए रेटिंग की हकदार नहीं है।

सेंसेक्स 800 से अधिक अंक टूटा, निफ्टी 24,689 के स्तर पर

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 20 मई को सेंसेक्स में 800 अंक से अधिक की गिरावट आई है, ये 81,215 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी 256 अंक लुढ़का है, ये 24,689 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 20 मई को सेंसेक्स में 800 अंक से अधिक की गिरावट आई है, ये 81,215 के

स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी भी 256 अंक लुढ़का है, ये 24,689 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में तेजी है। टाटा स्टील, इंफोसिस और टेक महिंद्रा 1त्न ऊपर हैं। पावर ग्रीड, और रिलायंस का शेयर 1 प्रतिशत गिरा है। एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई करीब 200 अंक चढ़कर 37,700 पर और कोरिया का कोस्पी करीब 10 अंक ऊपर 2,610 पर कारोबार कर रहा है। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स करीब 300 अंक ऊपर है, 23,630 पर कारोबार कर रहा है। चीन का शंघाई कंपोजिट 13 अंक चढ़कर 3,380 पर है। 19 मई को अमेरिका का डाउ जोन्स 137 अंक चढ़कर 42,792 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट और फ्लैट 19,215 और 5,963 बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन आज यानी सोमवार, 19 मई को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 271 अंक नीचे 82,059 पर बंद हुआ। निफ्टी में 74 अंक की गिरावट रही, ये 24,945 पर बंद हुआ।

भारत-यूएस ट्रेड डील को लेकर आया ये बड़ा अपडेट

पीयूष गोयल की अमेरिकी मंत्री से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर वार्ता तेज हो गई है। इसी क्रम में केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वॉशिंगटन में अपने अमेरिकी समकक्ष हावर्ड लुटनिक से मुलाकात की और समझौते के पहले चरण को शीघ्र अंतिम रूप देने पर चर्चा की।

गोयल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के पहले चरण में तेजी लाने की दिशा में मंत्री हावर्ड लुटनिक के साथ सार्थक चर्चा हुई।
यह उच्चस्तरीय बैठक 22 मई तक चलेगी, जिसमें दोनों देशों के मुख्य वार्ताकार वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था के तहत 'शीघ्र पारस्परिक लाभ' सुनिश्चित करने के प्रयासों पर विचार करेंगे। लक्ष्य है कि शरद ऋतु (सितंबर-अक्टूबर) तक पहले चरण का समझौता पूरा कर लिया जाए।
अमेरिका ने भारत पर लगाए गए 26त्न अतिरिक्त शुल्क को अस्थायी रूप से 9 जुलाई तक निलंबित किया है। यह शुल्क इस्पात, एल्युमीनियम और ऑटो पार्ट्स जैसे उत्पादों पर लागू है। भारत और अमेरिका 90 दिनों की शुल्क विराम अवधि का लाभ उठाकर वार्ता को आगे बढ़ाना चाहते हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथे वर्ष भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों के बीच व्यापार 131.84 अरब डॉलर तक पहुंचा। भारत को अमेरिका के साथ 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर का व्यापार अधिशेष रहा, जो 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर और 2022-23 में 27.7 अरब डॉलर था। अमेरिका ने इस बढ़ते व्यापार घाटे को लेकर चिंता व्यक्त की है।

एपल ने फिर दिखाया भारत पर भरोसा

झोंका अरबों का निवेश, ट्रंप की चेतावनी का नहीं हुआ असर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत में आईफोन उत्पादन पर आपत्ति जताने के बावजूद, एपल के सीईओ टिम कुक ने अपनी रणनीति में कोई बदलाव नहीं किया है। कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग साझेदार फॉक्सकॉन और होन हाई प्रिसिजन इंडस्ट्री, जिसे फॉक्सकॉन के नाम से जाना जाता है) ने भारत में बड़े पैमाने पर निवेश की घोषणा की है।

पिछले पांच दिनों में फॉक्सकॉन ने 1.48 अरब डॉलर (करीब 12,800 करोड़) का निवेश किया है, जबकि होन हाई ने भारत में 1.5 अरब डॉलर (12,500 करोड़ से अधिक) के निवेश की पुष्टि की है। दोनों कंपनियों ने यह जानकारी अपनी स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में दी है।

फॉक्सकॉन ने यह निवेश अपनी सिंगापुर यूनिट के जरिए तमिलनाडु स्थित युजान टेक्नोलॉजी (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड में किया है। 14 मई से 19 मई के बीच किया गया यह निवेश एपल की भारत में आईफोन उत्पादन बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा है।

दूसरी ओर, होन हाई ने अपने ताइवानी निवेशकों को सूचित किया है कि वह चीन से प्रोडक्शन शिफ्ट कर भारत में निर्माण बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। टिम कुक ने हाल में कहा कि जून तिमाही से अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन भारत में बने होंगे। चीन, जहां अब व्यापार और शुल्क को लेकर अनिश्चितता है, वहां अब मुख्य रूप से अन्य बाजारों के लिए निर्माण होगा। भारत में फॉक्सकॉन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेगाट्रॉन जैसे बड़े मैन्युफैक्चरिंग प्लेयर एपल के लिए काम कर रहे हैं। टाटा ग्रुप ने हाल ही में विस्ट्रॉन इंडिया का अधिग्रहण किया है और पेगाट्रॉन के भारतीय ऑपरेशंस को भी संभाल रहा है।

म्यूचुअल फंड उद्योग ने छुआ नया शिखर, एयूएम 65.74 लाख करोड़ और एसआईपी निवेश में 45 प्रतिशत की छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी। 2024-25 में म्यूचुअल फंड उद्योग का एयूएम 23त्न बढ़कर 65.74 लाख करोड़ रुपये पहुंचा। मजबूत निवेश प्रवाह और बाजार वृद्धि के चलते यह रिकॉर्ड बना। एसआईपी निवेश में भी 45त्न उछाल आया, जिससे इसकी परिसंपत्तियां 13.35 लाख करोड़ और हिस्सेदारी 20.31त्न हो गई। म्यूचुअल फंड उद्योग की संपत्तियों (एयूएम) का आकार 2024-25 में सालाना आधार पर 23 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 65.74 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। 2023-24 में एयूएम 53.40 लाख करोड़ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक, इक्विटी एवं डेट बाजारों में तेजी के बीच शुद्ध 8.15 लाख करोड़ के मजबूत प्रवाह और निवेश के बाजार मूल्य (एमटीएम) में वृद्धि से होने वाले लाभ के कारण एयूएम बढ़ा है।

संपत्ति आधार में तेज उछाल निवेशकों और म्यूचुअल फंड कंपनियों की बढ़ती संख्या में भी देखने को मिला है। इस अवधि में म्यूचुअल फंड फोलियो की संख्या रिकॉर्ड 23.45 करोड़ पहुंच गई और निवेशक आधार भी करीब 5.67 करोड़ हो गया।

हजारों खाताधारकों को तगड़ा झटका

आरबीआई की सख्ती से बंद हुआ ये बैंक, ग्राहकों के पैसे फंसे

लखनऊ, एजेंसी। लखनऊ के हजारों खाताधारकों के लिए सोमवार की शाम एक चौंकाने वाली खबर लेकर आई। भारतीय रिजर्व बैंक ने एचसीबीएल को-ऑपरेटिव बैंक का लाइसेंस रद्द कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने यह सख्त कदम बैंक की खराब वित्तीय हालत और भविष्य की संभावनाओं के अभाव को देखते हुए उठाया है।

आरबीआई के मुताबिक, बैंक के पास न तो पर्याप्त पूंजी है और न ही मुनाफा कमाने की कोई ठोस संभावना। बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 के तहत जरूरी शर्तों को पूरा करने में विफल रहने के कारण इस पर रोक लगाई गई है। रिजर्व बैंक ने साफ कहा है कि एचसीबीएल का संचालन आगे जारी रखना ग्राहकों और जमाकर्ताओं के हित में नहीं है।

लाइसेंस रद्द होने के साथ ही बैंक का सारा कामकाज ठप कर दिया गया है। अब ग्राहक न तो अपने खातों में पैसे जमा कर सकेंगे और न ही निकासी कर पाएंगे। हालांकि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड क्रेडिट गारंटी कॉरपोरेशन के तहत 5 लाख रुपये तक की राशि बीमा कवर में सुरक्षित है।

बैंक के आंकड़ों के अनुसार, लगभग 98.69त्न खाताधारक अपनी पूरी जमा राशि प्राप्त करने के योग्य हैं। 31 जनवरी 2025 तक छ्वढ्ढष्टत्नष्ट पहले ही 21.24 करोड़ की बीमित राशि का भुगतान कर चुका है। आरबीआई ने उत्तर प्रदेश के को-ऑपरेटिव कमिश्नर और रजिस्ट्रार को निर्देश दिया है कि बैंक को पूरी तरह बंद कर दिया जाए और एक लिक्विडेटर (परिसमापक) नियुक्त किया जाए, जो बैंक की संपत्तियों और दायित्वों को निपटाएगा। यह पहली बार नहीं है जब आरबीआई ने किसी सहकारी बैंक पर कार्रवाई की हो। अप्रैल 2025 में भी अहमदाबाद के कलर मर्चेंट्स को-ऑपरेटिव बैंक, औरंगाबाद के अजंता अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक और जालंधर के इंपीरियल अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के लाइसेंस रद्द किए गए थे।

शेयर बाजार में गिरावट के बीच छोटू शेयर ने मचाया धमाल, लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। गिरते बाजार में जब बड़ी-बड़ी कंपनियों के शेयर फिसल रहे हैं, तब एक पेनी स्टॉक ने सभी को चौंका दिया है। कैसर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के शेयरों में मंगलवार को जबरदस्त तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर 5त्न के अपर सर्किट तक पहुंच गए। निवेशकों के चेहरे खिल उठे, क्योंकि यह उछाल एक अहम कारोबारी समझौते के बाद आया है, जिससे कंपनी को करोड़ों की आय होने की उम्मीद है। कंपनी का स्टॉक 6.60 रुपए पर खुला और कुछ ही समय में 5त्न के अपर सर्किट को छू गया। सोमवार को यह शेयर 6.33 रुपए पर बंद हुआ था। कैसर की सहायक कंपनी ज़िकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड ने वार्डविज़ार्ड इनोवेशन एंड मोबिलिटी लिमिटेड के साथ एक मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर साइन किया है। वार्डविज़ार्ड भारत की अग्रणी इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनियों में से एक है। इस साझेदारी के तहत ज़िकॉन इंटरनेशनल वर्ष 2025-26 और 2026-27 में वार्डविज़ार्ड से कुल 7,500 इलेक्ट्रिक स्कूटर किराए पर लेगी।

अमेरिकी सीनेट से स्टेबलक्वाइन को नियंत्रित करने वाले कानून को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टेबलकॉइन एक तरह की डिजिटल करेंसी होती है, जिसकी कीमत डॉलर या सोने जैसी असली संपत्तियों से जुड़ी होती है। इससे इसकी कीमत स्थिर रहती है, और यह व्यापारिक लेनदेन के लिए ज्यादा भरोसेमंद मानी जाती है। इस कानून का मकसद स्टेबलकॉइन जारी करने वाले कंपनियों के लिए एक सुस्पष्ट और मजबूत नियम बनाना है। अभी तक यह क्षेत्र अलग-अलग राज्य और संघीय कानूनों के हिसाब से चलता था। अमेरिका की सीनेट ने स्टेबलक्वाइन नाम की क्रिप्टोकरेंसी को नियंत्रित करने वाले कानून को आगे बढ़ाने के लिए मंजूरी दे दी है। सोमवार को हुए इस प्रक्रियात्मक मतदान में 66 सीनेटरों ने पक्ष में और 32 ने विरोध में वोट दिया। दो हफ्ते पहले डेमोक्रेट्स ने इसे रोक दिया था, लेकिन अब कुछ बदलावों के बाद उन्होंने समर्थन दिया। स्टेबलक्वाइन एक प्रकार की क्रिप्टोकरेंसी है, जिसकी कीमत अमेरिकी डॉलर या सोने जैसी असली संपत्तियों से जुड़ी होती है। इसका मूल्य आमतौर पर 1 डॉलर के बराबर रहता है, जिससे यह अन्य क्रिप्टोकरेंसी की तुलना में स्थिर और व्यापार में उपयोगी होती है। इस उद्योग की तेजी से बढ़ती लोकप्रियता और जोखिमों को देखते हुए, इसे एक सुसंगत केंद्रीय कानून के तहत लाना जरूरी माना जा रहा है। इस कानून को लेकर विवाद इसलिए भी हुआ क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके परिवार की कई क्रिप्टो परियोजनाओं से सीधा संबंध है। ट्रंप ने हाल ही में एक मेम क्वाइन लॉन्च किया है जिससे 32 करोड़ डॉलर से ज्यादा की कमाई हुई है। उनकी एक पारिवारिक कंपनी वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल ने भी स्ठ1 नाम से एक स्टेबलक्वाइन शुरू किया है, जिसे अब अरब देशों से बड़ा निवेश मिल रहा है।

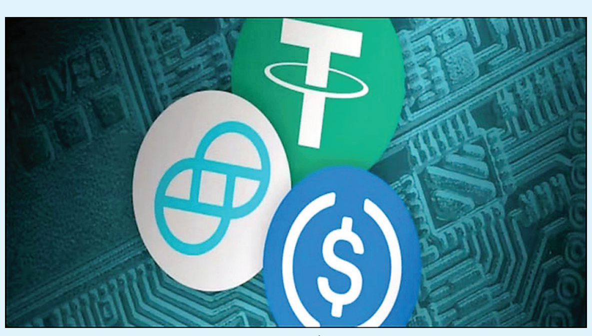

डेमोक्रेट्स की ओर से शुरुआत में कड़ा विरोध था। सीनेटर एलिजाबेथ वॉरेन ने कहा, यह कानून ट्रंप की भ्रष्ट क्रिप्टो गतिविधियों को बढ़ावा देगा। हालांकि, कानून में कुछ सख्त प्रावधान जैसे-विदेशी कंपनियों पर कड़ी निगरानी, मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों को स्टेबलक्वाइन जारी करने से रोकना, और सांसदों को क्रिप्टो जारी करने से रोकने जैसे नियमों को जोड़ने के बाद कुछ डेमोक्रेट्स ने समर्थन दिया।

अब सीनेट इस बिल पर अंतिम बहस और वोटिंग करेगी, जो इस सप्ताह हो सकती है। अगर यह कानून पारित होता है, तो अमेरिका में स्टेबलक्वाइन उद्योग को एक मजबूत और पारदर्शी कानूनी ढांचा मिलेगा, जिससे उपभोक्ताओं की सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा मिलेगा। सीनेटर मार्क वॉर्नर ने कहा, स्टेबलक्वाइन का बाजार अब 250 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है। अमेरिका अब और देर नहीं कर सकता। हमें उपभोक्ताओं की सुरक्षा, राष्ट्रीय हित और जिम्मेदार नवाचार के लिए स्पष्ट नियम चाहिए। यह कानून क्रिप्टो उद्योग और अमेरिकी राजनीति दोनों के लिए बेहद अहम मोड़ साबित हो सकता है।

एसबीआई ने एफडी पर ब्याज 0.20 प्रतिशत घटाया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने सभी अवधि के लिए सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरों में 0.20 फीसदी की कटौती की है। नई दरें 16 मई से लागू हो गईं। तीन करोड़ रुपये से कम राशि की घरेलू जमा पर ब्याज दरों में कटौती सामान्य व वरिष्ठ नागरिकों दोनों के लिए है। दो से तीन वर्ष से कम अवधि की एफडी पर अधिकतम 6.7 फीसदी ब्याज मिलेगा। तीन से पांच साल से कम समय वाली जमा पर 6.55 फीसदी ब्याज मिल रहा है। पांच से 10 साल की एफडी पर 6.30 फीसदी ब्याज मिलेगा।

जेम पोर्टल पर विदेशी विक्रेताओं से खरीद की जल्द मिलेगी सुविधा

सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए सार्वजनिक खरीद पोर्टल पर जल्द ही दर अनुबंध और वैश्विक निविदा सुविधाओं को जोड़ने पर काम कर रहा है। वैश्विक निविदा सुविधाओं के शुरू होने के बाद अंतरराष्ट्रीय आपूर्तिकर्ताओं या विदेशी विक्रेताओं से भी खरीद-बिक्री संभव हो सकेगी। इसी तरह, दर अनुबंध के तहत सरकारी खरीदार एक तय अवधि में पूर्व निश्चित कीमतों पर उत्पाद और सेवाएं खरीद सकेंगे। ऐसे में बार-बार बोली लगाने की जरूरत कम हो जाएगी। फिलहाल ये सुविधाएं जेम पोर्टल पर नहीं हैं। जेम के सीईओ मिहिर कुमार ने कहा, हम पोर्टल को और व्यापक बनाने के तरीकों पर विचार कर रहे हैं।उन्होंने बताया, जेम ने अब तक 10 लाख से अधिक छोटे उद्योगों, 1.3 लाख से ज्यादा कारीगरों, 1.84 लाख महिला उद्यमियों और 31,000 स्टार्टअप को अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा है।

अदाणी समूह की कंपनी अब भारतीय नौसेना के लिए एंटी-सबमरीन वारफेयर सिस्टम (एएसडब्ल्यू) बनाएगी। डिफेंस क्षेत्र में काम करने वाली अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने अमेरिका कंपनी स्पार्टन के साथ एक समझौता किया है।इस समझौते का मकसद आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत देश में सोनोबॉय और अन्य एएसडब्ल्यू प्रणालियों के संयोजन को स्थानीय बनाना है। अदाणी इंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष जीत अदाणी ने कहा, यह भारतीय नौसेना को स्वदेशी सोनोबॉय समाधान देने वाली भारत की पहली निजी कंपनी होगी।

व्यापार उपचार महानिदेशालय ने घरेलू उद्योग को बचाने के लिएयूरोपीय संघ (ईयू) से फफूंदनाशक 'थिरम' के आयात पर 733 डॉलर प्रति टन का डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। स्वरूप केमिकल्स प्राइवेट लि.ने जांच शुरू करने के लिए आवेदन किया था। लापरवाही से वाहन चलाने का आलम यह है कि पिछले साल देशभर में आठ करोड़ चालान काटे गए। इस अवधि में करीब 12,000 करोड़ रुपये का यातायात जुर्माना लगाया गया लेकिन लोगों ने इसमें से 9,000 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया। एक रिपोर्ट के मुताबिक, गुरुग्राम में रोजाना लगभग 4,500 चालान हुए, जबकि नोएडा में केवल हेलमेट न लगाने पर ही एक महीने में तीन लाख रुपये से अधिक के चालान कटे। कार्स24 की रिपोर्ट में बताया गया है कि सख्त नियमों के बावजूद कानून लागू करना कठिन हो रहा है। लोग नियम-कायदों के प्रति गंभीरता नहीं दिखा रहे। रिपोर्ट के मुताबिक, 12,000 करोड़ रुपये का जुर्माना सिर्फ एक आंकड़ा नहीं है बल्कि यह दर्शाता है कि देशभर में कितनी बार और कितनी आसानी से यातायात नियमों का उल्लंघन किया जाता है। 1,000 लोगों से बातचीत पर आधारित ई-चालान रिपोर्ट ने यह मिथक भी तोड़ दिया है कि लापरवाही बरतने में बड़े और छोटे वाहन होने से कोई फर्क पड़ता है अथवा कोई शहर या आय समूह मायने रखता है

बैंककर्मी की संदेहास्पद मौत, फैली सनसनी

बाथरूम से बैंककर्मी की लाश बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोडरमा। झारखंड के कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र से एक दुखद और संदेहास्पद घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, आईसीआईसीआई बैंक के पास स्थित 'दादीजी अपार्टमेंट' के सामने एक मकान में किराये पर रह रहे विकास कुमार का शव उनके बाथरूम से बरामद किया गया। विकास कुमार भारतीय स्टेट बैंक की चंदवारा शाखा में अकाउंटेंट के पद पर कार्यरत थे। वह अपने परिवार पत्नी और एक पुत्री के साथ उक्त मकान में रहते थे। घटना के समय उनकी पत्नी और बेटी घर पर मौजूद नहीं थीं।

विकास कुमार का शव संदिग्ध परिस्थिति में मिलने के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी। बाथरूम में शव मिलने के कारण यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह मामला आत्महत्या का है, कोई दुर्घटना है, या फिर इसके पीछे किसी आपराधिक साजिश की आशंका है।

पुलिस ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। फोरेंसिक टीम को भी घटनास्थल पर बुलाया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अधिकारी कहते हैं कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद ही मौत के कारणों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

डायन के आरोप में अपहरण कर दो महिलाओं की हत्या कर दफनाया

छह दिनों बाद पुलिस ने कब्र से निकाली लाश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुसाबनी। झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत मुसाबनी थाना क्षेत्र के पारूलिया पंचायत के श्रीमतडीह गांव में अंधविश्वास में दो महिलाओं की गला दबाकर निर्मम तरीके से हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज मामला सोमवार को प्रकाश आया। जब कब्र खोदकर पुलिस ने दोनों महिलाओं के शव को बरामद किया। बताया जा रहा की डायन के संदेह में दो महिलाओं की हत्या की गई। पुलिस ने 6 दिन पहले घटित इस घटना का कांड दर्ज होने के 24 घंटे बाद उद्भेदन किया। पांच आरोपियों को गिरफ्तार भी किया गया। आरोपियों ने दोनों महिलाओं के शव को गांव के पास जंगल में ही दफना दिया था। जिसे पुलिस ने बाद में खुदवाकर निकाला।

लापता महिला के पुत्र कानू पूर्ति ने सोमवार को मुसाबनी थाना में मां के लापता होने का आवेदन दिया। मुसाबनी थाना में दिए गए आवेदन में उनकी मां पंगेला पूर्ती (48) व गांव की एक

अन्य महिला चोको बोदरा (45) को 14 मई को अपहरण कर हत्या करने की बात कही गई थी। मुसाबनी पुलिस ने मुसाबनी थाना में कांड संख्या 29/2025, 19मई को धारा-140 (1) बीएनएस के तहत अज्ञात पर मामला दर्ज कर पड़ताल शुरू की।

मुसाबनी थाना प्रभारी अनुज कुमार सिंह व अन्य अधिकारियों ने मुसाबनी डीएसपी संदीप भगत, इंस्पेक्टर संजय जनक मूर्ति के निर्देशन में अनुसंधान शुरू किया।

इस क्रम में गांव के कुछ लोगों को पूछताछ के लिए थाना लाया गया। पुलिस की कड़ाई में आरोपितों ने डायन के आरोप में 14 मई को गांव में ही दोनों महिला का हत्या कर गांव के पास के जंगल में गड्ढा खोदकर शव को गाड़ने की बात स्वीकार किया।

इस सनसनीखेज घटना को अंजाम देने में पांच लोगों शामिल है। जिनमें सांडिर पूर्ति, मांगू हांसदा, डिब्रू हांसदा, सोमा बोदरा व चोरका बोदरा को पुलिस से गिरफ्तार किया। पुलिस ने सोमवार की रात ही लगातार गांव में छापेमारी कर इन पांचों आरोपितों को गिरफ्तार किया।

इनके निशानदेही पर दोनों महिलाओं के दफनाए गए शव को कब्र से निकाले जाने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी मुसाबनी अंचल अधिकारी हृषिकेश मरांडी की उपस्थिति में वीडियोग्राफी कर दफनाए गए दोनों महिला के शव को कब्र से खोदकर बाहर निकाला गया। जिन्हें पोस्टमार्टम के लिए जमशेदपुर एमजीएम भेजा गया।

विभाग ने उपभोक्ता को भेजा एक लाख का बिजली बिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटमदा। कमलपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में बिजली उपभोक्ता रथु कुंभकार को बिजली विभाग द्वारा लगभग 16704 केडब्लूएच बिजली उपयोग करने के कारण एक लाख आठ हजार चार सौ सत्तावन का बिल भेजा है।

उपभोक्ता रथु कुंभकार ने बताया कि वर्ष 2022 में बिजली विभाग द्वारा एलटी लाइन पर मामला दर्ज करते हुए बकाया बिल सहित जुमार्ना भी वसूला था, लेकिन विभाग द्वारा पुनः एक बड़ी राशि बिजली बिल के नाम पर भेजा गया है।

उपभोक्ता के पुत्र बलराम कुंभकार ने बताया कि वर्ष 2022 में मामला दर्ज होने के बाद सभी प्रकार के बिल को जमा करके कोर्ट से बेल भी करवाया गया था। तीन साल बाद विभाग द्वारा एक मुश्त बड़ी राशि बिल के नाम पर भेजा गया है। बिल का भुगतान करना मुश्किल है।

उन्होंने कहा कि विभाग को प्रति

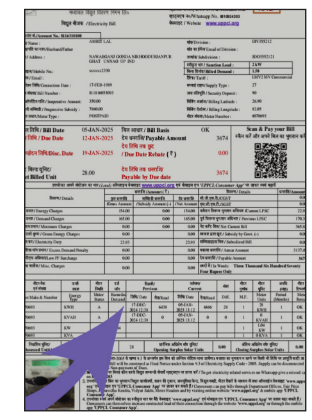

माह बिल भेजना चाहिए था, ताकि एक गरीब परिवार को इस प्रकार का समस्या झेलनी नहीं पड़े।

उन्होंने विभाग से बिल में सुधार कर नियमित बिल भेजने की मांग की है। विभाग के बिल वितरण करने वाले कर्मी पर लापरवाही का आरोप लगाया है। विभागीय जेई ने बताया कि बिल की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अफीम की खेती के विनष्टीकरण को ले आयुक्त ने की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिला स्तरीय (एनसीओआरडी) समिति की बैठक आयोजित की गई।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने वर्तमान में अवैध अफीम की खेती की विनष्टीकरण की जानकारी लेते हुए संबंधित अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी मादक पदार्थ की बिक्री, सेवन, तस्करी व उपयोग पर सजगता के साथ लोगों के ऐसे कार्यों में संलिप्तता पर नजर रखें।

जिन क्षेत्र में अफीम की खेती की सूचना मिलती है तो खेती के विनष्टीकरण के साथ-साथ जिनके द्वारा खेती की गई है और जो लोग उसमें संलिप्त हैं, उन्हें चिह्नित करते हुए उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई

करने का निर्देश दिया गया।

मादक पदार्थों की तस्करी एवं इसकी खेती पर नियंत्रण, पहचान और विनष्टीकरण, एनडीपीएस एक्ट के प्रावधान के संबंध में जन-जागरुकता संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया।

थाना प्रभारियों के बैठक से अनुपस्थित रहने एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी नहीं जुड़ने पर नाराजगी व्यक्त किया गया।

उपायुक्त द्वारा सभी थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी सहित सभी पदाधिकारियों को जिला स्तरीय (एनसीओआरडी) समिति की बैठक एवं अन्य किसी भी बैठक में जिला मुख्यालय में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया।

इस बैठक में वन प्रमंडल पदाधिकारी प्रवेश अग्रवाल, अपर समाहर्ता रामा रविदास, पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) संजीव कुमार मिश्रा, प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा अनिल मिंज, प्रखंड विकास पदाधिकारी, थाना प्रभारी उपस्थित थे।

गांवों की ओर सरकार की विशेष नजर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की राशि अधिक खर्च करने की मंशा से राज्य सरकार काम कर रही है और यह आंकड़ों में दिख भी रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्ता संभालने के बाद ग्रामीण क्षेत्रों में फोकस करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया था और इस निर्देश का असर हो रहा है। 2019-20 के बाद से जिला परिषदों के माध्यम से सरकार की राशि खर्च होने का ट्रेंड बढ़ता ही गया। आंकड़े स्पष्ट तौर पर बता रहे हैं कि शुरूआत के दो वर्षों में पूर्व में स्वीकृत योजनाओं को पूर्ण करने में राशि खर्च हुई। लेकिन, बाद के वर्षों में शहरी क्षेत्रों में नई योजनाएं कम होती गईं।

वित्त विभाग के आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2020-21 में जिला परिषदों के बीच 1771 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया था, जबकि निकायों के बीच 1930 करोड़ की राशि आवंटित हुई थी। बाद के वर्षों में शहरी निकायों में खर्च होने वाली राशि कम होती गई। पिछले वित्तीय वर्ष में आंकड़ों में दोगुना से अधिक का अंतर हो चुका था।

प्राथमिकता के तहत चपाकल एवं जलमीनार कराएं दुरूस्त: डीडीसी

पेयजल समस्या एवं उसके निदान हेतु समीक्षा बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू उपायुक्त शशि रंजन के निदेश पर उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद आज पेयजल समस्या एवं उसके निदान हेतु किए जा रहे कार्यो की समीक्षा की। समाहरणालय सभागार में आयोजित बैठक में उप विकास आयुक्त ने चापाकल एवं जलमीनार मरम्मति की अद्यतन स्थिति से अवगत हुए। उन्होंने इससे संबंधित पंचायत स्तर की रिपोर्ट अप्राप्त होने पर कड़ी नाराजगी जताई।

उन्होंने गर्मी के मद्देनजर सभी को गंभीरता से कार्य करने करते हुए चापाकल एवं जलमीनार मरम्मति कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया। उन्होंने अगले तीन दिनों के अंदर पूरी रिपोर्ट संकलित कर प्रस्तुत करने का निदेश दिया, ताकि समस्या का समुचित निराकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के तहत चापाकल एवं जलमीनार की मरम्मति कराना तथा प्राप्त शिकायत एवं उसका निदान से संबंधित डेटा तैयार करना सुनिश्चित करें।

बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता जेशन होरा, सहायक अभियंता, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण एवं जल जीवन मिशन के जिला समन्वयक आदि उपस्थित थे।

मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम को ले प्रशिक्षण शुरू

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार राज्य में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग की रोकथाम को लेकर गंभीरता से काम कर रही है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। यह प्रशिक्षण डोरंडा स्थित शौर्य सभागार में 20 से 23 मई 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को प्रमंडलवार विभाजित किया गया है, जिसमें प्रत्येक दिन अलग-अलग प्रमंडलों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। 20 मई को दक्षिणी छोटानागपुर, 21 मई को उत्तरी छोटानागपुर, 22 मई को संथाल परगना और 23 मई को कोल्हान एवं पलामू प्रमंडल के मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राज्य के हर कोने में निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग के विरुद्ध जागरूकता अभियान सशक्त और प्रभावी ढंग से संचालित हो।कार्यक्रम के पहले दिन विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को मादक पदार्थों की लत के कारण, इसके दुष्परिणाम, संभावित उपचार और संबंधित कानूनी पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। यह बताया गया कि स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान को किस तरह प्रभावशाली बनाया जा सकता है। साथ ही नशे की चपेट में आए युवाओं को पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उपायों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में बताया गया कि राज्य में नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने में स्वयं सहायता समूह , नेहरू युवा केंद्र संगठन और स्थानीय युवा क्लबों की भूमिका अहम है। इन संस्थाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक जागरूकता का संदेश पहुँचाया जा सकता है।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं सदस्यता वृद्धि अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूँटी, तोरपा। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष एवं सदस्यता वृद्धि अभियान के अवसर पर सुन्दारी लैम्पस, प्रखंड तोरपा, में एक दिवसीय सेमिनार एवं जागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सहकारिता की भूमिका को सुदृढ़ करना, अधिक से अधिक ग्रामीणों को सहकारी समितियों से जोड़ना एवं सदस्यता वृद्धि हेतु जागरूक करना था।इस अवसर पर राँची जिला सहकारिता पदाधिकारी, खूँटी के सहायक निबंधक, अनुमंडल अंकेक्षण पदाधिकारी खूँटी, सहकारिता प्रसार पदाधिकारी तोरपा सहित सुन्दारी लैम्पस के कार्यकारिणी सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने सहकारिता आंदोलन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वर्तमान

स्वरूप एवं इसकी भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। साथ ही ग्रामीणों को बताया गया कि कैसे सहकारी संस्थाओं के माध्यम से वे आत्मनिर्भर बन सकते हैं तथा सामाजिक-आर्थिक विकास में भागीदार बन सकते हैं।

इस अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को सहकारिता की महत्ता एवं इसके लाभों की विस्तृत जानकारी दी गई और उन्हें सदस्य बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम की समाप्ति पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

मशरूम उत्पादन से महिलाएं चमका रही अपनी किस्मत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। मिल्की मशरूम के उत्पादन से गोड्डा की 200 से अधिक महिलाओं ने अपनी दशा और दिशा बदल ली है।

तकनीकी प्रशिक्षण के बाद सदर प्रखंड के मोतिया, रंगनियां, बिरनियां, पटवा, गंगटा आदि गांवों की 200 महिलाएं इन दिनों मिल्की मशरूम के उत्पादन में रम गई हैं। इन महिलाओं को गोड्डा में ही बाजार मिल गया है।

मशरूम उत्पादन की लागत 20 रुपये प्रति किलो है। वहीं बाजार में यह 200 से 300 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। सदर प्रखंड के आधा दर्जन गांवों की 200 से अधिक महिलाएं इस कारोबार में शामिल हैं। मशरूम उत्पादन से उनकी प्रति माह आमदनी आठ से दस हजार रुपए हो रही है। गोड्डा में बाजार उपलब्ध होने से मशरूम की खपत भी अधिक हो रही है।

गर्मी में खेती करना बड़ी चुनौती है लेकिन गोड्डा की महिलाएं मिल्की मशरूम का उत्पादन कर मौसम को मात दे रही हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि मशरूम का उत्पादन तो 45 डिग्री तापमान में भी संभव है। मिल्की मशरूम की यहीं खासियत है कि इसे 40 से 45 डिग्री तापमान में भी आसानी से उगाया जा सकता है।

मशरूम 90 प्रतिशत नमी और बंद कमरे के वातावरण में तेजी से विकसित होता है। इसके लिए महिलाओं को ट्रेनिंग के साथ साथ मशरूम उत्पादन के लिए जरूरी सामान भी मुहैया कराया जा रहा है। सदर प्रखंड के मोतिया, डुमरिया, पटवा, रंगनिया, बक्सरा, नयाबाद, गंगटा आदि गांवों की महिलाएं अदाणी फाउंडेशन की ओर से कालांतर में प्रशिक्षण दिया गया।

इससे उनकी सामाजिक और आर्थिक तस्वीर बदली। अदाणी फाउंडेशन की उक्त पहल नारी सशक्तीकरण के साथ गरीबी उन्मूलन का बेहतरीन उदाहरण है। महिलाएं सबसे पहले भूसे को फार्मलीन और दवाओं से उपचारित करती हैं।ि

सरना धर्म कोड बिल पर वर्षों से कुंडली मारे बैठी है भाजपा

कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ खोला मोर्चा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। सरना धर्म कोड के मुद्दे पर कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि कांग्रेस एवं झामुमो पर आरोप लगाने से पहले भाजपा यह बताए कि वह अभी तक सरना धर्म कोड के मामले पर अपनी मंशा साफ क्यों नहीं कर रही है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि भाजपा सरना धर्म कोड के मुद्दे पर गोल-गोल बातें कर-के मुद्दे को सिरे से खारिज करना चाहती है।

आदिवासियों की धार्मिक पहचान को भाजपा शुरू से ही नकारती रही है और इसीलिए भाजपा ने आदिवासियों को वनवासी का नाम दिया है।

रघुवर दास के शासनकाल में कांग्रेस विधायक सुखदेव भगत ने मुख्यमंत्री प्रश्न काल में सरना धर्म कोड लागू करने की मांग की थी, लेकिन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने इससे स्पष्ट इनकार करते हुए कहा था कि सरकार की ऐसी कोई मंशा नहीं है।

लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर उरांव ने सरना धर्म कोड की मांग को सिरे से खारिज कर दिया था। सोनाल ने आरोप लगाया कि भाजपा मुंह में राम बगल में छुरी लेकर चलती है।

अपनी दोहरी बातों से भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा आदिवासी समुदाय को धोखा देने का काम किया है, जिसका नतीजा उन्हें विगत लोकसभा और विधानसभा चुनाव में देखने को मिला। पूरे झारखंड से आदिवासी सीटों से इनका सूपड़ा पूरी तरह से साफ हो गया।

उन्होंने कहा कि पांच वर्षों तक अर्जुन मुंडा केंद्र सरकार में जनजातीय मंत्रालय के मंत्री रहे लेकिन आदिवासियों की प्रमुख मांग सरना धर्म कोड के बारे में कोई कार्रवाई नहीं की।

सच्चाई यह है की साढ़े चार वर्ष पूर्व झारखंड के महागठबंधन सरकार ने सरना धर्म कोड बिल को पारित कर केंद्र सरकार के पास भेजा है, लेकिन आज तक केंद्र सरकार इस पर कुंडली मारे बैठी है और भाजपा अपने आप को आदिवासियों का सच्चा हितैषी घोषित कर रही है।

जिले के 38 पारा शिक्षकों की जायेगी नौकरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

साहिबगंज। जिले के विभिन्न स्कूलों में कार्यरत 38 सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) हटाए जाएंगे। इनलोगों ने प्रयाग महिला विद्यापीठ इलाहाबाद, भारतीय शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश एवं हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद से इंटरमीडिएट की डिग्री ली है। राज्य सरकार इन संस्थानों को फर्जी घोषित कर चुकी है।

वैसे इन संस्थानों से इंटरमीडिएट करने वाले कई सहायक शिक्षकों को पूर्व में हटाया भी जा चुका है। 40 शिक्षक उसके बाद भी कार्यरत थे। इनमें से एक सेवानिवृत हो गए तथा एक के खिलाफ अभी जांच चल रही है। ऐसे में शेष बच गए 38 शिक्षकों का हटना तय है।

इनमें उधवा के नौ, बोरियो व मंडरो के सात-सात, बरहेट के पांच, तालझारी के चार, बरहड़वा व राजमहल के तीन-तीन शिक्षक शामिल हैं। पिछले दिनों राज्य परियोजना निदेशक शशि रंजन ने सभी डीएसई सह अपर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी को इस संबंध में पत्र भेजकर कार्रवाई करने को कहा है।

इसके बाद विभाग एक बार पुनः रेस हो गया है। डीएसई ने सभी बीईईओ को पत्र भेजकर कहा है कि चिह्नित सहायक अध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा गया था जो संतोषजनक नहीं है। ऐसे में विहित प्रक्रिया के तहत निर्णय लेते हुए ऐसे सहायक अध्यापकों को तत्काल प्रभाव से विद्यालय में कार्य न लें एवं मानदेय भुगतान स्थगित करें।

शिक्षकों ने दी उग्र आंदोलन की धमकी

वैसे जानकारों की मानें तो फर्जी संस्थानों से इंटरमीडिएट करने वाले सहायक अध्यापकों की सूची बनाने में भी खेल किया गया है। ठीक से जांच हो तो कुछ और सहायक शिक्षक इस सूची में आएंगे।

इस मामले में शिक्षक कहीं से भी दोषी नहीं है। सरकार कभी मान्यता देती है और कभी वापस ले लेती है। अगर कोई शैक्षिक संस्था चल रही है तो आमलोगों को यह कैसे मालूम होगा कि उक्त संस्था की मान्यता है या नहीं। अगर किसी संस्था को मान्यता नहीं थी तो उसे बंद करा देना चाहिए था। अधिकतर शिक्षक 20 साल पूर्व बहाल हुए थे। उम्र के इस पड़ाव में शिक्षकों को हटाना कहीं से भी उचित नहीं है। हाईकोर्ट का जो निर्णय सहायक अध्यापकों के पक्ष में रहता है उसे सरकार लागू नहीं करती है लेकिन जो विपक्ष में होता है उसे तुरंत लागू कर देती है।

जिला शिक्षा अधीक्षक ने कहा कि संबंधित सहायक अध्यापकों से स्पष्टीकरण मांगा गया था जो संतोषजनक नहीं है। चूंकि इन सहायक अध्यापकों के संबंध में पंचायत प्रशासनिक सह अनुशासनिक प्राधिकार ही निर्णय ले सकता है। ऐसे में प्राधिकार के सचिव सह प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को इस संबंध में निर्णय लेने को कहा गया है।

विभाग के निर्णय से प्रभावित सहायक अध्यापक 21 मई को दुमका में विधायक बसंत सोरेन के आवास का घेराव करेंगे। झारखंड राज्य प्रशिक्षित सहायक अध्यापक संघ के प्रदेश महासचिव विकास कुमार चौधरी ने बताया कि 22 मई से स्कूलों में गर्मी की छुट्टी हो रही है। इस दौरान संबंधित सहायक अध्यापक सत्ता पक्ष के विधायकों व मंत्रियों के आवास के समक्ष आमरण अनशन करेंगे।

तिथि तय करने के लिए जल्द ही संगठन की प्रदेश कमेटी की बैठक होगी। गौरतलब हो कि राज्य में 2002 से 2010 तक पारा शिक्षकों की बहाली हुई थी। बहाली के समय योग्यता मैट्रिक निर्धारित की गई थी। बाद में सभी को इंटर करने को कहा गया। इस दौरान कुछ लोगों ने प्रयाग महिला विद्यापीठ इलाहाबाद, भारतीय शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश एवं हिंदी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद से इंटरमीडिएट की डिग्री ले ली।

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल द्वारा पूर्व में प्रकाशित **ई-निविदा सूचना सं.: ओ/एसी/टी/17 से 22/25-26 (खुली), दिनांक 14.05.2025** के संबंध में शुद्धिपत्र। **(1) निविदा केस सं. ओ-एसी-टी-19-25-26 के कार्य का नाम** "आसनसोल मंडल के अधिकार क्षेत्र में ठेकेदार के निजी पोर्टल (2 अदद) का उपयोग करते हुए अन्य सहायक कार्यों के साथ 15.800 टीकेएम सीटीआर (पी) के लिए खुली निविदा" के स्थान पर **"आसनसोल मंडल के अधिकार क्षेत्र में अन्य सहायक कार्य के साथ ठेकेदार के निजी पीक्यूआरएस मशीन सेट द्वारा सीटीआर (पी) 15.800 टीकेएम के लिए खुली निविदा"** पढ़ा जाना चाहिए। (2) **निविदा केस सं. ओ-एसी-टी-20-25-26 के निविदा का मूल्य** रु.2,60,86,038.63 के स्थान पर रु. 2,60,95,586.53 पढ़ा जाना चाहिए। इसी अनुसार, **निविदा केस सं. ओ-एसी-टी-20-25-26 की बयाना राशि** रु.2,80,400/- के स्थान पर रु.2,80,500/- पढ़ी जानी चाहिए। अन्य नियम व शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

ASN-512025-26

निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पंत पर चोपड़ा का बड़ा बयान, टी20 टीम में जगह बनाने के लिए गंवा दिया महत्वपूर्ण अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना ??है कि ऋषभ पंत को टी20 क्रिकेट में अपने दृष्टिकोण का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने आईपीएल के दुःस्वप्न सत्र में भारत के टी20 सेट-अप में जगह बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर गंवा दिया। भारत की टी20 टीम में नियमित रूप से शामिल नहीं होने वाले पंत से इस सत्र में अपनी छाप छोड़ने की उम्मीद थी। हालांकि लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ने 27 करोड़ रुपए की भारी भरकम कीमत में खरीदे जाने के बाद 12 मैचों में केवल 135 रन बनाए। एलएसजी सोमवार रात सनराइजर्स हैदराबाद से हार के बाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई। चोपड़ा ने कहा, सफलता आपको कुछ चीजें सिखा सकती है। हालांकि असफलताएं वास्तव में आपकी मानसिकता को बदल देती हैं और अक्सर अच्छे के लिए। वह भारतीय टी20 टीम में नियमित नहीं है, इसलिए यह सीजन महत्वपूर्ण था। अपनी छाप छोड़ने और एक मजबूत इकाई बनाने का मौका। यह उस तरह नहीं हुआ। उनका खुद का फॉर्म असंगत रहा है, अपने आप में एक और सबक। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, क्या वह टी20 में इसी दृष्टिकोण पर टिके रहते हैं या अनुकूलन करते हैं? जब आप खराब दौर से गुजरते हैं, तो ऐसा लगता है कि कुछ भी काम नहीं करता। रातें लंबी लगती हैं, दिन और भी लंबे। तब आप सीखते हैं और वापसी करते हैं। यह एक बुरा सपना रहा है। बुरे सपनों के बारे में अच्छी बात यह है कि आप अंततः जाग जाते हैं। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज वरुण आरोन ने चोपड़ा के विचार को दोहराते हुए कहा कि पंत अनिश्चित दिखे और उन्हें फॉर्म हासिल करने के लिए अपने दृष्टिकोण पर फिर से विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, एलएसजी उन पर निर्भर थी, खासकर मध्य क्रम में। मार्श को छोड़कर, कोई भी वास्तव में रन नहीं बना सका। पंत शुरू से ही अनिश्चित दिखे और इस सीजन में कभी भी वास्तव में नहीं चल पाए। यह खिलाड़ी के खराब फॉर्म का संकेत है।

एलएसजी-एसआरएच

हर्षल पटेल ने बुमराह-मलिंगा को भी छोड़ा पीछे, 150 विकेट चटकाकर बनाया ये खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) का 61वां मैच आज सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ के बीच खेला गया. इस मैच में हैदराबाद ने लखनऊ को 6 विकेट से मात दी और लखनऊ की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदों को भी चकनाचूर कर दिया. इस मैच में एसआरएच के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल ने आईपीएल इतिहास में सबसे तेज़ 150 विकेट लेने वाले गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. उन्होंने इस उपलब्धि के साथ लसिथ मलिंगा को पीछे छोड़ दिया है. हर्षल पटेल ने यह उपलब्धि मैच के 16वें ओवर में हासिल की, जब उन्होंने एडन मार्करम को 61 (38 गेंदों) पर क्लीन बोल्ड किया. इस विकेट के साथ उन्होंने आईपीएल में 2381 गेंदों में 150 विकेट पूरे किए. उन्होंने लसिथ मलिंगा (2444 गेंदें) और युजवेंद्र चहल (2543 गेंदें) जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ते हुए रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया. हर्षल इस सीजन में अब तक 11 पारियों में 15 विकेट लेकर संयुक्त रूप से 5वें सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं. उनका औसत 24.26 है और उन्होंने दो बार चार विकेट लिए हैं.

150 आईपीएल विकेट सबसे कम गेंदों में

1. 2381 गेंदें - हर्षल पटेल
2. 2444 गेंदें - लसिथ मलिंगा
3. 2543 गेंदें - युजवेंद्र चहल
4.2656 गेंदें - ड्वेन ब्रावो
5. 2832 गेंदें - जसप्रीत बुमराह

बता दें कि हर्षल पटेल दो बार पर्पल कैप जीत चुके हैं. 2021 में आरसीबी के लिए खेलते हुए 32 विकेट लिए और 2024 में पीबीकेएस के लिए उन्होंने 24 विकेट लिए थे.

आईपीएल 2025 का 63वां मैच फाइनल से नहीं होगा कम

दिल्ली-मुंबई के बीच महामुकाबला आज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग(आईपीएल) 2025 का 63वां मैच किसी फाइनल से कम नहीं होने वाला है। इस मैच का परिणाम तय करेगा कि कौन सी टीम प्लेऑफ की रेस में आगे जाएगी। दरअसल, आईपीएल 2025 में आरसीबी, गुजरात टाइटंस और पंजाब किंग्स पहले ही प्लेऑफ की रेस पार कर चुकी हैं। चौथी टीम कौन सी होगी, इसका फैसला अभी तक नहीं हो पाया है। चौथी टीम बनने के लिए बुधवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच महामुकाबला होना है। इस मैच में अगर दिल्ली कैपिटल्स मुंबई को घर पर हरा देती है, तो उसकी उम्मीद प्लेऑफ में जाने की बरकरार रहेगी। लेकिन, अगर मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स पर जीत हासिल की, तो दिल्ली कैपिटल्स का प्लेऑफ में जाने का सपना टूट जाएगा। आईपीएल 2025 में दिल्ली कैपिटल्स ने 12 मैचों में 6 जीत के साथ 13 अंक अर्जित किए हैं। उसे प्लेऑफ में जाने के लिए बाकी दोनों मैचों में जीत हासिल करनी होगी। वहीं, मुंबई इंडियंस के पास 12 मैचों में 14 अंक हैं। अगर मुंबई दिल्ली के सामने मैच हार भी जाती है, तो उसके पास 16 अंकों तक पहुंचने के लिए एक और मौका होगा। लेकिन, दिल्ली को हर हाल में मुंबई के सामने जीत चाहिए होगी। दिल्ली जहां मुंबई के सामने हर हाल में जीत सुनिश्चित करना चाहेगी, वहीं मुंबई अपने बाकी दोनों मैचों को जीतकर अच्छे नेट रन रेट की मदद से टूर्नामेंट में खुद को टॉप-2 में खत्म करना चाहेगी। आईपीएल में इस सीजन में लखनऊ सुपर जायंट्स, सनराइजर्स हैदराबाद, कोलकाता नाइट राइडर्स, राजस्थान रॉयल्स और चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी हैं। गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स प्लेऑफ में जाने वाली पहली तीन टीम बनी हैं।

बता दें कि मुंबई इंडियंस के लिए पूर्व कप्तान रोहित शर्मा, कप्तान हार्दिक पांड्या और सूर्यकुमार यादव पर मुंबई फैंस की नजर रहने वाली है। क्योंकि, इन तीनों खिलाड़ियों पर मुंबई इंडियंस की टीम काफी हद तक निर्भर रहती है। सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड भी वानखेड़े में काफी अच्छा है। वानखेड़े में एक हाई स्कोरिंग मैच की उम्मीद की जा रही है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल, कप्तान अक्षर पटेल और कुलदीप यादव के प्रदर्शन पर दिल्ली के फैंस की उम्मीदें होंगी।

उदयपुर डिविजन चेंबर ऑफ कॉमर्स का क्रिकेट महाकुंभ 24 मई से

52 टीमों के बीच होगा मुकाबला, क्रिकेटर अजय जडेजा करेंगे शुभारंभ

उदयपुर, एजेंसी। चेंबर ऑफ़ कॉमर्स उदयपुर डिवीजन द्वारा पहली बार शहर में एक भव्य रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 24 मई से 31 मई 2024 तक फील्ड क्लब मैदान पर होगा, जिसमें उदयपुर के विभिन्न व्यापारिक एसोसिएशनों की 52 टीमें भाग लेंगी। इस ऐतिहासिक आयोजन का शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अजय जाडेजा, चितौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा किया जाएगा।

चेंबर अध्यक्ष पारस सिंघवी ने बताया कि उदयपुर में पहली बार चैंबर में रजिस्टर विभिन्न व्यापारिक संगठनों की सामूहिक क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन हेतु सर्वसम्मति से संजय भंडारी को संयोजक नियुक्त किया है। सिंघवी ने बताया कि प्रतियोगिता 24 मई से प्रारंभ होकर 31 मई तक आयोजित की जाएगी। इस आयोजन के लिए गठित कोर कमेटी में पारस सिंघवी, राजमल जैन, हिम्मत बडाला, संजय भंडारी, अशोक काबरा, कैलाश सोनी, देवनारायण धायभाई, राकेश जैन, हरीश चावला, अजय पोरवाल, भंवरलाल सुहालका, बृजलाल सोनी, हिमांशु गुप्ता, जगदीश मेनारिया, नितिन सेठ मनोज जैन, जयेश चंपावत को सम्मिलित किया गया है। अजय जाडेजा, सी पी जोशी, राजपरिवार सदस्य लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ करेंगे शुभारंभ। क्रिकेट प्रतियोगिता संयोजक संजय भंडारी ने बताया कि प्रतियोगिता के शुभारंभ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर अजय जाडेजा, चितौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ द्वारा किया जाएगा इस दौरान राज्य सभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर सांसद मन्ना लाला रावत, उदयपुर ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, कांग्रेस जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ भी उपस्थित रहेंगे। पूर्व क्रिकेटर अजय जाड़ेजा को चेंबर अध्यक्ष पारस सिंघवी द्वारा विशेष निमंत्रण भेजा गया जिसको स्वीकार कर उन्होंने इस महाकुंभ के शुभारंभ हेतु अपनी अनुमति प्रदान की है। अजय जाडेजा अपने समय के प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर रहे हैं।

- **आपसी संबंध स्थापित करेगा यह आयोजन** – प्रचार प्रसार मंत्री राकेश जैन ने बताया कि चेंबर से संबंधित व्यापार मंडल के सदस्य ही इसमें खेल पाएंगे, यह आयोजन शुद्ध रूप से व्यापारिक समारोह है।प्रतिदिन हजारों की संख्या में दर्शक मैच का आनंद लेंगे।यह आयोजन उदयपुर में व्यापारिक संगठनों के बीच नए संबंध की इमारत स्थापित करेगा। उद्घाटन एवं समापन पर चेंबर पूरी कार्यकारिणी एवं उदयपुर का संपूर्ण व्यापार जगत की उपस्थिति रहेगी। अभी तक 52 व्यापार मंडलों की क्रिकेट टीमों की स्वीकृति सफल आ चुकी है।
- **नियमों की कठोरता से होंगी पालना** – प्रतियोगिता सहसंयोजक कैलाश सोनी एवं अशोक काबरा ने बताया कि प्रतियोगिता को सफल एवं निर्विवाद बनाने के लिए सामूहिक रूप से नियम एवं शर्तें तय की गई है नियमों के विपरीत किसी भी प्रकार से कोई भी निर्णय नहीं लिया जाएगा एव सभी संगठनों को नियमों की पालना करनी होगी।

नवजोत सिंह सिद्धू की बड़ी भविष्यवाणी

बताया कौन जीतेगा आईपीएल 2025 का खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग सीजन 18 के प्लेऑफ के लिए 3 टीमें कन्फर्म हो चुकी है. इनमें गुजरात टाइटंस ही है, जिसने आईपीएल खिताब जीता हुआ है. जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स ने अभी तक खिताब नहीं जीता है. चौथे स्पॉट के लिए दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच लड़ाई है. अब दिग्गज भविष्यवाणी करने लगे हैं कि इस बार आईपीएल कौन जीतेगा? भारत के पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में आईपीएल 2025 में कमेंटरी कर रहे नवजोत सिंह सिद्धू ने भविष्यवाणी करते हुए बताया है कि आईपीएल 2025 का टाइटल कौन जीतेगा. उन्होंने श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स की तारीफ़ करते हुए उन्हें खिताब का प्रबल दावेदार बताया. नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि श्रेयस अय्यर और रिकी पोंटिंग की इस टीम ने वो कर के दिखा दिया जिसकी किसी को उनसे उम्मीद नहीं थी. उनका मानना है कि इस टीम को कम आंका जा रहा था लेकिन उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया. उन्होंने कहा, टीम में वही प्लेयर्स हैं, प्रभसिमरन सिंह, अर्शदीप सिंह, नेहाल वढेरा. प्रियांश आर्य तो अभी लीग से आ रहा है. तो उन्हें विश्वास देकर ऐसा बना दिया है कि वो मैच विनर बन गए हैं. आज आप देखिए नेहाल वढेरा की 70 रनों की कमाल की पारी, 180 की स्ट्राइक रेट से और साथ में शशांक सिंह की पारी. अलग-अलग मैचों में अलग-अलग प्लेयर को मैन ऑफ़ द मैच बनना. मतलब इससे बेहतर कुछ हो ही नहीं सकता. वढेरा ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 37 गेंदों में 5 छक्के और इतने ही चौकों की मदद से 70 रन बनाए थे. शशांक ने 30 गेंदों में 59 रन बनाए थे.

पंजाब किंग्स ट्रॉफी जीतने की दावेदार – नवजोत सिंह सिद्धू ने आगे कहा, पंजाब किंग्स ना सिर्फ आगे आई है बल्कि खिताब जीतने की प्रबल दावेदार भी है. मुझे दावे के साथ लग रहा है कि पंजाब किंग्स टॉप 2 में जाएगी, उनके साथ दूसरी टीम आरसीबी या गुजरात होगी. और टॉप 2 में जो पहुंचता है, उनमें से ही कोई खिताब जीतता है. 2011 से जो भी टीम खिताब जीती है, वो टॉप 2 में से ही जीती है. सिर्फ 1 बार 2016 में हैदराबाद जीती थी, जो टॉप 2 में नहीं थी. क्योंकि 3 मैच आपको लगातार जीतने होंगे, लगातार ट्रेवल करना होगा.

गुजरात - दीव के घोघला ब्लू फ्लैग बीच पर

बीच गेम्स 2025 का हुआ शुभारंभ

दीव, एजेंसी। केंद्र शासित प्रदेश दादर एवं नागर हवेली और दमन एवं दीव में दीव के खूबसूरत घोघला ब्ल्यू फ्लैग बीच पर सोमवार को राष्ट्रीय बीच गेम्स 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में देशभर से 1,000 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जो विभिन्न खेलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। समुद्र तट की प्राकृतिक सुंदरता और उत्साहपूर्ण माहौल के बीच शुरू हुए इस समारोह में केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया और दीव-दमन के प्रशासक प्रफुल्ल पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कई राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी भी इस अवसर पर मौजूद थे, जिन्होंने आयोजन को और गौरवशाली बनाया। इस बीच गेम्स में कबड्डी, रस्साकशी, बीच वॉलीबॉल, बीच फुटबॉल, बीच बॉक्सिंग सहित कई रोमांचक खेलों का आयोजन किया जा रहा है। आयोजन का उद्देश्य देश में बीच स्पोर्ट्स को बढ़ावा देना और युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना है। मनसुख मांडविया ने कहा, बीच गेम्स न केवल खेलों को बढ़ावा देने का एक मंच है, बल्कि यह देश के तटीय क्षेत्रों की सुंदरता को भी दुनिया के सामने लाता है। दीव जैसे खूबसूरत स्थान पर इस तरह के आयोजन से पर्यटन और खेल दोनों को बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय खेल मंत्री ने आईएएनएस से बात करते हुए अरब सागर के तट पर दीव में आयोजित खेलो इंडिया बीच गेम्स 2025 के शुभारंभ पर उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में देश भर से 1,350 से अधिक एथलीट विभिन्न खेल विधाओं में भाग ले रहे हैं। यह दूसरा अवसर है जब खेलो इंडिया बीच गेम्स का आयोजन किया जा रहा है और दीव को इसके लिए एक आदर्श गंतव्य बताया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता के तहत दीव को भविष्य में भी बीच गेम्स के आयोजन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य दीव को न केवल एक पर्यटन स्थल, बल्कि स्पोर्ट्स टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करना है। अगले छह दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी एथलीटों को शुभकामनाएं। यह नया भारत केवल सपने नहीं दिखाता, बल्कि उन सपनों को साकार करने का अवसर भी प्रदान करता है।

दिग्वेश-अभिषेक पर गिरी गाज, एक पर बैन तो दूसरे पर भारी जुर्माना, चलते मैच में हाथापाई करने चले थे

नई दिल्ली, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के स्पिनर दिग्वेश राठी और सनराइजर्स हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा को सोमवार को आईपीएल 2025 के मैच के दौरान हुई तीखी नोकझोंक के लिए सजा मिली है। दोनों खिलाड़ियों के बीच नोकझोंक इस कदर बढ़ गई थी कि हाथापाई तक पहुंच गए थे। लेकिन साथी खिलाड़ी बीच बचाव में आ गए और स्थिति संभल गई।

आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत स्स्त स्पिनर का तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उनके दो डिमिट पॉइंट मिले जिसके परिणामस्वरूप उन पर एक मैच का बैन लग गया। लखनऊ सुपर जायंट्स (स्स्त) के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत उनका तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उन्हें दो डिमेरिट अंक मिले हैं, इसके अलावा उन्होंने पहले तीन डिमेरिट अंक जमा किए थे 01 अप्रैल 2025 को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और 04 अप्रैल 2025 को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक। चूंकि अब उनके पास इस सीजन में पांच डिमेरिट अंक हैं जिसके परिणामस्वरूप एक गेम का निलंबन बनता है, दिग्वेश अब स्स्त के 22 मई 2025 को अहमदाबाद में गुजरात टाइटन्स के खिलाफ होने वाले मैच के लिए निलंबित रहेंगे। इस बीच, एसआरएच के बल्लेबाज पर मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है और एक डिमेरिट अंक दिया गया है, यह आईपीएल आचार संहिता के तहत उनका पहला अपराध था। बयान में कहा गया, सनराइजर्स हैदराबाद के ऑलराउंडर अभिषेक शर्मा पर लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ अपनी टीम के मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। बयान में आगे कहा गया है, यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.6 के तहत उनका पहला लेवल 1 अपराध था और इसलिए उन्हें एक डिमेरिट अंक मिला है।

यह घटना एसआरएच के लक्ष्य का पीछा करने के 8वें ओवर के दौरान हुई जब दिग्वेश ने डीप में कैच लेकर अभिषेक को आउट किया और अपने अंदाज में जश्न मनाया। लेकिन इसके तुरंत बाद दोनों के बीच तीखी बहस हुई। स्थिति को गंभीर रूप लेता देख अंपायरों के साथ-साथ एलएसजीके कप्तान ऋषभ पंत को तुरंत हस्तक्षेप करना पड़ा। रिप्ले में दिखाया गया कि आउट होने के बाद दिग्वेश अभिषेक की ओर इशारा कर रहे थे, जिसके कारण बहस हुई।

संक्षिप्त समाचार

प्रोफेसर अली खान के कई ठिकानों की ली तलाशी, मोबाइल और लैपटॉप जब्त, ऑपरेशन सिंदूर पर की थी आपत्तिजनक टिप्पणी

सोनीपत, एजेंसी। भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोपित अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को दो दिन के रिमांड पर लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है।

पुलिस आरोपित को यूनिवर्सिटी के साथ ही उनके दिल्ली स्थित कई ठिकानों पर लेकर पहुंची। यहां पर पुलिस ने तलाशी ली। आरोपित का मोबाइल और लैपटाप भी पुलिस ने कब्जे में लिया है। आरोपित को उनके लखनऊ स्थित घर पर लेकर जाया जाएगा। इसके बाद उसे मंगलवार दो बजे तक कोर्ट में फिर से पेश किया जाना है।

आरोपित प्रोफेसर की ओर से सोमवार रात को सुनवाई के दौरान तर्क दिया गया कि पोस्ट करने को लेकर उनकी कोई गलत मंशा नहीं थी। वह यूनिवर्सिटी में इंटरनेशनल रिलेशन पढ़ाते हैं, उसी भाव से पोस्ट लिखी गई थी। सांप्रदायिकता को लेकर उनका कोई गलत विचार नहीं है। वह सर्वधर्म में विश्वास करते हैं। उसकी मां खुद हिंदू है। हालांकि कोर्ट ने प्रो. अली खान महमूदाबाद को दो दिन के रिमांड पर भेजा है।

पूछताछ में प्रो. अली खान ने पुलिस को बताया कि पोस्ट पर विवाद होने के बाद उन्होंने पोस्ट डिलीट कर दी थी, जिसके चलते पुलिस ने लैपटॉप, मोबाइल और कई अन्य डिवाइस कब्जे में लिए हैं।

आरोप है कि प्रोफेसर ने एक्स पर पोस्ट लिखकर बाद में डिलीट कर दी थी, जिसके चलते अब मोबाइल और लैपटॉप को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद कई चीजें स्पष्ट होंगी। इस दौरान जांच की जाएगी कि वह किस-किस के संपर्क में रहा। यहां मोबाइल और लैपटॉप में कोई आपत्तिजनक सामग्री तो नहीं है।

सरकारी अधिवक्ता अनुज मलिक ने बताया कि कोर्ट में आरोपित प्रोफेसर के खिलाफ साक्ष्य पेश किए थे जिसके बाद दो दिन का रिमांड मिला। साक्ष्यों के आधार पर ही कोर्ट ने जरूरत पड़ने पर रिमांड बढ़ाने पर विचार करने का आश्वासन भी दिया था। आगामी सुनवाई में कोर्ट के सामने और तथ्य रखें जाएंगे।

दिल्ली के इस मेट्रो स्टेशन से सीआईएसएफ हेड कॉन्स्टेबल का बैग चोरी, मामला दर्ज

गाजियाबाद, एजेंसी। शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन की सुरक्षा में लगे सीआइएसएफ के हैड कांस्टेबल का बैग चोरी हो गया। पीड़ित हैड कांस्टेबल ने कोतवाली में इस संबंध में केस दर्ज कराया है। कन्याकुमारी निवासी वी सुरेश सीआइएसफ में हेड कॉन्स्टेबल हैं।

वी सुरेश ने पुलिस को बताया कि वह उनकी तैनाती फिलहाल शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन गाजियाबाद पर है। 14 मई की रात करीब साढ़े आठ बजे वह ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान किसी व्यक्ति द्वारा उनके बैग पर हाथ साफ कर दिया गया।

चोरी हुए उनके बैग में मोबाइल फोन और लंच बॉक्स रखा हुआ था। पीड़ित ने बैग चोरी होने पर काफी तलाश की, लेकिन बैग का कुछ पता नहीं चल पाया।

बाद में पीड़ित ने पुलिस को घटना की जानकारी दी और फिर थाने पहुंच कर चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई। कोतवाली पुलिस का कहना है कि स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए चोर का पता लगाकर शीघ्र गिरफ्तार किया जाएगा। रईसपुर गांव निवासी मोहन गिरी ने पुलिस को बताया कि उसके मकान में सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ था। जिसे 16 और 17 मई की रात साढ़े 12 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने तोड़ दिया और चोरी कर लिया।

चांदनी चौक और सदर बाजार को लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने उठाया अहम कदम, जाम-गंदगी से मिलेगा छुटकारा

नई दिल्ली, एजेंसी। जाम, अतिक्रमण, आग व गंदगी समेत अन्य समस्याओं से जूझते चांदनी चौक व सदर बाजार के व्यापारी संगठनों ने बदलाव की ओर अहम कदम बढ़ाया है।

पहली बार उन्होंने संयुक्त रूप से दोनों बाजारों को नजदीक ही अस्थाई रूप से बसाकर 100 प्रतिशत पुनर्विकास का मसौदा दिल्ली सरकार के सामने रखा है, जिसमें बहुमंजिला वातानुकूलित बड़ी दुकानों के साथ चौड़ी सड़कें, पर्याप्त खुला माहौल, चौड़ी सड़कें और किसी आपदा से बचाव के पर्याप्त इंतजाम हो। उसमें लोगों के आने जाने के लिए लिफ्ट व सामानों की ढुलाई का भी लिफ्ट हो।

यह मसौदा व्यापारी प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा से मुलाकात के दौरान सौंपा। दिल्ली व्यापार महासंघ (डीवीएम) का यह प्रतिनिधिमंडल भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ दिल्ली के संयोजक रमेश खन्ना के नेतृत्व में पहुंचा था।

व्यापारियों का यह मसौदा तब सामने आया है जब मुख्यमंत्री ने कुछ दिन पूर्व पुरानी दिल्ली के बाजारों को बेहतर सुविधाओं के लिए दिल्ली के बाहरी इलाकों में स्थानांतरित करने का विचार दिया था। वैसे, मुख्यमंत्री के यह कहते ही व्यापारियों ने तमाम व्यवहारिक दिक्कतों के मद्देनजर उस प्रस्ताव को खारिज कर बाजारों के पुनर्विकास की मांग की थी।

प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से स्पष्ट किया कि कोई भी व्यापारी अपनी वर्तमान जगह से किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित नहीं होना चाहता है, वह अपने बाजार के ही पुनर्विकास के लिए इच्छुक है तथा उसके पास इसे लेकर प्रस्ताव भी है। उन्होंने इससे संबंधित ज्ञापन में कहा है कि यह पुनर्विकास पीपीपी माडल पर हो।

व्यापारियों ने कहा कि इस तरह का पुनर्विकास बिना किसी को विस्थापित किए हुए, क्षेत्र की ऐतिहासिकता और व्यापारिक मूल्य को संरक्षित रखते हुए होगा। इससे न सिर्फ भीड़ भाड़ कम होगी, बल्कि व्यापार वृद्धि के साथ-साथ दिल्ली सरकार के राजस्व में भी लाभ होगा।

प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, मुख्यमंत्री ने उनके प्रस्ताव के सभी बिंदुओं को अत्यंत ध्यानपूर्वक सुना, प्रत्येक सुझाव को नोट किया और विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने इस परियोजना की जिम्मेदारी उद्योग मंत्री मंजिंदर सिंह सिरसा को सौंपी और स्पष्ट निर्देश दिए कि यह कार्य बिना किसी व्यापारी को हटाए हुए पूर्ण किया जाए।

बैठक में व्यापारी प्रतिनिधिमंडल में देवराज बवेजा, बलदेव गुप्ता, चंद्र भूषण गुप्ता, अजय शर्मा, सुशील गोयल, राजेन्द्र कपूर, अशोक लांबा, संजीत सिंह, सुशील साहू व देवेंद्र जैन शामिल थे।

सदर बाजार के व्यापारी तथा दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा समेत अन्य व्यापारी नेताओं ने सदर बाजार को 12 एकड़ के खाली पड़े पशुवधशाला की जमीन पर सदर बाजार को तत्कालिक रूप से स्थानांतरित कर सदर बाजार के आमूल-चूल परिवर्तन का प्रस्ताव रखा। इसी तरह, चांदनी चौक के बाजारों के अस्थाई स्थानांतरण के लिए पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन के सामने स्थित चार क्लब भवनों का उपयोग करने का प्रस्ताव रखा, जिनमें से तीन भवन पहले ही अधिग्रहित किए जा चुके हैं और एक शेष है।

बैठक में खारी बावली की टूटी सड़क के तत्काल निर्माण तथा भागीरथ पैलेस को अतिक्रमण मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि वह जल्द भागीरथ पैलेस जाकर स्थलीय निरीक्षण भी करेंगे।

बदले हालात, यमुना नदी में फॉस्फेट हुआ कम; बीओडी स्तर भी सुधरा

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना की हालत पर हर महीने आने वाली नकारात्मक रिपोर्ट के बीच मई की रिपोर्ट भविष्य के प्रति आस बंधाती है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण कमेटी द्वारा जारी मई माह की रिपोर्ट बताती है कि यमुना में फॉस्फेट के स्तर में सुधार आया है। कुछ जगहों पर बीओडी के स्तर में भी सुधार देखने को मिला है, लेकिन यह बहुत मामूली है।

वहीं अब भी आठ में से छह प्वाइंट पर यमुना के पानी में ऑक्सीजन की मात्रा शून्य रही है। इस रिपोर्ट के अनुसार बीओडी के मानक महज पल्ला में पूरे हो रहे हैं। अन्य सभी आठों जगहों पर पानी मानकों के अनुरूप नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि फॉस्फेट के स्तर में कमी आई है।

अप्रैल में फॉस्फेट का स्तर असगरपुर में 5.77 एमजी प्रति लीटर और ओखला में 5.44 एमजी प्रति लीटर था, लेकिन मई की रिपोर्ट में इसका स्तर असगरपुर में 1.92 एमजी प्रति लीटर और ओखला में 1.57 एमजी प्रति लीटर रह गया है। हालांकि नदी के पानी में फॉस्फेट की मौजूदगी नहीं होनी चाहिए। ओखला बैराज में आगरा कनाल प्वाइंट पर फॉस्फेट का स्तर 4.81 एमजी प्रति लीटर रहा था, जो अब 1.77 एमजी प्रति लीटर रह गया है। फीकल कोलीफार्म का स्तर असगरपुर में काफी बढ़ गया है। अप्रैल में इसका स्तर 13,00,000 था, जो अब मई में बढ़कर 15,00,000 एमजी प्रति लीटर हो गया है।

नमो भारत स्टेशनों की खुली पोल, ये तस्वीरें बनीं गवाह

खुले में पड़ी वायर और लिफ्ट का भी बुरा हाल

गाजियाबाद, एजेंसी। देश की पहली नमो भारत ट्रेन दिल्ली के न्यू अशोक नगर से मेरठ साउथ तक 11 स्टेशनों की बीच कुल 55 किमी दौड़ रही है। मेरठ साउथ से मेरठ शताब्दी नगर तक दिल्ली सेक्शन में न्यू अशोक नगर से सराय काले खां स्टेशन के बीच भी ट्रायल रन जारी है। अभी ट्रेन सभी स्टेशनों के बीच शुरू नहीं हुई है और ट्रेन के स्टेशनों पर लापरवाही शुरू हो गई। स्टेशनों पर सुरक्षा व्यवस्था की अनदेखी की जा रही है। न्यू बस अड्डा स्थित गाजियाबाद रेलवे स्टेशन सबसे ऊंचा स्टेशन है। यहां से बड़ी संख्या में यात्री नमो भारत स्टेशन से मेट्रो ट्रेन में बदलते हैं। अन्य स्टेशन की अपेक्षा यहां यात्रियों की संख्या अधिक रहती है।

स्टेशन पर टिकट घर से कुछ ही दूरी पर फर्श पर बिजली के वायर मिले। यह वायर बिजली के बोर्ड से कनेक्ट थे। इस स्थान पर यात्री को जाने से रोकने की कोई व्यवस्था मौके पर नहीं मिली। इसी तरह यहां सीढ़ी लगाकर बिजली का काम किया जा रहा था।

बिना बैरिकेडिंग के ही बिजली का काम किया जा रहा था। यह यात्रियों की सुरक्षा के लिए खतरा है। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के निर्माणाधीन प्लेटफार्म पर खुले में टिन शेड पड़े थे। हालांकि इस प्लेटफार्म पर यात्री नहीं जा सकते हैं। हवा में यह टिन शेड उड़कर नीचे गिर सकते हैं। इससे हादसे का खतरा है।

इसी गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के बाहर लोहे के पाइप की शटरिंग लगी है। इस शटरिंग को रस्सी से बांधा गया है। यह रस्सी देखने में कमजोर लग रही है। रेलवे स्टेशन के दोनों ओर प्लेटफार्म पर पंखे लगाए गए हैं। तीन पंखे चल रहे थे जबकि एक पंखा बंद था। जबकि इतनी भीषण गर्मी में यात्रियों को पंखे की जरूरत है।

साहिबाबाद नमो भारत स्टेशन पर लिफ्ट बंद पड़ी हुई है। जिस वजह से आनंद विहार की ओर जाने वाले यात्रियों को सीढ़ियों का उपयोग करना पड़ रहा है। स्टेशन के बाहर नाले का मलवा पड़ा हुआ है। वहीं गुलधर में नमो भारत स्टेशन पर निर्माणाधीन प्लेटफार्म पर खुले में टिनशेड पड़े मिले।

टिन शेड के छोटे-छोटे टुकड़े भी थे। तेज हवा में ये टिन शेड नीचे गिरने के साथ प्लेटफार्म पर गिर सकते है। गुलधर रेलवे स्टेशन पर एक पंखा भी बंद मिला। मोदीनगर नार्थ स्टेशन पर लिफ्ट और स्वचालित सीढ़ियां ठीक हैं। दोपहिया वाहन पार्किंग में लगी लोहे की रेलिंग टूटी मिली है।

विदेश मंत्री जयशंकर पहुंचे नीदरलैंड, रणनीतिक विशेषज्ञों से कई मुद्दों हुई चर्चा, भारत- ईयू सहयोग को बताया जरूरी

हेग, एजेंसी। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने सोमवार को हेग में अपने डच समकक्ष कैस्पर वेल्डकंप के साथ चर्चा की। उन्होंने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता के समर्थन के लिए नीदरलैंड्स को सराहते हुए आभार जताया।

जयशंकर ने बैठक के बाद एक्स पर पोस्ट में कहा कि हमने द्विपक्षीय साझेदारी को गहरा करने और यूरोपीय संघ के साथ सहयोग पर व्यापक चर्चा की। विदेश मंत्री नीदरलैंड्स, डेनमार्क और जर्मनी के छह दिवसीय दौरे के पहले चरण में सोमवार को हेग पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, जयशंकर का यह दौरा भारत की चल रही कूटनीतिक पहल का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य रणनीतिक संबंधों को गहरा करना और प्रमुख यूरोपीय साझीदारों के साथ सहयोग बढ़ाना है। इस दौरे के दौरान विदेश मंत्री तीन देशों के नेतृत्व से मिलेंगे और द्विपक्षीय संबंधों और आपसी रुचि के क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों पर अपने समकक्षों के साथ चर्चा करेंगे।

बीएलए ने दिखाया कैसे पाकिस्तानी सेना को घुटने टेकने पर किया मजबूर, जाफर एक्सप्रेस हाईजैक का वीडियो किया जारी

बलूचिस्तान, एजेंसी। बीएलए के मजीद ब्रिगेड और अन्य सामरिक इकाइयों द्वारा अंजाम दिया गया यह ऑपरेशन करीब 48 घंटे तक चला। समूह का दावा है कि उसने 214 पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को पकड़ लिया और उन्हें बंधक बना लिया, जबकि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया।

बलूचिस्तान में जाफर एक्सप्रेस के नाटकीय अपहरण के दो महीने बाद, बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ऑपरेशन का विवरण देते हुए 35 मिनट का एक वीडियो जारी किया है, जिसका कोड नाम दर्रा-ए-बोलन 2.0 है। यह फुटेज अलगाववादी समूह की रणनीति और दावों की एक दुर्लभ झलक पेश करता है, जो घटनाओं के पाकिस्तान के आधिकारिक संस्करण का खंडन करता है। क्वेटा से पेशावर जा रही 450 यात्रियों को ले जा रही जाफ़र एक्सप्रेस को 11 मार्च को तब हाईजैक कर लिया गया था, जब बीएलए के लड़ाकों ने बीहड़ बोलन क्षेत्र में रेलवे ट्रैक उड़ा दिए थे। बीएलए के मजीद ब्रिगेड और अन्य सामरिक इकाइयों द्वारा अंजाम दिया गया यह ऑपरेशन करीब 48 घंटे तक चला। समूह का दावा है कि उसने 214 पाकिस्तानी सैन्य कर्मियों को पकड़ लिया और उन्हें बंधक बना लिया, जबकि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित नागरिकों को सुरक्षित निकाल लिया।

बीएलए के मीडिया विंग हक्कल द्वारा जारी किए गए वीडियो में लड़ाके युद्ध प्रशिक्षण लेते, विस्फोटक लगाते और ट्रेन पर धावा बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसमें विद्रोहियों के बयान शामिल हैं। बलूचिस्तान में दशकों से चल रहे दमन और जबरन गायब किए गए लोगों के जवाब के रूप में हमले को उचित ठहराते हैं। फुटेज में ऑपरेशन के तथाकथित शहीदों के विदाई संदेश भी शामिल हैं। वीडियो में एक लड़ाका कहता है कि हमारे युवाओं ने दुनिया को बलूच प्रतिरोध की आवाज सुनाने के लिए बलिदान का रास्ता चुना है।

समूह पाकिस्तान पर सैन्य कब्जे का आरोप लगाता है और दावा करता है कि उसकी कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय युद्ध के सिद्धांतों का पालन करती है।

हालाँकि, पाकिस्तान ने बिलकुल अलग ही कहानी पेश की है। अधिकारियों का दावा है कि 33 बीएलए लड़ाके मारे गए, 18 सैनिक मारे गए और 354 बंधकों को बचाया गया। संकट के दौरान पाकिस्तान रेलवे ने बलूचिस्तान से आने-जाने वाली सेवाओं को निलंबित कर दिया और पूरे देश में सुरक्षा बढ़ा दी गई। अपहरण के बाद, बलूच नेताओं ने स्वतंत्रता की घोषणा जारी की।

भारत विरोधी गतिविधियों के कारण प्रवासी भारतीय की ओसीआई रद, ब्रिटेन की शिक्षाविद का बड़ा दावा

लंदन, एजेंसी। लंदन स्थित वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय में राजनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की एक ब्रिटिश कश्मीरी प्रोफेसर ने दावा किया है कि भारत विरोधी गतिविधियों के कारण भारतीय अधिकारियों ने उनकी प्रवासी भारतीय नागरिकता (ओसीआई) रद कर दी है।

निताशा कौल ने रविवार को इंटरनेट मीडिया पर भारत सरकार से प्राप्त पत्र का विवरण पोस्ट किया, जिसमें उन पर दुर्भावना से प्रेरित होने और तथ्यों या इतिहास की पूर्ण अवहेलना करने का आरोप लगाया गया है। यह घटनाक्रम फरवरी में उनके पिछले पोस्ट के बाद सामने आया है, जब शिक्षाविद ने बेंगलुरु में एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत में प्रवेश न करने देने को लेकर पलटवार किया था।

कौल ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि जानती हूं कि नफरत के खिलाफ बोलने पर भारत में शिक्षाविदों को गिरफ्तार करना भारत के बाहर के शिक्षाविदों के लिए देश और परिवार तक पहुंच को खत्म करने से जुड़ा हुआ है।

लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग द्वारा निर्धारित ओसीआई नियमों के तहत भारत सरकार कानून द्वारा स्थापित भारतीय संविधान के प्रति प्रवासी नागरिक की ओर से दुर्भावना व्यक्त किए जाने जैसे कुछ विशिष्ट आधारों पर किसी भी व्यक्ति का ओसीआई पंजीकरण रद कर सकती है।

बलूचिस्तान में बढ़ रहे जबरन लोगों को गायब करने के मामले, पाकिस्तानी सेना पर लगे गंभीर आरोप

क्वेटा, एजेंसी। बलूचिस्तान में जबरन गायब किए जाने की बढ़ती प्रवृत्ति को लेकर मानवाधिकार संस्था ने पाकिस्तान सरकार की आलोचना की है और इसे मानवता के खिलाफ अपराध बताया। बलूच नेशनल मूवमेंट के मानवाधिकार विभाग ने कहा कि बलूचिस्तान से पाकिस्तानी सेना द्वारा सात और बलूचों को जबरन गायब कर दिया गया है।

पीड़ितों को अक्सर बिना किसी कानूनी प्रक्रिया के उठाकर ले जाया जाता है। स्वजनों को उनकी कोई जानकारी नहीं दी जाती। संस्था ने कहा कि रविवार को मस्तुंग के किल्ली शेखान इलाके से वकास बलूच को जबरन हिरासत में लिया गया।

18 मई को ग्वादर के नवीद बलूच को और मस्तुंग से अत्ता उल्ला बलूच को उठाकर ले गए। इससे पहले 16 मई को पाकिस्तानी अधिकारियों ने शाह नवाज बलूच को उनके पिता के साथ सैन्य शिविर में बुलाया। पिता को वापस भेज दिया, लेकिन नवाज को हिरासत में ले लिया गया। तब से वह गायब है। अन्य घटना में 17 मई को नसीराबाद निवासी अमीन उल्ला बलूच को सुरक्षा बल उठाकर ले गए। उसी दिन नसीराबाद से गायब 13 वर्षीय फियाज अली का कहीं पता नहीं चला। सिंधियन नेशनल कांग्रेस ने भूमि अधिग्रहण और लोगों को जबरन गायब किए जाने के विरोध में हैदराबाद में मार्च का आयोजन किया। कराची, लरकाना, बदीन, सुक्कुर, खैरपुर, नवाबशाह, दादू, उमरकोट, थारपारकर आदि सहित पूरे सिंध से हजारों लोग एकत्रित हुए थे। किसानों, वकीलों, राजनीतिक कार्यकर्ताओं, महिलाओं और बच्चों ने एकजुटता के साथ मार्च निकाला।

उपायुक्त ने आपदा प्रबंधन प्राधिकार के साथ की समीक्षा बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त विजया जाधव ने मंगलवार को आपदा प्रबंधन प्राधिकार (डीडीएमए) की समीक्षा बैठक की। मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, अस्पताल उपाधीक्षक डा. अरविंद कुमार, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार, जिला अग्निशमन पदाधिकारी भगवान ओझा, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

बैठक में उपायुक्त ने जिला अंतर्गत संचालित अस्पतालों, विद्यालयों, अपार्टमेंट, मैरीज हाल, रेस्टूरेंट, कोचिंग सेंटर, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी (अग्नि सुरक्षा) का अनुपालन किया जा रहा है या नहीं इसकी जांच कर इसका अनुपालन सुनिश्चित कराने, नियमों की अनदेखी करने वालों के विरूद्ध विधि सम्मत कार्रवाई करने की बात कहीं। उन्होंने एक टीम गठित कर कुछ बड़ें प्रतिष्ठानों का जांच करने को कहा। इस बाबत जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को संबंधित विभागों को पत्र जारी करने को कहा। इस क्रम में सिविल सर्जन कार्यालय को सभी अस्पतालों में जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय को सभी विद्यालयों में अपर नगर आयुक्त कार्यालय चास एवं कार्यपालक अभियंता फुसरो को क्षेत्र अंतर्गत अपार्टमेंट, मैरीज हाल, छोटे-बड़ें व्यवसायिक प्रतिष्ठानों आदि में फायर शेफ्टी नियमों को अनुपालन सुनिश्चित करने एवं इसकी जांच-पड़ताल का निर्देश दिया। नगर निगम चास - नगर परिषद फुसरो को आमजनों के बीच इसे सुनिश्चित करने के लिए पोस्टर/इश्तेहार आदि लगाने को कहा। इसके अलावा बैठक में कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा झ निर्देश दिया गया। वहीं, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी को नियमों का अनुपालन नहीं करने वाले संस्थानों के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई के लिए दोनों अनुमंडल पदाधिकारी को पत्र लिखने का निर्देश दिया। बैठक में प्राकृतिक आपदा/स्थानीय आपदा से मृत / प्रभावित व्यक्तियों को आपदा राहत अनुदान का अंचल कार्यालय द्वारा भुगतान किये जाने के कार्य को जिला स्तर पर जिला नजारत शाखा से किये जाने का निर्णय लिया गया। वहीं, जिला अंतर्गत अवस्थित सभी प्रमुख औद्योगिक स्थानों को आन साइट प्लान एवं शेफ्टी आडिट कराये जाने का आदेश दिया गया।

बीएसएल के डीएनडब्ल्यू विभाग के ट्रांसमिशन टावर के अनुरक्षण के लिए बूम लिफ्टर का प्रयोग

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। दिनाँक 20 मई को बी एस एल के डी एन डब्ल्यू विभाग के 132 डश ट्रांसमिशन टावर के अनुरक्षण के लिए नई टेक्नोलॉजी पर आधारित बूम लिफ्टर का पहली बार प्रयोग किया गया. 132 डश ट्रांसमिशन टावर के अनुरक्षण के लिए बहुत अधिक ऊँचाई पर अनुरक्षण का कार्य किया जाता है जहाँ सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक होता है. बूम लिफ्टर के प्रयोग से 132 डश ट्रांसमिशन टावर के अनुरक्षण के कार्य को काफी सुरक्षित तरीके से इष्टतम समय में पूरा किया गया तथा अब भविष्य में भी इसकी मदद से अनुरक्षण के कार्य में मदद मिलेगी. महाप्रबंधक (डी एन डब्ल्यू) दिलीप कुमार गोंड के मार्गदर्शन में उप महाप्रबंधक(डी एन डब्ल्यू) भाष्कर चंद्र शाल, सहायक महाप्रबंधक (डी एन डब्ल्यू) अनिल कुमार हेमब्रम , कनीय प्रबंधक श्री एस आर रजक, सीनियर ऑपरेटिव पंकज कुमार के टीम के द्वारा ट्रांसमिशन टावर के अनुरक्षण के कार्य को सुचारु और सुरक्षित तरीके से किया गया.

संक्षिप्त समाचार

युवती ने की आत्महत्या

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर 9 स्थित नेपाली पाडा में रहने वाली 34 वर्षीय युवती ने घर के अंदर दुपट्टे से झूल कर आत्महत्या कर ली। जिस वक्त युवती ने आत्महतया की। उस वक्त घर में कोई नहीं था। भाई जब घर पहुंचा तो बहन को फंदे से झूलता हुआ पाया। आत्महत्या के कारण का पता भी नहीं चल पाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। युवती के पिता बोकारो स्टील प्लांट में ठेका मजदूर है। घटना के वक्त मां भी घर से बाहर गई हुई थी।

दो पैन चार वोटर कार्ड एक जनप्रतिनिधि को शोभा नहीं देता : जयराम महतो

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो विधायक श्वेता सिंह के द्वारा दो पैन कार्ड रखे जाने के मामले कांग्रेस और भाजपा एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। इस बीच डुमरी विधायक जयराम महतो ने तो श्वेता सिंह की मनसा पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। बोकारो परिसदन में पत्रकारों से बातचीत के क्रम में डुमरी विधायक जयराम महतो ने कांग्रेस विधायक श्वेता सिंह के द्वारा दो अलग-अलग जगह से पैन कार्ड और चार वोटर कार्ड रखना के मामले को गलत बताया है।

उन्होंने श्वेता सिंह की मनसा पर भी सवाल उठाया है। जयराम महतो ने कहा कि अगर दो एड्रेस से दो अलग-अलग पैन कार्ड है तो यह जानबूझकर की गई गलती है। उन्होंने कहा कि इलेक्शन कमिशन का जो प्रोटोकॉल है उसका उल्लंघन है। इस पर निसंदेह कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि हम यह मान सकते हैं कि शादी के बाद श्वेता सिंह जब बोकारो आई तो मायके में एक वोटर कार्ड के के अलावा बोकारो में एक वोटर कार्ड हो सकता है। लेकिन चार-चार वोटर कार्ड अलग-अलग एड्रेस से यह एक जनप्रतिनिधि के लिए बहुत ही गलत है।

अबुआ आवास के लिए दी गई घूस की राशि डीसी ने लाभुक वापस कराई

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पिछले दिनों चंदनकियारी प्रखंड सह अंचल कार्यालय में आयोजित जनता दरबार में सुबेदार चौधरी नामक लाभुक ने अबुआ आवास स्वीकृति को लेकर चंदनकियारी प्रखंड के पोलकिरी पंचायत के रोजगार सेवक अमर कुमार बाउरी पर 20 हजार रूपए घूस देने का आरोप लगाया था।, इस बाबत कई सक्ष्य भी डीसी के समक्ष प्रस्तुत किया था।

जांच क्रम में मामला सही पाते हुए, डीसी विजया जाधव ने संबंधित रोजगार सेवक को घूस के एवज में ली गई 20 हजार की राशि अविलंब वापस करने को कहा था। इसी मामले में राशि वापस मिलने के बाद मंगलवार को लाभुक सुबेदार चौधरी समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष पहुंचें और डीसी के प्रति आभार जताया। उधर, डीसी ने मामले में संबंधित रोजगार सेवक के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई को लेकर निदेशक डीआरडीए को निर्देश दिया है। डीसी ने कहा कि आमजनों को किसी भी स्तर पर परेशान करना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

तेतुलिया मौजा के विभिन्न प्लॉटों पर सूचना बोर्ड हुआ अधिष्ठापित

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार चास अंचल के तेतुलिया मौजा, खाता संख्या 160 के विभिन्न प्लॉटों पर मंगलवार को चास अंचल कार्यालय की टीम द्वारा संबंधित भूमि की सुरक्षा को लेकर सूचना बोर्ड अधिष्ठापित किया गया।

बोर्ड पर स्पष्ट रूप से अंकित है कि, हाल सर्वे खतियान के अनुसार गैर आबाद खाते की भूमी है। उक्त जमीन की खरीद-बिक्री एवं निर्माण कार्य पर पूर्णतः रोक है। आदेश का उल्लंघन करने पर विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

चोरों ने मचाया आतंक, लोग पुलिस से नाराज

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अपराधियों ने इन दोनों बोकारो में आतंक मचा रखा है। बीती देर रात सेक्टर 12 थाना क्षेत्र के आदर्श कोऑपरेटिव में सात आठ की संख्या में आए चोरों ने चोरी की घटना को देते हुए एक अन्य घर में भी चोरी का प्रयास किया। हालांकि घर वालों के जागने के बाद चोर मौके से अपने सामानों को छोड़कर फरार हो गए। घटना के बाद लोगों में दहशत है। लोग पुलिस प्रशासन पर पेट्रोलिंग नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं घटना की जानकारी हंड्रेड डायल में देने के एक से डेढ़ घंटे के बाद घटनास्थल पर पुलिस पहुंची। चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम देने से पूर्व घर के बाहर बने बागान में शराब का सेवन भी किया है जहां से बोतल खिड़की का छड़ काटने वाला कटर भी बरामद किया गया है। चोरों ने आवास संख्या 66 ए का खिड़की काटकर अंदर में चोरी की घटना को अंजाम दिया, वहीं 65 ए में चोरी का असफल प्रयास किया। जिसमें घर के खिड़की का सभी ग्रिल कटा हुआ पाया गया। 65 ए में में रहने वाली रंजू देवी ने बताया कि रात के लगभग ढाई बजे घर में कुछ आवाज सुनाई दिया उठे तो आवाज बंद हो गया उसके बाद तीन बजे के लगभग बहू उठी तो फिर आवाज बंद हो गया। लाइट जलाने पर देखा कि बाहर 7 से 8 लोग लोन में बैठे हुए हैं। जब दरवाजा खोलने का प्रयास किया तो बाहर से चोरों ने पत्थर चला दिया। हल्ला करने पर मौके से सब फरार हो गए। 66 ए के मालिक राम जी सिंह ने बताया कि जब पड़ोस में हल्ला हो रहा था तो उठा तो देखा घर का दरवाजा बंद है। खिड़की से ग्रिल गायब था। बाहर से पुलिस आने के बाद दरवाजा खोला गया तो घर में अलमीरा में रखें सामान गायब पाया।

तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जन जागरूकता जरूरी : सिविल सर्जन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद की अध्यक्षता में तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र सदर अस्पताल के ओपीडी नं० 13 परिसर में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता के साथ-साथ 20 मई से 05 जून तक तम्बाकू का नशा छोड़ने हेतु ज्यादा से ज्यादा लोगों को तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र से जोड़ने हेतु अपील की गई। कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के द्वारा बताया गया कि तम्बाकू के दुष्प्रभाव के प्रति जन जागरूकता हेतु प्रभातफेरी, शपथ कार्यक्रम, तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र पर मिलने वाली सुविधा से लोगो को अवगत कराना, चित्रकला के माध्यम से जागरूक करना, समुदाय के अन्दर समूह चर्चा के साथ साथ तम्बाकू के लत से अपने आपको आजाद करने के लिये टाल फ्री नं0 1800-11-2356 को ज्याद से ज्यादा लोगो तक पहुंचाने आदि कार्यक्रम किये जायेंगे। वहीं जिला परामर्शी मो असलम द्वारा बताया गया कि तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र सदर अस्पताल के 13 नं. ओपीडी में संचालित है, जिसमें जांच हेतु कार्बन मोनोआक्साईड मानीटर, फेफड़े की स्थिति की जांच हेतु स्पाईरोमीटर, स्मोक एनालाईजर के साथ साथ तम्बाकू छोड़ने में सहायता हेतु निकोटीन गम (च्वींगम)ए निकोटीन पैच के साथ साथ बिपरोपियोन दवा भी उपलब्ध है। साथ ही सभी लोगों से अपील किया कि जो भी व्यक्ति आप के आसपास है और किसी भी तरह के तम्बाकू उत्पाद का सेवन कर रहे हैं तो ऐसे नशा को छोड़ने हेतु तम्बाकू नशा मुक्ति केन्द्र से जोड़े ताकि समय रहते नशा से दूर किया जा सके। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान डा. निकेत चौधरी, डा. प्रशान्त कुमार मिश्रा, डा. राजश्री रानी सिंह, डा. संजय कुमार, डा. तुलिका सिंह, डा. चन्दन मुर्मू, जिला कार्य प्रबंधक दीपक कुमार, जिला कार्यक्रम सहायक आरती कुमारी मिश्रा, सोशल वर्कर छोटेलाल दास के अलावा अन्य लोग उपस्थित थे।

बस खड़े ट्रेलर से टकराई आधा दर्जन घायल, एक गंभीर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद पुरुलिया मुख्य मार्ग पर पिंडराजोरा थाना क्षेत्र में पारटाँड़ मोदक पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खड़े ट्रेलर को टाटा से बोकारो आ रही बस ने जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में आधा दर्जन यात्री घायल हो गए। जिसमें एक यात्री की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। जिसका इलाज चास के निजी अस्पताल में चल रहा है। अन्य यात्रियों का इलाज सदर अस्पताल बोकारो में चल रहा है। कुछ यात्रियों को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया है।

लोगों ने इसके लिए जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस को जिम्मेदार ठहराया है। सड़क में ट्रक और ट्रेलर के खड़ा कर देने से लगातार हादसा हो रहा है। लेकिन प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दे रहा है। स्थानीय लोगों ने गाड़ियों को जल्द से जल्द सड़क किनारे लगाने से नहीं रोकने पर आंदोलन की धमकी दी है। वही बस में सवार सोनू महतो ने बताया कि केबिन के पीछे गेट के पास वह सीट में बैठे हुए थे। इसी दौरान जोरदार टक्कर हुई और उसमें वह घायल हो गए स्थानीय लोगों ने बस से उतर कर अस्पताल पहुंचाया सोनू ने बताया कि जिस वक्त हादसा हुआ बस यात्रियों से भरा पड़ा था।

मेसर्स शिप्रा इंटरप्राईजेज ने किया बंदोबस्ती नियमों का उल्लंघन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। 06 नवंबर 2023 को सम्पन्न नीलामी में 12,35,000.00 (बारह लाख पैंतीस हजार) रू. मात्र में मेसर्स शिप्रा इंटरप्राईजेज के मनोज राय को मेन रोड चास स्थित जिला परिषद के रवीन्द्र भवन की बंदोबस्ती की गई थी। बंदोबस्ती की समयावधि दिनांक 01 दिसंबर 2024 को समाप्त होने के उपरान्त बंदोबस्ती की राशि 12,35,000.00 (बारह लाख पैंतीस हजार) रू. मात्र जिला परिषद कार्यालय में हस्तगत करने हेतु मेसर्स शिप्रा इंटरप्राईजेज के मनोज राय को निर्देश दिया गया था। परन्तु बार-बार निर्देश देने के बावजूद भी मेसर्स शिप्रा इंटरप्राईजेज के मनोज राय द्वारा अभी तक बंदोबस्ती की शेष राशि मो० 5,17,500.00 (पाँच लाख सतरह हजार पाँच सौ) रू. जमा नहीं किया गया है। दिनांक 20 मार्च 2025 को मेसर्स शिप्रा इंटरप्राईजेज के मनोज राय द्वारा उपायुक्त, बोकारो से एक माह का समय मांगा गया था, जिसके आलोक में दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक बंदोबस्ती की शेष राशि जमा करने हेतु समय निर्धारित की गई थी। चूंकि बंदोबस्ती की समयावधि 01 दिसंबर 2024 को समाप्त हो गयी है। लगभग साढ़े पांच माह का समयावधि बीत जाने के बावजूद भी आपके द्वारा बंदोबस्ती की शेष राशि कार्यालय में जमा नहीं किया गया है, जो बंदोबस्ती के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। साथ हीं, कार्यालय के राजस्व का भी क्षति पहुंच रहा है। इससे स्पष्ट हो रहा है कि आप बंदोबस्ती करने के लिए आप गंभीर नहीं है।

गुरु गोविंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेज के बढ़ते कदम

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस, इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कालेज, बोकारो को नेशनल एसेसमेंट एंड एक्रिडीटेशन कौंसिल, भारत सरकार द्वारा 'बी ++' ग्रेड प्रदान किया गया है। इसके साथ ही गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस ने झारखण्ड युनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, राँची से संबद्ध सभी सरकारी एवं गैर सरकारी कालेजों के बीच तथा प्रदेश में सर्वोच्च स्थान हासिल किया है।. कालेज निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार ने बताया कि इस ग्रेड को हासिल करने के फलस्वरूप कालेज प्रति वर्ष छात्रवृत्ति (होस्टल समेत) एक लाख रुपए प्रति छात्र प्राप्त करने की योग्यता रखता है। निदेशक ने फैकल्टी मेंबर्स को इस सफलता पर बधाई दी तथा उनके योगदान को श्रेय दिया। आई. क्यू. ए. सी. समन्वयक डा. मनोजीत डे, प्रो. महमूद आलम, प्रो. रश्मि ठाकुर, डा. राजेंद्र प्रसाद वर्मा, प्रो. सिद्धलाल हेम्ब्रम, प्रो. मुकेश सिन्हा, प्रो. गौतम कुमार, प्रो. सुमीत कुमार, प्रो. पल्लवी प्रसाद, प्रो. वैभव गुप्ता, प्रो. सलीम अहमद, प्रो. रोही प्रसाद, प्रो. इमाम, प्रो. मुहम्मद हुसैन, प्रो. आशीष कुमार, अनिल सिंह व अन्य ने उल्लेखनीय योगदान दिया। झारखण्ड युनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, राँची के कुलपति डा. डी. के. सिंह ने बधाई संदेश में निदेशक के डायनमिक नेतृत्व को सराहते हुए कालेज के उज्जवल भविष्य की कामना की।. आई. एस. टी. ई, सी. यू. जे. रांची, आर. वी. एस. जमशेदपुर, एन. आई. टी. जमशेदपुर, सी. आई. टी. राँची, चास कालेज, बोकारो व अन्य युनिवर्सिटी/कालेज/संस्था से बधाई संदेश प्राप्त हुए हैं। संस्थान के अध्यक्ष तरसेम सिंह एवं सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने निदेशक डा. प्रियदर्शी जरुहार के नेतृत्व की प्रशंसा और सराहना करते हुए प्राध्यापकगण व कर्मचारीगण की मेहनत को सराहा एवं सभी को यह उच्च मुकाम हासिल करने पर बधाई दी।

जिले में अब तक कुल एक लाख से ज्यादा प्लॉटों की एनजीडीआरएस पोर्टल पर हुई प्रविष्टि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सरकार के सचिव, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा सभी प्रतिबंधित सूची के अंतर्गत आनेवाली सरकारी भूमि, खासमहल की भूमि/लीज बंदोबस्ती की गई भूमि, विभिन्न विभागों के लिए अर्जित की गई रैयती भूमि एवं हस्तांतरित सरकारी भूमि, संरक्षित/अधिसूचित वनभूमि को निश्चित रूप से एनजीडीआरएस के अंतर्गत अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया है, ताकि इस तरह की भूमि का अनाधिकृत निबंधन नहीं हो सके।

इसी के आलोक में बोकारो जिला के सभी अंचल अधिकारी, वन प्रमण्डल पदाधिकारी एवं अन्य विभागों से प्राप्त सरकारी, अधिग्रहित एवं सभी प्रकार के वन भूमि की प्राप्त सूची को पूर्व में एनजीडीआरएस पोर्टल पर प्रविष्टि की गई है। ऐसी सूचना प्राप्त हो रही है कि एनजीडीआरएस पोर्टल में कुछ खाता/प्लॉट की प्रविष्टि छुट गई है। प्राप्त सूचना के आलोक में सभी अंचल अधिकारियों से सभी प्रतिबंधित सूची के अंतर्गत आनेवाली सरकारी भूमि, लीज बंदोबस्ती की गई भूमि, विभिन्न विभागों के लिए अर्जित की गई रैयती भूमि एवं हस्तांतरित सरकारी भूमि के छुटे हुए खाता सं० एवं प्लॉट सं. की सूची प्राप्त कर प्रतिबंधित सूची में दर्ज किया जा रहा है। 20 मई 2025 तक एनजीडीआरएस पोर्टल पर अंचलवार प्रविष्टि की गई। छुटे हुए खाता, प्लॉट से संबंधित प्रतिवेदन निम्नवत है -

चास अंचल	**- 3460 प्लॉट**
चन्दनकियारी अंचल	**- 310 प्लॉट**
जरीडीह अचल	**- 491 प्लॉट**
कसमार अंचल	**- 204 प्लॉट**

कुल 4465 प्लॉट छुटे हुए प्रतिबंधित श्रेणी की भूमि की प्रविष्टि एनजीडीआरएस पोर्टल पर की गई है। शेष छुटे हुए प्लॉटों की प्रविष्टि प्रतिदिन जारी है। उल्लेखनीय हो कि, बोकारो जिला अंतर्गत अब तक कुल 1,18,746 प्लॉटों की प्रविष्टि एनजीडीआरएस पोर्टल पर की गई है ताकि इस तरह की भूमि का अनाधिकृत निबंधन नहीं हो सके।

रौनियार वैश्य कल्याण मंच की मासिक बैठक संपन्न

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रौनियार वैश्य कल्याण मंच की मासिक बैठक दिनेश कुमार गुप्ता के आवास पर संपन्न हुई। इस बैठक में मंच के सभी सदस्य शामिल हुए, सभी सदस्यों ने संगठन को और अधिक मजबूती प्रदान करने,सामाजिक सरोकार रखने वाले कर्मठ सदस्यों को जोड़ने,एवम आगामी कार्यक्रम के संदर्भ मे अपने अपने विचार रखे, और सभी सदस्यों के सर्व सम्मति से ये निर्णय लिया गया की मासिक बैठक महीने के प्रथम सप्ताह मे होगा। आगामी बैठक मे नई कमिटी का गठन किया जायेगा। पूर्व के भाँति मासिक शुल्क सुचारु रूप से देना होगा। समाज के बच्चे हो या किसी भी जाति के बच्चे हो सेकेंडरी बोर्ड से लेकर उपर के किसी भी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करते हो उन्हे, समाज के द्वारा पुरुष्कृत किया जायेगा। बच्चो के शादी ब्याह मे छोटी छोटी बातें को लेकर रिश्ता होते होते नही हो पाता है, समाज उस पर पूरी ईमानदारी से पहल करते हुए जोड़ने का प्रयास करेगी। दहेज के चलते जिन बच्चियों की शादी टूट जाती है, उसे टूटने से बचाने का प्रयास करेगी। आने वाले दिन जल्द ही एक पारिवारिक मिलन सह मेल जोल कार्यक्रम का आयोजन करेगी, और भी कई बिंदुओं पर सहमति बनी जो आने वाले समय दिखेगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर एलडीवाइ केंद्र चंदनकियारी द्वारा तिरंगा यात्रा का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की खुशी में देशव्यापी तिरंगा यात्रा के क्रम में मंगलवार को छऊ केंद्र, चंदनकियारी द्वारा तिरंगा यात्रा व झांकी निकाली गई जिसका समापन देशभक्ति गीतों के साथ हुआ। इस कार्यक्रम में भारी संख्या में लोगों ने अपनी सहभागिता दी। तिरंगा यात्रा के रूप में रैली निकाली गई। भारत माता की जय से पूरा चंदनकियारी गूंज उठा। पूरा कार्यक्रम छऊ केंद्र के संयोजक डॉ संजय कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस आयोजन को सफल बनाने में दिलीप जेना, आशुतोष कुमार एवं विजय कुमार ने प्रशंसनीय भूमिका निभाई। संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली द्वारा संचालित छऊ केंद्र, चंदनकियारी के संयोजक डॉ संजय कुमार चौधरी ने बताया कि गत 22 अप्रैल को श्रीनगर से लगभग 90 किलोमीटर दूर पहलगाम के बेसरन घाटी में निहत्थों एवं निर्दोष लोगों की पाकिस्तानी सेना एवं सरकार द्वारा पोषित आतंकवादियों ने निर्मम हत्या कर दी। अपने ही भूभाग पर मासूमों की हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया सभी राजनैतिक दलों, समाज जीवन में सक्रिय लोगों एवं दुनिया के सभी संवेदनशील सरकारों ने इस घटना की कड़ी निंदा की और देश की जनता ने सरकार से बदला लेने की अपील की। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुखों, भारतीय सेना एवं राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के कुशल नेतृत्व में भारत ने पाकिस्तान के आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। भारत ने विराट हृदय का परिचय देते हुए पाकिस्तान के सैनिक एवं नागरिकों पर कोई हमला नहीं किया। किंतु पाकिस्तान के मूर्ख एवं निकम्मी सरकार ने भारत पर हमला करने का दुस्साहस किया जिसका मुंहतोड़ जवाब भारत ने दिया। पूरी योजना को अंजाम कर्नल सोफिया कुरैशी एवं विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने दिया।

इस सफल ऑपरेशन का नाम ऑपरेशन सिंदूर दिया गया। दो दिनों में ही पाकिस्तान को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा और पाकिस्तान ने भारत से सीज फायर करने की गुहार लगाई। इसी जीत की खुशी में पूरे देश में तिरंगा यात्रा और देशभक्ति गीतों पर आधारित कार्यक्रम हो रहा है। इसी उपलक्ष्य में छऊ केंद्र चंदनकियारी ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK